दिनमान: सूर्योदय 4.51 सूर्यास्त 6.20
तापमान: अधिकतम 36° न्यूनतम 27°

वर्ष 18, अंक 353 पृष्ठ 12
कोलकाता, बुधवार, 10 जून 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, दशमी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

ममता के आवास से सटे टीएमसी कार्यालय में सीआईडी की तलाशी

हस्ताक्षर जालसाजी मामले में बड़ी कार्रवाई ▪ अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में भी जांच दल पहुंचा ▪ जालसाजी मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए

कोलकाता: विधानसभा में हस्ताक्षर जालसाजी मामले की जांच के तहत मंगलवार को सीआईडी ने कालीघाट स्थित तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय में छापेमारी की. यह कार्यालय पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास से सटा हुआ है. करीब एक घंटे तक चले विवाद और कानूनी बहस के बाद जांच अधिकारियों को कार्यालय में प्रवेश मिला. इसी दौरान सीआईडी की एक अन्य टीम तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कैमेक स्ट्रीट स्थित कार्यालय भी पहुंची. सीआईडी अधिकारियों का कहना है कि अभिषेक बनर्जी द्वारा जांच एजेंसी को भेजे गए जवाबी पत्र में बताया गया था कि विधायकों के हस्ताक्षर इसी कार्यालय में एकत्र किए गए थे. इसी जानकारी के आधार पर वहां तलाशी ली गई. जांच दल के साथ पुलिस और केंद्रीय बल भी मौजूद रहे. कार्यालय की देखरेख कर रहे तृणमूल के कोषाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य शुभाशीष चक्रवर्ती ने शुरुआत में तलाशी की अनुमति देने से इन्कार कर दिया. उनका कहना था कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी दोनों दिल्ली में हैं, इसलिए उनकी अनुपस्थिति में वह ऐसा निर्णय नहीं ले सकते. इसके बाद सीआईडी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनके पास विधिवत सर्च वारंट है और जांच में बाधा डालना कानूनी रूप से गंभीर मामला हो सकता है. काफी देर तक चली बहस के बाद जांच दल कार्यालय में दाखिल हुआ.

सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कार्यालय के लागबुक, आगंतुकों के रिकार्ड और सीसीटीवी फुटेज की जांच की है. एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जिस दिन विधायकों के हस्ताक्षर लिए गए थे, उस दिन कौन-कौन मौजूद था और दस्तावेजों की प्रक्रिया कैसे पूरी की गई. मामले की शुरुआत विधानसभा में विपक्ष के नेता के चयन से जुड़े प्रस्ताव पत्र को लेकर हुई. आरोप है कि तृणमूल की ओर से विधानसभा सचिवालय में जमा किए गए समर्थन पत्र में कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों में गड़बड़ी पाई गई. शिकायत के बाद एफआइआर दर्ज हुई और जांच की जिम्मेदारी सीआईडी को सौंपी गई. कई विधायकों से पूछताछ की जा चुकी है. उधर, जब कोलकाता में सीआईडी की कार्रवाई चल रही थी, उसी समय दिल्ली में ममता बनर्जी कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने उनके आवास पहुंचीं थीं.

दूसरी ओर सीआईडी ने हस्ताक्षर जालसाजी मामले में अभिषेक बनर्जी को तीसरी बार समन जारी किया है. सीआईडी ने उन्हें मंगलवार शाम पांच बजे तक भवानी भवन स्थित मुख्यालय में उपस्थित होने को कहा था, लेकिन अभिषेक उपस्थित नहीं हुए.यह मामला 19 मई को विधानसभा सचिवालय में जमा किए गए एक विवादास्पद पत्र से जुड़ा है, जिसमें शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष के नेता के रूप में नामित किया गया था. पत्र पर तृणमूल के लगभग 70 विधायकों के हस्ताक्षर होने की बात कही गई है. हालांकि, बागी विधायकों रिताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा की शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि पत्र पर मौजूद कुछ हस्ताक्षर जाली थे, जिसके कारण प्राथमिकी दर्ज की गई और सीआईडी जांच शुरू की गई.पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के चयन को लेकर तृणमूल कांग्रेस में बगावत छिड़ गई है.

संकट तब और बढ़ गया, जब तृणमूल कांग्रेस के 80 विधायकों में से 58 ने पार्टी नेतृत्व की अवहेलना करते हुए आधिकारिक उम्मीदवार शोभनदेब चट्टोपाध्याय के बजाय निष्कासित विधायक रिताब्रता बनर्जी का इस पद के लिए समर्थन किया. पिछले हफ्ते बागी खेमे ने विधायक दल पर नियंत्रण हासिल कर लिया, रिताब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता चुना और विधानसभा अध्यक्ष से मान्यता प्राप्त कर ली, जिसके परिणामस्वरूप 1998 में तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद से पार्टी में पहली बार विभाजन हुआ.

बगावत से हिलीं ममता, दिल्ली में सोनिया गांधी से दो बार मिलीं

नई दिल्ली: विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक में सहयोगी दलों के बीच एकता और बेहतर तालमेल पर जोर दिए जाने के एक दिन बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी मंगलवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने पहुंचीं. यह बैठक सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर हुई.सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद की राजनीतिक स्थिति और हालिया बंगाल चुनावों में भाजपा से हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के पार्टी छोड़ने के घटनाक्रम पर चर्चा हुई, साथ ही दोनों दलों की आगे की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ. यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब सोमवार को विपक्षी गठबंधन की बैठक के दौरान सोनिया गांधी और ममता बनर्जी ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया था. कांग्रेस ने दोनों नेताओं की आत्मीयता दर्शाने वाली तस्वीरें भी साझा की थीं. तृणमूल कांग्रेस इस समय आंतरिक असंतोष के दौर से गुजर रही है.

आज इतिहास रचेंगे मोदी

नेहरू को पीछे छोड़ सबसे लंबे समय तक रहने वाले बन जाएंगे पीएम

नई दिल्ली: भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में 10 जून 2026 का दिन इतिहास में दर्ज हो जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जून भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित रहने वाले लोकतांत्रिक प्रधानमंत्री बन जाएंगे. देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का करीब छह दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे.10 जून 2026 को पीएम मोदी ने लगातार प्रधानमंत्री के पद पर 4,399 दिन पूरे कर लेंगे. जबकि जवाहरलाल नेहरू का लगातार कार्यकाल 4,398 दिनों का था. भारत के प्रधानमंत्रियों के इतिहास और उनके योगदान को संजोने वाले प्रधानमंत्री संग्रहालय के रिकॉर्ड्स में यह एक बेहद ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन चुके हैं. पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और तब से उनका यह सफर लगातार जारी है.केवल केंद्र सरकार के स्तर पर ही नहीं, बल्कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि और सरकार के मुखिया के रूप में भी नरेंद्र मोदी का रिकॉर्ड बेमिसाल है. गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के तौर पर उनका संयुक्त कार्यकाल 8,931 दिनों से अधिक का हो चुका है, जिससे वह भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित शासक हैं. वह भारत के इकलौते ऐसे नेता हैं जिनके नेतृत्व में लगातार 6 बड़े चुनाव जीते हैं. तीन बार गुजरात विधानसभा (2002, 2007, 2012) और तीन बार लोकसभा चुनाव (2014, 2019, 2024) में बीजेपी ने जीत दर्ज की.

तृणमूल के बागी करेंगे मोदी का सपना पूरा : अधीर

परिसीमन, वन नेशन वन इलेक्शन का रास्ता साफ ● सीआईडी अभिषेक को हिरासत में ले

कोलकाता: कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों पर बगावत के बाद बड़ी भविष्यवाणी की है. कांग्रेस नेता ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद बीजेपी और नरेंद्र मोदी के अधूरे सपने को पूरा करेंगे. बीजेपी अब अपने बचे हुए एजेंडे परिसीमन बिल और वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को संसद में पारित करा लेगी. उन्होंने कहा कि 2011 में सत्ता में आने के बाद टीएमसी ने बंगाल के विकास का तर्क देते हुए पंचायत स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी छोड़ने के मजबूर किया था. अब बीजेपी बंगाल में जीत के बाद देश के विकास के नाम पर टीएमसी के टुकड़े-टुकड़े कर रही है. आज ममता के घर के पास तृणमूल कार्यालय में सीआईडी की तलाशी पर अधीर रंजन ने कहा कि अभिषेक को हिरासत में लेना चाहिए.अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि टीएमसी के बागी सांसद बीजेपी के इशारे पर काम कर रहे हैं. उन्हें कायदे से बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए. कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी के बागी बीजेपी के साथ डूबकर नहाना तो चाहते हैं, मगर अपने सिर के बाल भींगाना नहीं चाहते हैं. उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि बीजेपी इन सुनहरे मौके का इस्तेमाल करना चाहती है. अब वह संसद में लटके हुए सारे बिल पास कराएगी. बीजेपी का एजेंडा काफी बड़ा है. परिसीमन, वन नेशन वन इलेक्शन जैसे बिल पारित करने के लिए जो चाहिए, उसी दिशा में बीजेपी आगे बढ़ रही है.युसूफ पठान के रोल पर अधीर रंजन चौधरी ने बहरामपुर के 2024 के चुनाव का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने उनके खिलाफ युसूफ पठान को उतारा था, क्योंकि उन्हें हराने के लिए मुसलमान कैंडिडेट चाहिए था. टीएमसी ने 'बार-बार दादा को, इस बार भाईजान को' का नारा दिया. युसूफ पठान ने मौलानाओं के साथ मस्जिद के दौरे किए और कुरान बांटे.

राम मंदिर दान विवाद पहुंचा पीएमओ

अखिलेश ने फिर पूछा : चोरी का पाप करने वालों को कौन बचा रहा

अयोध्या: श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि की हेराफेरी का मामला प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंच गया है. भाजपा नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को इस संबंध में एक शिकायती पत्र भेजा है. इस प्रकरण ने अब एक नया मोड़ ले लिया है. राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के पूर्व प्रमुख सचिव नृपेंद्र मिश्र सोमवार को अचानक अयोध्या पहुंचे. उन्होंने बंद कमरे में एक बैठक की, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, मिश्र ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से चर्चा की. उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े प्रमुख अधिकारियों के साथ भी विस्तृत बात की. यह बैठक पूरी तरह गोपनीय रखी गई थी. इसकी कार्यसूची को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई. बैठक के बाद वह मंगलवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए.राम मंदिर में दान राशि को लेकर उठे विवाद और उसके तुरंत बाद नृपेंद्र मिश्र के इस दौरे को राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. चर्चा है कि मंदिर की व्यवस्थाओं और हालिया घटनाक्रम पर तैयार होने वाली रिपोर्ट अब शीर्ष स्तर तक पहुंच सकती है.

बंगाल के लिए केंद्र ने खोला खजाना

10 लाख पीएमएवाई आवास और 1,700 करोड़ का पैकेज स्वीकृत

कोलकाता: केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 लाख आवासों के निर्माण को मंजूरी दे दी है. इसके साथ ही राज्य के लिए कुल 1,700 करोड़ रुपये का ग्रामीण विकास पैकेज भी स्वीकृत किया गया है, जिसमें सड़क निर्माण, रोजगार योजनाओं और पेंशन से जुड़ी विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं. केंद्र सरकार के अनुसार, यह निर्णय हाल ही में राज्य में नई सरकार के गठन के बाद लिया गया है. इसे पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. इस पैकेज से राज्य के ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है.

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 लाख घरों की स्वीकृति को लंबे समय से चल रहे केंद्र और राज्य के बीच ग्रामीण आवास फंड को लेकर विवाद में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में देखा जा रहा है. वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने कथित अनियमितताओं के आरोपों के चलते इस योजना के तहत फंडिंग को रोक दिया था. उस समय लगभग 11.5 लाख घरों के लिए 8,200 करोड़ की राशि आवंटित की गई थी, जिसे बाद में रोक दिया गया था. फंड रोके जाने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के खजाने से करीब 28 लाख आवासों के निर्माण का दावा किया था और केंद्र पर राज्य को उसके हक के फंड से वंचित करने का आरोप लगाया था. अब ताजा मंजूरी के बाद राज्य के लाखों ग्रामीण परिवारों को पक्का घर मिलने की उम्मीद बढ़ गई है.

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 800 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसका उपयोग राज्य के ग्रामीण इलाकों में सड़कों के निर्माण और सुधार कार्यों में किया जाएगा. इस योजना से दूरदराज के गांवों में सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है, जिससे आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा. ग्रामीण सड़क परियोजनाओं को लेकर पिछले कुछ वर्षों में राज्य और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी देखने को मिला है. ऐसे में यह नई स्वीकृति ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है.

इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 700 करोड़ की राशि भी मंजूर की गई है. यह योजना राज्य में 100 दिन के रोजगार कार्यक्रम को फिर से गति देने में मदद करेगी, जो जून महीने से पुनः सक्रिय होने की संभावना है. इसके अतिरिक्त पंचायत विभाग के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण पेंशन योजनाओं के लिए 600 करोड़ की राशि भी जारी की गई है, जिससे वृद्धावस्था, विधवा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभार्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है.

दरअसल, यह वित्तीय पैकेज पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए केंद्र सरकार की सबसे बड़ी सहायता में से एक है. इन योजनाओं से न केवल ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार होगा बल्कि रोजगार सृजन और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी. कुल मिलाकर, केंद्र सरकार की इस घोषणा को पश्चिम बंगाल के ग्रामीण विकास पर बड़ा प्रभाव डालने वाला कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले महीनों में जमीनी स्तर पर बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

सब्यसाची दत्ता गिरफ्तार : विरोध के बीच गाड़ी पर फेंके गए टमाटर-अंडे और गोबर

कोलकाता: बिधाननगर नगर निगम के प्रथम मेयर और वर्तमान चेयरमैन रहे तृणमूल कांग्रेस नेता सब्यसाची दत्ता को एक कारोबारी से कथित तौर पर एक करोड़ से अधिक रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके ऊपर टमाटर, अंडे और गोबर फेंके गए. हालांकि दत्ता ने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक और व्यक्तिगत प्रतिशोध का परिणाम बताया है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, साल्ट लेक निवासी कारोबारी मधुसूदन चक्रवर्ती ने बिधाननगर कमिश्नरेट में लिखित शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि सब्यसाची दत्ता लंबे समय से उन पर पैसे देने का दबाव बना रहे थे. शिकायत में रंगदारी मांगने, जान से मारने की धमकी देने और मानसिक उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं.शिकायतकर्ता का दावा है कि उनसे कुल एक करोड़ आठ लाख रुपये की मांग की गई थी. वहीं शिकायत में फरवरी 2018 में एक करोड़ रुपये की कथित वसूली का भी उल्लेख किया गया है.

शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने सोमवार देर रात राजारहाट के रायगाछी इलाके में छापेमारी कर सब्यसाची दत्ता को गिरफ्तार कर लिया. मंगलवार को उन्हें स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया.अस्पताल से बाहर निकलने और बाद में बिधाननगर उत्तर थाने से रवाना होने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनकी गाड़ी की ओर टमाटर, अंडे और गोबर फेंके. विरोध से बचने के लिए दत्ता को वाहन के भीतर कागज से अपना चेहरा ढंकते हुए देखा गया.

गिरफ्तारी के बाद मीडिया से बातचीत में सब्यसाची दत्ता ने आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया. उन्होंने कहा कि एक करोड़ क्यों, 100 करोड़ रुपये लेने का आरोप भी लगाया जा सकता है. अगर किसी ने मुझे कभी एक रुपया भी दिया हो तो मुझे फांसी पर चढ़ा दिया जाए.उन्होंने दावा किया कि यदि कोई उनके द्वारा अवैध रूप से धन लेने का प्रमाण दे दे तो वह किसी भी सजा का सामना करने को तैयार हैं. शिकायतकर्ता पर पलटवार करते हुए दत्ता ने कहा कि उन्हें 2018 में बिधाननगर उत्तर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया था. इसके अलावा कई बार गिरफ्तार किया गया. उस समय उनके परिवार के लोग और एक कारोबारी मेरे पास जमानत दिलाने की गुहार लेकर आए थे.जब उनसे पूछा गया कि क्या यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है, तो उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से. यह पूरी तरह राजनीतिक प्रतिहिंसा का परिणाम है.

तृणमूल के बागियों पर भड़के कीर्ति आजाद, कहा

जिन गद्दारों को जाना हैं तो जाएं

नई दिल्ली: तृणमूल में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद फैली आंतरिक कलह खुलकर सामने आ चुकी है. तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के बागी गुट के खिलाफ ममता बनर्जी की पार्टी के नेता लगातार हमलावर हैं. टीएमसी के लोकसभा सांसद कीर्ति आजाद बागी गुट का नेतृत्व कर रहीं काकोली घोष दस्तीदार पर मंगलवार को जमकर भड़के. कीर्ति आजाद ने कहा कि काकोली घोष और शर्मिला सरकार को 'दीदी' ने सांसद बनाया. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''काकोली घोष को मुख्य सचेतक बनाया गया तो वो संसद में ही नहीं आती थीं. फोन से ही निर्देश दे देती थीं.'' उन्होंने कहा कि अरे कुछ तो गैरत रखो.टीएमसी नेता ने कहा कि ये संविधान में कानून बना हुआ है.

बंगाल के दीघा के 'जगन्नाथ धाम' से हटा 'धाम'

विवाद थमा : ओडिशा सरकार की आपत्ति के बाद बदला नाम ● परिसर अब 'श्री श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक केंद्र' कहलाएगा

कोलकाता: बंगाल के दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर को धाम के जाने को लेकर चल रहे विवाद पर आखिरकार विराम लग गया. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की कि अब दीघा के मंदिर परिसर के नाम से 'धाम' शब्द को पूरी तरह हटा दिया जाएगा. ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के इस संबंध में भेजे गए आधिकारिक प्रस्ताव को बंगाल सरकार ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है. अब इस पूरे परिसर को 'श्री श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक केंद्र' और मुख्य मंदिर को'श्री जगन्नाथ देव मंदिर' के नाम से जाना जाएगा.

दरअसल, ओडिशा के मुख्यमंत्री का पत्र लेकर पुरी भाजपा सांसद संबित पात्रा विशेष दूत बनकर कोलकाता पहुंचे थे. उन्होंने नवान्न (राज्य सचिवालय) में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात कर इस नाम पर ओडिशा और देश के सनातनियों की आपत्ति दर्ज कराई. प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने शास्त्रों और सनातन संस्कृति की अनदेखी कर इसे 'धाम' घोषित किया था, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुईं. हम वह भूल सुधार रहे हैं. इस परिसर का निर्माण हिडको के टेंडर और कैबिनेट की मंजूरी से एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में ही हुआ था, जिसे अब उसका वास्तविक नाम दिया जा रहा है.

मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इस मंदिर में पूजा-पाठ की पूरी पद्धति पुरी के जगन्नाथ मंदिर के नियमों, शास्त्रों और पूर्ण सात्विकता के अनुसार ही संपन्न होगी. इस मंदिर के संचालन की जिम्मेदारी संभाल रहे मायापुर इस्कान मंदिर के प्रधान पुजारी राधारमण दास ने भी सरकार के इस निर्णय का हार्दिक स्वागत किया है.सनातन परंपरा के अनुसार, आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित देश में केवल चार ही 'धाम' हैं, जिनमें से एक ओडिशा का पुरी जगन्नाथ धाम है. साल 2025 में तत्कालीन ममता सरकार द्वारा दीघा में इस भव्य मंदिर का उद्घाटन कर इसे 'जगन्नाथ धाम' का नाम देने पर भारी विवाद खड़ा हो गया था. ओडिशा सरकार ने इसे सनातन परंपरा का अपमान माना था. यहां तक कि उद्घाटन में शामिल पुरी के सेवादारों को ओडिशा सरकार ने 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया था और विग्रह के लिए इस्तेमाल की गई पवित्र नीम की लकड़ी को लेकर भी भारी राजनीतिक विवाद हुआ था. अब नए फैसले के बाद 'धाम' शब्द हटने से पड़ोसी राज्यों के बीच का यह भाषाई और सांस्कृतिक गतिरोध हमेशा के लिए समाप्त हो गया है.

कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द

अदालत में लंबित मामले की जानकारी छिपाई

भाजपा के तीनों प्रत्याशियों की जीत की संभावना

भोपाल: मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रिटर्निंग अफसर द्वारा निरस्त कर दिया गया. इसके बाद राज्यसभा की तीसरी सीट का चुनावी समीकरण बदल गया है और भाजपा के तीनों उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचित होने की संभावना मजबूत हो गई है.

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र पर भाजपा ने आपत्ति दर्ज कराई थी. भाजपा का आरोप है कि मीनाक्षी नटराजन ने अपने शपथ पत्र में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित प्रकरण की जानकारी नहीं दी है. इसी आधार पर भाजपा ने उनका नामांकन निरस्त करने की मांग की है. वहीं कांग्रेस का कहना था कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है. पार्टी के अनुसार उन्हें केवल अदालत की ओर से नोटिस प्राप्त हुआ था, इसलिए शपथ पत्र में इसका उल्लेख करने का कोई दायित्व नहीं था. भाजपा की ओर से पक्ष रखने वाले अधिवक्ता संकेत गुप्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के मुताबिक उम्मीदवार को अपने खिलाफ लंबित मामलों की पूरी जानकारी देना अनिवार्य है. इसी आधार पर भाजपा ने नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराई थी. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की सीट हड़पने के लिए भाजपा राजनीति की सभी मर्यादाएं तोड़ने में जुटी हुई है. मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए भाजपा ने तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को उम्मीदवार बनाया है. कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन निरस्त होने के बाद अब तीनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचित होने की संभावना बढ़ गई है.

घाटाल मास्टर प्लान पर बड़ा आश्वासन, जल्द काम शुरू होने के संकेत

मेदिनीपुर : जिले के घाटाल मास्टर प्लान को लेकर मंगलवार को कोलाघाट में हुई प्रशासनिक बैठक में सकारात्मक संकेत मिले. बैठक में योजना के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की लंबे समय से लंबित इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने की मांग रखी.सूत्रों के अनुसार, बैठक में घाटाल के सांसद दीपक अधिकारी (देव) ने मास्टर प्लान को लेकर मुद्दा उठाया और इसके शीघ्र क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया. इस पर प्रशासन की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई और योजना को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया गया.बैठक के बाद सांसद देव ने कहा कि घाटाल मास्टर प्लान के लिए आगामी बजट में आवश्यक वित्तीय प्रावधान किए जाने की जानकारी दी गई है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है.उल्लेखनीय है कि कोलाघाट में आयोजित इस प्रशासनिक बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे. बैठक में विकास कार्यों और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई.

उत्तरपाड़ा : रंगदारी मामले में दो गिरफ्तार

हुगली : हुगली जिले के उत्तरपाड़ा थाना क्षेत्र में उत्तरपाड़ा-कोतरंग नगरपालिका की पार्षद मौसमी विश्वास की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो लोगों को कथित रंगदारी मामले में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार आरोपितों में शुभज्योति चक्रवर्ती (35) और तन्मय सरदार (32) शामिल हैं. पुलिस के अनुसार, शुभज्योति चक्रवर्ती माखला गवर्नमेंट कॉलोनी का निवासी है और यूट्यूबर व सोशल मीडिया आधारित मीडिया गतिविधियों से जुड़ा हुआ था. वहीं तन्मय सरदार माखला शीतला तला, जोड़ा मंदिर इलाके का निवासी बताया गया है. दोनों उत्तरपाड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं.पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपित शिकायतकर्ता पार्षद से कथित रूप से पैसे की वसूली करने पहुंचे थे और उन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया. मामले में उत्तरपाड़ा थाने में एक विशेष मामला दर्ज किया गया है.गिरफ्तार दोनों आरोपितों को मंगलवार को श्रीरामपुर एसीजेएम अदालत में पेश किया जाएगा. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.

न्यूज़ कॉर्नर

बेलदा में करंट लगने से व्यक्ति की मौत

खड़गपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बेलदा थाना क्षेत्र के नहपाड़ा गांव में मंगलवार सुबह करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. मृतक की पहचान नवद्वीप दास के रूप में हुई है.जानकारी के अनुसार, नवद्वीप दास अपने घर के तालाब से पानी निकालने के लिए टुलु मोटर का उपयोग कर रहे थे. बताया जा रहा है कि सोमवार रात हुई बारिश के कारण तालाब में अधिक पानी भर गया था. इसी पानी को निकालने के दौरान अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से मोटर में करंट आ गया और वह करंट की चपेट में आ गए.घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग उन्हें गंभीर हालत में बेलदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सूचना पाकर बेलदा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए खड़गपुर महकमा अस्पताल भेज दिया गया.

नंदीग्राम में महिला पर धारदार हथियार से हमला, हत्या के प्रयास का आरोप

नंदीग्राम : पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में एक महिला पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या का प्रयास किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.मिली जानकारी के अनुसार, नंदीग्राम-एक ब्लॉक के सोनाचूड़ा ग्राम पंचायत की निवासी महिला अपने दो बच्चों के साथ घर पर रह रही थी. उसके पति और सास काम के सिलसिले में ओडिशा में रहते हैं. मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे स्थानीय लोगों ने घर से चीख-पुकार की आवाज सुनकर वहां पहुंचने पर महिला को रक्तरंजित अवस्था में पाया. उसके गले, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटों के निशान मिले. घायल महिला को नंदीग्राम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है.स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कालीचरणपुर गांव के निवासी प्रवीर दास ने इस वारदात को अंजाम दिया. घटना के बाद वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया.खबर लिखे जाने तक हमले के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है.

ट्रक-बाइक की टक्कर, युवक की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के चंद्रकोणा-गड़वेता सीमा के पहाड़ीबांध इलाके में ट्रक और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान जयपति राय के रूप में हुई है. वह चंद्रकोणा थाना अंतर्गत धामकुड़िया गांव का निवासी था. घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है.स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार को एक ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई. हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. सूचना पाकर चंद्रकोणा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को चंद्रकोणा ग्रामीण अस्पताल ले गई. वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.हादसे की सूचना पाकर चंद्रकोणा और गड़वेता, दोनों थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

नाबालिग से शारीरिक उत्पीड़न का आरोप, इलाके में सनसनी

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आशीघर पुलिस चौकी इलाके में एक 12 वर्षीय नाबालिग के साथ लंबे समय तक कथित शारीरिक उत्पीड़न का मामला मंगलवार को सामने आया है. इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई.प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग के पिता का पहले ही निधन हो चुका है और उसकी मां कहीं और चली गई है. इसके बाद वह अपने दो भाई-बहनों के साथ अपनी दादी के साथ एक किराए के घर में रह रही थी. आरोप है कि उसी घर में रहने वाला एक बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से नाबालिग के साथ शारीरिक उत्पीड़न करता रहा.इसी बीच, नाबालिग का एक भाई या बहन वर्तमान में लापता बताया जा रहा है, जिससे मामले को लेकर चिंता और बढ़ गई है. सोमवार को ईस्टर्न बाइपास इलाके में नाबालिग को रोते हुए भटकते देखा गया. स्थानीय लोगों ने पकड़कर दार्जिलिंग जिला लीगल एड फोरम के सदस्यों को सूचना दी. इसके बाद मंगलवार को फोरम के सदस्य नाबालिग को लेकर आशीघर पुलिस चौकी पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई.इस संबंध में फोरम के सदस्य अमित सरकार ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद हमने तुरंत पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, ताकि आरोपित को जल्द से जल्द सजा मिल सके. साथ ही नाबालिग के लापता भाई-बहन के पीछे आरोपित की कोई भूमिका है या नहीं,

हावड़ा में ग्रामीण रोजगार परियोजना का शुभारंभ

मंत्री दिलीप घोष ने खुद की नहर की सफाई

कोलकाता : राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने मंगलवार को हावड़ा जिले के उलूबेड़िया-खख ब्लॉक के ज्वारगोड़ी गांव में नई ग्रामीण रोजगार योजना वीबी-जी राम जी (विकसित भारत-रोजगार औरआजीविका मिशन ग्रामीण) का औपचारिक शुभारंभ किया. परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर मंत्री स्वयं कोदाल लेकर नयाचा खाल (नहर) में उतरे और सफाई कार्य की शुरुआत की.इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने बताया कि इस नई योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को वर्ष में 125

दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी. योजना का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना है.मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद हुई पहली कैबिनेट बैठक में वीबी-जी राम जी, केंद्रीय आवास योजना तथा प्रधानमंत्री सड़क योजना के कार्यों को मंजूरी दी गई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से भ्रष्टाचार के कारण कई विकास कार्य प्रभावित रहे और अनेक परियोजनाएं ठप पड़ी थीं.उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत दक्ष, अर्धदक्ष और अकुशल सभी श्रेणी के श्रमिकों को काम मिलेगा.

सड़क निर्माण, खाल एवं जल निकासी तंत्र का पुनरुद्धार, शौचालय निर्माण तथा अन्य ग्रामीण अवसंरचना विकास कार्यों में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा.दिलीप घोष ने विश्वास जताया कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ-साथ आधारभूत संरचना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

खड़गपुर में डंपर की चपेट में आने से सफाईकर्मी की मौत

खड़गपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर स्थित कौशल्या मोड़ पर मंगलवार सुबह करीब 11 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में नगर पालिका के स्थायी सफाईकर्मी एन. भास्कर राव की मौत हो गई. वार्ड संख्या 25 के अंतर्गत कौशल्या क्रॉसिंग के पास गिट्टी से लदे एक भारी डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब कर्मचारी अपने नियमित कार्य में लगे हुए थे. टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई. घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और कुछ समय के लिए सड़क जाम की स्थिति भी बनी रही.सूचना पाकर खड़गपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपर को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.हालांकि घटना के समय यातायात व्यवस्था और जाम की स्थिति को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है.यह एक बेहद दुखद घटना है. हम पीड़ित परिवार के साथ हैं और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी.

दो मानव तस्कर गिरफ्तार, पांच नाबालिग मुक्त

खड़गपुर : मानव तस्करी और बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को बड़ी सफलता मिली है. आरपीएफ की संयुक्त टीम ने पांच नाबालिग बच्चों को मानव तस्करों के चंगुल से मुक्त कराते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई सोमवार को शालीमार-संतरागाछी स्टेशनों पर की गई.मंगलवार दोपहर रेलवे सूत्रों द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार, आरपीएफ की शालीमार सीआईबी टीम को सूचना मिली थी कि कुछ नाबालिग बच्चों को मजदूरी कराने के उद्देश्य से राज्य से बाहर ले जाया जा रहा है. सूचना के आधार पर शालीमार सीआईबी, खड़गपुर आरपीएफ, खड़गपुर सीआईबी तथा मानव तस्करी विरोधी क्षेत्र में कार्यरत एक गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम गठित की गई.संयुक्त टीम ने ट्रेन संख्या 18045 ईस्ट कोस्ट एक्सप्रेस में शालीमार और संतरागाछी स्टेशनों के बीच विशेष जांच अभियान चलाया.

जांच के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों के साथ यात्रा कर रहे पांच नाबालिग

बच्चों को चिन्हित किया गया. पूछताछ में आरोपित बच्चों को उनके गृह राज्य से बाहर ले जाने के संबंध में माता-पिता अथवा अभिभावकों की कोई वैध अनुमति या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके.

जांच में पता चला कि बच्चों को रोजगार और बेहतर वेतन का लालच देकर आंध्र प्रदेश ले जाया जा रहा था.

बच्चों ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है और उनसे किस प्रकार का कार्य कराया जाएगा.

उनके पहचान दस्तावेजों की जांच में सभी के नाबालिग होने की पुष्टि हुई. संतरागाछी स्टेशन पहुंचने पर आरपीएफ ने बच्चों और दोनों आरोपितों को ट्रेन से उतार लिया. आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को आगे की कार्रवाई के लिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के सुपुर्द कर दिया गया.

इस संबंध में शालीमार जीआरपी थाना में मुकदमा संख्या 34/2026 दर्ज किया गया है. आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है.

सीमा पार से आए घुसपैठिए बने 'करोड़पति', हावड़ा में बांग्लादेशी दंपती के सिंडिकेट का पर्दाफाश

कोलकाता : बंगाल के हावड़ा जिले में गिरफ्तार एक बांग्लादेशी घुसपैठिया दंपती की संपत्ति ने पुलिस को हैरान कर दिया है. जगाछा के उनसानी इलाके से पकड़े गए रमजान गाजी और सादिना बेगम नामक दंपती के पास से मिली आर्थिक हैसियत अब जांच का बड़ा विषय बन गई है.

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि डाब (जल वाला नारियल) और ताड़फ फल बेचकर जीवन शुरू करने वाला यह परिवार आखिर कुछ वर्षों में करोड़ों रुपये का मालिक कैसे बन गया.

जांच में सामने आया है कि लगभग 14 वर्ष पहले दलालों के जरिए बांग्लादेश के सातखिरा जिले से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ यह दंपती शुरुआती दिनों में सड़क किनारे डब (कच्चा नारियल) और ताड़ बेचने का काम करता था. लेकिन देखते ही देखते यह परिवार करोड़ों की संपत्ति

का मालिक बन गया.पुलिस जांच में सामने आया है कि रमजान ने स्थानीय प्रमोटरों से साठगांठ कर पुराने मकानों को तोड़ने का ठेका लेना शुरू किया और धीरे-धीरे खुद प्रमोटिंग और कंस्ट्रक्शन के बिजनेस में उतर गया. इसी व्यवसाय ने उसकी आर्थिक स्थिति तेजी से बदल दी.

पुलिस के अनुसार, रमजान ने बाद में एक ट्रक भी खरीदा और ध्वस्त मकानों से निकलने वाले मलबे को विभिन्न निर्माण और भू-भराई परियोजनाओं में सप्लाई करने लगा. कुछ ही वर्षों में उसने जमीन खरीदकर दोमंजिला मकान भी बना लिया. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश के बाद हुई कार्रवाई में यह मामला सामने आया.अब पुलिस यह जांच कर रही है कि इतनी बड़ी संपत्ति के पीछे धन का वास्तविक स्रोत क्या था.

यह भी खंगाला जा रहा है कि कहीं सीमापार से धन का प्रवाह तो नहीं हुआ और क्या किसी प्रभावशाली राजनीतिक संरक्षण ने इस नेटवर्क को मजबूत बनाने में भूमिका निभाई. मामले ने राज्य में अवैध घुसपैठ, स्थानीय नेटवर्क और आर्थिक गतिविधियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इतनी कम अवधि में एक डाब बेचने वाले के पास करोड़ों रुपये कहां से आए, इसकी गहन जांच की जा रही है.

पुलिस को अंदेशा है कि इस दंपती के पीछे तृणमूल कांग्रेस के कुछ बेहद प्रभावशाली जिला स्तरीय नेताओं का हाथ था, जिनकी सरपरस्ती में यह पूरा सिंडिकेट फल-फूल रहा था.

रेलवे न्यूज़

मिशन आधुनिकीकरण: बैण्डेल-कटवा खंड में अवसंरचना उन्नयन कार्य

कोलकाता : यात्रियों की सुविधा, यात्रा की विश्वसनीयता तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्व रेलवे ने 6 जून को बैंण्डेल-कटवा खंड में व्यापक अवसंरचना उन्नयन कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया. यह आधुनिकीकरण संबंधी ङ्गमेगा ब्लॉकङ्ग पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में संचालित किया गया, जो लगातार सुरक्षित रेल नेटवर्क के निर्माण हेतु विभिन्न पहलों को आगे बढ़ा रहे हैं. इन कार्यों का जमीनी स्तर पर संचालन निर्धारित समय-सीमा के भीतर हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विशाल कपूर के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में किया गया. इंजीनियरिंग, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन तथा पावर सप्लाई इंस्टॉलेशन विभागों के उत्कृष्ट समन्वय के माध्यम से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.इस समन्वित ब्लॉक के दौरान खंड की अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्माण उपलब्धियां हासिल की गईं. सुरक्षा और यात्री आवाजाही को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नबद्वीप धाम और अम्बिका कालना स्टेशनों के बीच स्थित पुल संख्या 92 के गर्डर को अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर सुरक्षित रूप से हटाया गया. इसके बाद अम्बिका कालना स्टेशन पर नए फुट ओवर ब्रिज का सफलतापूर्वक स्थापना कार्य पूरा किया गया. इसके अतिरिक्त, संरचनात्मक इंजीनियरिंग टीमों ने दो महत्वपूर्ण आरसीसी बॉक्स सफलतापूर्वक स्थापित किए, जिनका उपयोग सीमित ऊँचाई वाले सबवे के निर्माण में किया जाएगा. इनमें जिराट और गुप्तिपाड़ा स्टेशनों के बीच स्थित सीमित ऊँचाई वाले सबवे 7/1 तथा पूर्बस्थली और पाटुली स्टेशनों के बीच स्थित सीमित ऊँचाई वाले सबवे 18/बी शामिल हैं. काम पूरा होते ही इन लाइनों पर सभी ट्रैफिक और पावर ब्लॉक सुरक्षित रूप से हटा लिए गए और ट्रेनों की आवाजाही बहाल कर दी गई.साथ ही, परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण ट्रैक ङ्गशैडो वर्क्सङ्ग भी पूरे किए गए. इनमें गुप्तिपाड़ा में यूनिमैट द्वारा 1 सेट पॉइंट्स एंड क्रॉसिंग्स टैम्पिंग, पूर्बस्थली में 23 एफएसटीओ स्लीपर परिवर्तन, पाटुली में 31 डिरेलिंग स्विच स्लीपर परिवर्तन, नबद्वीप धाम में 210.00 मीटर रेल का स्थानांतरण एवं स्टैकिंग, 3 स्विच एक्सपेंशन जॉइंट फ्लैंज परीक्षण, बादशाह पुर में 20 एफएसटीओ स्लीपर ट्रॉलियों का संचालन, सीमित ऊँचाई वाले सबवे स्थल पर 122.50 मीटर रेल पाइलिंग तथा दाँईहाट में 56 टूटे हुए स्लीपरों का प्रतिस्थापन शामिल है.ट्रेनों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी टीमों ने भी महत्वपूर्ण ओवरहॉलिंग कार्य पूरे किए. पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि प्रत्येक उन्नयन कार्य यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति पूर्व रेलवे की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

पूर्व रेलवे ने मुख्यालय व चारों मंडलों में मनाया समपार फाटक जागरूकता दिवस

कोलकाता : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के गतिशील नेतृत्व में आज अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस 2026 के अवसर पर एक मेगा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया. इस पहल का उद्देश्य जनता को महत्वपूर्ण सुरक्षा नियमों के प्रति शिक्षित करना था, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि धैर्य के कुछ पल अनमोल जीवन बचा सकते हैं. मुख्य कार्यक्रम कोलकाता के फेयरली प्लेस स्थित पूर्व रेलवे मुख्यालय से शुरू हुआ, जहां सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यालय से बीबीडी बाग समपार फाटक (लेवल क्रॉसिंग) तक एक उत्साहपूर्ण जागरूकता रैली का नेतृत्व किया. अधिकारियों ने पैदल यात्रियों और वाहन चालकों से सीधा संवाद किया और सुरक्षा नियमों से संबंधित जानकारीपूर्ण पर्चे (लीफलेट) वितरित किए. इसका मुख्य संदेश स्पष्ट था कि समपार फाटक दुर्घटनाओं के खिलाफ जन जागरूकता ही सबसे मजबूत ढाल है, क्योंकि अधिकांश दुर्घटनाएं लापरवाही के कारण होती हैं, जैसे कि बंद फाटकों के नीचे से जबरन निकलना या क्रॉसिंग पार करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना. सियालदह डिवीज़न ने ढकुरिया रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन चलाया. इस अभियान की गति पूर्वी रेलवे के चारों प्रमुख मंडलों में भी उतनी ही तेज रही. सियालदह मंडल में, डीआरएम राजीव सक्सेना के नेतृत्व में प्रशासन ने बेहद सक्रिय रुख अपनाया और श्री सक्सेना ने व्यक्तिगत रूप से ढाकुरिया समपार फाटक का दौरा कर जनता से संवाद किया, जबकि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों ने बैरकपुर, इच्छापुर और कोलकाता स्टेशनों पर आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए. इस बीच, हावड़ा मंडल ने डीआरएम श्री विशाल कपूर के मार्गदर्शन में गोबरा रेलवे स्टेशन पर एक व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सुरक्षा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, एक नुक्कड़ नाटक और महत्वपूर्ण सुरक्षा संदेशों वाले बैनर के साथ जागरूकता वॉक शामिल थी. इन चर्चाओं के दौरान, यात्रियों ने रात के समय गोबरा स्टेशन पर अपर्याप्त रोशनी वाले कुछ अलग-थलग क्षेत्रों की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिस पर रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे. इसके साथ ही, मालदा और आसनसोल मंडलों ने भी विभिन्न स्टेशनों पर जनसंवाद और सुरक्षा अभियानों का आयोजन करके बड़े उत्साह के साथ यह दिवस मनाया ताकि यह संदेश ग्रामीण और उपनगरीय यात्रियों तक समान रूप से पहुंच सके.यह अवेयरनेस कैंपेन बहुत फायदेमंद साबित हुआ और लोगों ने इसकी बहुत तारीफ़ की. डीआरएम सियालदह राजीव सक्सेना ने लोगों के अपने आप शामिल होने और सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा किया और उनसे अपने परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों तक लेवल क्रॉसिंग सेफ्टी का ज़रूरी मैसेज प्रसारित की अपील कीं.

दुर्गापुर दुष्कर्म कांड : एनकाउंटर वाले बयान पर बढ़ा सियासी विवाद, कांग्रेस ने भाजपा विधायक को घेरा

पश्चिम बर्दवान: दुर्गापुर के होटल पार्क स्वीट्स में नाबालिग के साथ हुए कथित दुष्कर्म मामले को लेकर भाजपा विधायक चंद्रशेखर बनर्जी के बयान पर राजनीतिक विवाद गहरा गया है. अपराधियों के एनकाउंटर की वकालत करने वाले उनके बयान पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताते हुए भाजपा की राजनीति और विचारधारा पर सवाल उठाए हैं.कांग्रेस जिलाध्यक्ष देवेश चक्रवर्ती ने कहा कि भाजपा की संस्कृति संविधान और कानून को दरकिनार करने की रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा तोड़फफोड़, हिंसा और बुलडोजर की राजनीति करती है.देवेश चक्रवर्ती ने कहा कि दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों के साथ-साथ उस युवती की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए, जिस पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर आरोपितों के पास ले जाने का आरोप है. उन्होंने दावा किया कि उक्त युवती भाजपा से जुड़ी हुई थी और सवाल उठाया कि भाजपा विधायक ने उसके खिलाफ एनकाउंटर जैसी कार्रवाई की मांग क्यों नहीं की.इससे पहले दुर्गापुर पूर्व के भाजपा विधायक चंद्रशेखर बनर्जी ने मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि भाजपा आज भी पीड़िता के परिवार के साथ खड़ी है और घटना के खिलाफ आंदोलन जारी रखे हुए है. उन्होंने कहा कि आइक्यू सिटी क्षेत्र में घटना के समय भाजपा विपक्ष में थी, लेकिन अब सत्ता में आने के बाद भी पार्टी का रुख नहीं बदला है.विधायक

ने कहा कि उनकी पार्टी की नीति गंभीर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है. उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में लंबे ट्रायल की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए और अपराधियों को शीघ्र दंड मिलना चाहिए. उन्होंने पश्चिम बंगाल में उत्तर प्रदेश की तर्ज पर कड़े कानून लागू करने की वकालत करते हुए कहा कि वह इस विषय को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के समक्ष उठाएंगे.चंद्रशेखर बनर्जी ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले पुलिस पर राजनीतिक दबाव रहता था , लेकिन अब पुलिस को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर दिया जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि राज्य में अब कानून का शासन स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं.दुष्कर्म मामले से जुड़े होटल पार्क स्वीट्स को लेकर भी विधायक ने सवाल उठाए. उन्होंने आरोप लगाया कि होटल नगर निगम के ट्रेड लाइसेंस के आधार पर संचालित हो रहा है और इसकी जांच होनी चाहिए. साथ ही उन्होंने मांग की कि 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी नाबालिग को अभिभावक की अनुमति के बिना होटल में कमरा नहीं दिया जाना चाहिए

.विधायक ने कहा कि राज्य की वर्तमान समस्याएं कई दशकों की विरासत हैं और उन्हें दूर करने में समय लगेगा. उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के तहत सख्त कार्रवाई

सुनिश्चित की जाएगी.दूसरी ओर, कांग्रेस ने भाजपा विधायक के बयान को कानून और संविधान की भावना के खिलाफ बताते हुए इसकी आलोचना की है. दुष्कर्म की इस गंभीर घटना को लेकर अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं.

पश्चिम बंगाल के कोलाघाट में मुख्यमंत्री शुभेंदु की प्रशासनिक बैठक में दिखे कई तृणमूल नेता

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के कोलाघाट में मंगलवार को बलाका मंच पर आयोजित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की एक अहम प्रशासनिक बैठक उस समय राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई, जब कथित रूप से 'विद्रोही खेमे' से जुड़े तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद भी इसमें शामिल हुए. पूर्व मिदनापुर, पश्चिम मिदनापुर और झाड़ग्राम इन तीन जिलों को लेकर आयोजित इस बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रशासनिक और पुलिस के शीर्ष अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे. बैठक में केशपुर की विधायक शिउली साहा, मिदनापुर की तृणमूल सांसद जून मालिया और घाटाल के सांसद दीपक अधिकारी (देव) की उपस्थिति सामने आई. बताया जा रहा है कि ये सभी हाल के दिनों में पार्टी के भीतर 'विद्रोही खेमे' से जुड़े माने जा रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री के बैठक में पहुंचने के बाद देव भी कार्यक्रम में शामिल हुए. प्रशासनिक स्तर पर इस बैठक में तीन जिलों के जिलाधिकारी, अतिरिक्त जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे. इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए. बैठक का उद्देश्य विकास योजनाओं की प्रगति, जनकल्याणकारी परियोजनाओं की समीक्षा, प्रशासनिक समन्वय और कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा बताया गया. सूत्रों के अनुसार, बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, बुनियादी ढांचे के विकास, जनता तक सेवाओं की पहुंच और क्षेत्रीय विकास कार्यों की गति को लेकर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है. इसके अलावा आने वाले समय की रणनीति और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर भी दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं. राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को विशेष रूप से इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें विपक्षी खेमे से जुड़े माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है. इसे लेकर कई तरह के सियासी संकेत भी निकाले जा रहे हैं. तृणमूल विधायक शिउली साहा ने कहा कि बैठक में आमंत्रित किए जाने पर उन्हें खुशी हुई. उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में अब विपक्षी विधायकों को भी प्रशासनिक बैठकों में शामिल किया जा रहा है, जो एक सकारात्मक कदम है. उन्होंने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता द्वारा चुना जाता है और विकास से जुड़े निर्णयों में उनकी भागीदारी जरूरी है.

दुर्गोत्सव की आड़ में करोड़ों डकारने के आरोप

पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की विश्व प्रसिद्ध दुर्गापूजा को लेकर एक नया विवाद सामने आया है. पूर्व पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री इंद्रनील सेन और उनकी पत्नी से जुड़े एक संगठन पर यूनेस्को के नाम और प्रतिष्ठा का इस्तेमाल कर कथित तौर पर वीआईपी पास बेचने तथा वित्तीय अनियमितता करने के गंभीर आरोप लगे हैं. मामले में कोलकाता पुलिस आयुक्त, डीजीपी और बउबाजार थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है. शिकायतकर्ता और अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल कंसल्टेंट जयदीप मुखर्जी का आरोप है कि वर्ष 2022 में गठित एक संस्था ने स्वयं को यूनेस्को से जुड़ा या उसका आधिकारिक सहयोगी बताकर कोलकाता की चुनिंदा दुर्गापूजाओं के लिए विशेष प्रिव्यू शो आयोजित किए. इन आयोजनों के लिए प्रति व्यक्ति लगभग 4,000 रुपये तक के वीआईपी टिकट और पास बेचे गए. शिकायत में कहा गया है कि प्रिव्यू शो के दौरान कई प्रमुख पूजा पंडालों में आम श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों की

आवाजाही सीमित कर दी जाती थी. आरोप है कि केवल टिकटधारकों को विशेष प्रवेश दिया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर असंतोष और कई स्थानों पर विवाद की स्थिति पैदा हुई. शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि आयोजन के प्रचार-प्रसार में यूनेस्को के नाम और पहचान का उपयोग किया गया. आरोप है कि इस माध्यम से आम लोगों से धन एकत्र किया गया और सांस्कृतिक आयोजन को व्यावसायिक गतिविधि में बदल दिया गया. शिकायत में इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता और जनता के साथ कथित धोखाधड़ी बताया गया है. मामले में पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन, उनकी पत्नी और संबंधित संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है. शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है तो कई महत्वपूर्ण वित्तीय तथ्यों का खुलासा हो सकता है. शिकायत में यह भी आशंका जताई गई है कि यदि यूनेस्को के नाम का गलत इस्तेमाल और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े नियमों का उल्लंघन साबित होता है, तो कोलकाता दुर्गापूजा की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित हो सकती है. गौरतलब है कि कोलकाता दुर्गापूजा को यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया है. फिलहाल यह मामला शिकायत और आरोपों के स्तर पर है. पुलिस अथवा संबंधित एजेंसियों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और क्या किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या नियमों का उल्लंघन हुआ है.

बंगाल में रेलवे परियोजनाओं को गति देने के लिए विशेष कार्यबल का गठन

कोलकाता: पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में लंबित रेलवे परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए एक विशेष कार्यबल का गठन किया है. इस कार्यबल में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भारतीय रेलवे के अधिकारी भी शामिल किए गए हैं, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही अड़चनों को दूर किया जा सके. राज्य सचिवालय नबान्न से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस कार्यबल की अध्यक्षता मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल कर रहे हैं. इसमें गृह, परिवहन, भूमि और राजस्व विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. साथ ही पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, मेट्रो रेलवे और रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रतिनिधियों को भी इसमें शामिल किया गया है. कुल मिलाकर इस कार्यबल में 20 सदस्य हैं. सूत्रों का कहना है कि इस कार्यबल के गठन का निर्णय पिछले सप्ताह केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की कोलकाता यात्रा के बाद लिया गया, जब उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक की थी. राज्य सचिवालय के एक अन्य सूत्र ने कहा कि इस कार्यबल का गठन मुख्यमंत्री की उस प्रतिबद्धता का पहला ठोस संकेत है, जिसके तहत लंबित रेलवे परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में काम किया जाएगा. वहीं रेल मंत्री ने राज्य में बुलेट ट्रेन सेवा शुरू करने की भी घोषणा की है.

बंगाल में आदिवासी विकास के लिए प्रतिबद्ध सरकार

फर्जी प्रमाणपत्रों पर होगी कार्रवाई

कोलकाता: बंगाल के आदिवासी विकास एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री खुदीराम टुडू ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है. मंत्री ने राज्य में फर्जी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्रों की पुनः जांच कराने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात फिर दोहराई. पश्चिम बंगाल आदिवासी सोसायटी एवं अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ के संयुक्त तत्वावधान में कोलकाता के न्यूटाउन स्थित आदिवासी भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही. बंगाल में पिछले माह नवगठित भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री बने आदवासी समुदाय से आने वाले खुदीराम टुडू और राज्यमंत्री जुएल मुर्मू के सम्मान में रविवार को यह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह की शुरुआत पारंपरिक गोंड आदिवासी नृत्य से हुई, जिसके बाद दोनों मंत्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया. आदिवासी सोसायटी के सचिव कन्हैया प्रसाद शाह, अध्यक्ष श्रीकांत गौर तथा अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ के राज्य अध्यक्ष चंद्रभान प्रसाद गोंड ने दोनों मंत्रियों का अभिनंदन किया. कार्यक्रम के दौरान कन्हैया प्रसाद शाह ने मंत्री का ध्यान फर्जी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र धारकों के मुद्दे की ओर आकर्षित किया और इसकी जांच कराकर कार्रवाई की मांग की. अपने संबोधन में मंत्री खुदीराम टुडू और राज्यमंत्री जुएल मुर्मू ने राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी. चंद्रभान प्रसाद गोंड ने उपस्थित मंत्रियों, अतिथियों एवं आदिवासी समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में आदिवासी सोसायटी के उपाध्यक्ष मनोज कुमार गोंड, गोपाल चंद्र साहा, कार्यकारिणी सदस्य आरती रबीदास सहित ओमप्रकाश गोंड, विनोद कुमार गोंड, संजीत प्रसाद गोंड, प्रभुनाथ साह, अनिल गौर, राजकपूर गोंड, सतनारायण साह, मनोज कुमार शाह, प्रियंका शाह, प्रियंका गोंड समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे.

गिरफ्तार टीएमसी नेता जहांगीर खान को अदालत ने 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के नेता जहांगीर खान को यहां की एक अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. खान को वसूली और अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया था. खान को सोमवार को उत्तरी बंगाल के पानीटंकी इलाके में भारत-नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया था. खान ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में फाल्टा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन सफलता नहीं मिली. इस सीट पर 21 मई को दोबारा मतदान होने से कुछ दिन पहले से ही खान को दक्षिण 24 परगना जिले के उनके निर्वाचन क्षेत्र में नहीं देखा गया था. डायमंड हार्बर की एक अदालत ने सरकारी पक्ष की अपील पर, फाल्टा पुलिस थाने में खान के खिलाफ दर्ज सात प्राथमिकियों के सिलसिले में उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. कलकत्ता हाई कोर्ट ने 26 मई को खान को मिला अंतरिम संरक्षण हटा दिया था. खान के खिलाफ दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा पुलिस थाने में सात प्राथमिकी दर्ज की गई थीं. बता दें कि, तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान को जबरन वसूली के आरोप में उत्तर बंगाल में भारत-नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा में आक्रोशित स्थानीय लोगों ने खान के कार्यालय में कथित तौर पर तोड़फोड़ की थी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी.

बंगाल में लागू होगी प्रधानमंत्री चाय श्रमिक कल्याण योजना, 314 करोड़ रुपये आवंटित

कोलकाता: बंगाल में सत्ता परिवर्तन व नई भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री चाय श्रमिक प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है. राज्य सरकार द्वारा राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) के गठन के बाद चाय श्रमिकों के लिए आवंटित 314 करोड़ रुपये जारी होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. भारतीय चाय बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. चाय बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, करीब दो वर्षों तक यह योजना बंगाल में लागू नहीं हो सकी क्योंकि इसके लिए आवश्यक राज्य स्तरीय समिति का गठन नहीं किया गया था. इस कारण केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित राशि खर्च नहीं हो पाई. अब नई सरकार के गठन के बाद योजना के कार्यान्वयन की दिशा में औपचारिक कदम उठाए गए हैं. कोलकाता में चाय बोर्ड के प्रधान कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव अमित कुमार, आइएएस ने

कहा कि केंद्र सरकार की इस योजना का कुल बजट 1,000 करोड़ रुपये है, जिसका उद्देश्य असम और बंगाल के करीब 1,210 चाय बागानों में काम करने वाले 10 लाख से अधिक श्रमिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा और विश्राम सुविधाओं से जोड़ना है. उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए निर्धारित 314 करोड़ रुपये अब तक खर्च नहीं हो सके हैं, जबकि योजना की अवधि तीन वर्ष की थी और अब इसका केवल एक वर्ष शेष है. ऐसे में उपलब्ध राशि का शीघ्र उपयोग करना जरूरी है. चाय बोर्ड के उपाध्यक्ष सी. मुरुगन ने बताया कि समिति के गठन के लिए राज्य की पूर्ववर्ती सरकार से बार-बार अनुरोध किए गए थे, लेकिन पहले इसे मंजूरी नहीं मिली. इसलिए बंगाल में योजना लागू नहीं हो सकी. अब डबल इंजन सरकार आने के बाद योजना को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. उन्होंने बताया कि राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित एसएलसी में राज्य और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि शामिल हैं, जिससे योजना को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है. उन्होंने बताया कि दो जून को उत्तर बंगाल के सभी चाय उत्पादक जिलों के प्रतिनिधियों, सांसदों तथा चाय बोर्ड अधिकारियों की बैठक में स्वास्थ्य और शिक्षा विभागों से जल्द से जल्द परियोजना प्रस्ताव भेजने को कहा गया है. प्रस्तावों को एसएलसी की मंजूरी मिलने के बाद वाणिज्य मंत्रालय की संचालन समिति के पास भेजा जाएगा और स्वीकृति मिलते ही धनराशि जारी कर दी जाएगी. मुरुगन ने स्पष्ट किया कि यह योजना पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है और राज्य सरकार को इसमें कोई आर्थिक योगदान नहीं देना है. उसकी भूमिका केवल योजना के क्रियान्वयन तक सीमित है. उन्होंने असम और बंगाल की तुलना करते हुए बताया कि असम अपने हिस्से के 293.5 करोड़ रुपये में से 292.36 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है, जबकि बंगाल अब इसकी शुरुआत कर रहा है. इस बीच चाय उद्योग की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मुरुगन ने कहा कि अनौपचारिक अनुमानों के मुताबिक, उत्तर बंगाल में 20 से 25 चाय बागानों के बंद होने की आशंका जताई जा रही है. उन्होंने बताया कि चाय बोर्ड ने उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए कई उपाय सुझाए हैं, जिसमें पुनरोपण सहायता तथा दार्जिलिंग चाय क्षेत्र को बढ़ावा देने जैसे प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को भेजे गए हैं, जिसपर विचार किया जा रहा है.

बागी सांसदों के गुट पर भड़की टीएमसी

कहा– पार्टी से खुश नहीं तो सबसे पहले दें इस्तीफा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान मचा हुआ है. ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टूट और बगावत के दौर से गुजर रही है. इन सबके बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने मंगलवार को काकोली घोष दस्तीदार के बागी गुट पर तीखा हमला बोला. उन्होंने इसके सदस्यों को हताश बताया और उनपर पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को धोखा देने का आरोप लगाया. कल्याण बनर्जी ने कहा कि अगर किसी की पार्टी से अलग राय है, अगर उनके कामों से पार्टी लोगों के सामने शर्मिंदा होती है, अगर उन्हें पार्टी से कई शिकायतें हैं या अगर वे अब पार्टी के साथ नहीं रहना चाहते और किसी और का समर्थन करना चाहते हैं, तो इस्तीफा देना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है. उन्होंने बीजेपी पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह ममता बनर्जी की पार्टी को कमजोर करने की कोशिश कर रही है. एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कल्याण बनर्जी ने कहा, वे भूपेंद्र यादव के घर कैसे गए? यह मीटिंग किसने अरेंज की या यह कैसे हुई यह पता नहीं है, लेकिन उनके लीडर अब नरेंद्र मोदी हैं, ममता बनर्जी नहीं हैं.

उत्तर बंगाल दौरे के आखिरी दिन जलपाईगुड़ी पहुंची मंत्री अग्निमित्रा पाल, विकास कार्यों का लिया जायजा

कोलकाता: राज्य की मंत्री अग्निमित्रा पाल अपने तीन दिवसीय उत्तर बंगाल दौरे के दौरान मंगलवार को जलपाईगुडी पहुंची. वहां उन्होंने पत्रकारों ने बात करते हुये विभिन्न विकास परियोजनाओं, अन्नपूर्णा योजना, अवैध कब्जों और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने बताया कि दौरे के पहले दिन उत्तरकन्या में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जबकि दूसरे दिन दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में विभिन्न बैठकों में हिस्सा लिया गया. मंगलवार सुबह जलपाईगुड़ी पहुंचने के बाद उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, पिछले वर्ष जलजमाव से प्रभावित क्षेत्रों तथा डंपिंग ग्राउंड की स्थिति का निरीक्षण करने की बात कही. अन्नपूर्णा योजना को लेकर मंत्री ने कहा कि इसके लिए आवेदन पत्र नगर निगम कार्यालय, बोरो कार्यालय, पंचायत कार्यालय तथा ब्लॉक कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक महिला को अलग-अलग फॉर्म लेने की आवश्यकता नहीं है. एक परिवार के लिए एक ही आवेदन पत्र पर्याप्त होगा. एक ही फॉर्म में परिवार की कई महिलाओं के बैंक

खाते का विवरण दर्ज करने की व्यवस्था है, जिससे मां, बेटी और बहू सहित सभी पात्र सदस्यों का नाम शामिल किया जा सकेगा. आवेदन जमा होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर लाभार्थियों के खाते में राशि भेजी जाएगी. महिलाओं के लिए प्रस्तावित नि:शुल्क बस यात्रा सुविधा के संबंध में उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को राहत पहुंचाना है. उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में ऐसे लोगों की पहचान करने पर विचार किया जा सकता है जिन्हें इस सुविधा की वास्तविक आवश्यकता नहीं है, ताकि योजना का लाभ सही पात्रों तक पहुंचे. अवैध कब्जों और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि केवल जमीन ही नहीं, बल्कि तालाबों और अन्य सरकारी संपत्तियों पर अवैध निर्माण के मामलों की भी जांच होगी. उन्होंने बताया कि शहरी स्थानीय निकायों को निर्देश दिया गया है कि संदिग्ध मामलों में नोटिस जारी कर संबंधित लोगों से जमीन के वैध दस्तावेज मांगे जाएं. यदि दस्तावेज सही पाए जाते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन अवैध कब्जा साबित होने पर कानून के अनुसार कदम उठाए जाएंगे. सभी पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर भी दिया जाएगा.

शुभेंदु सरकार का एक महीना : अवैध घुसपैठियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाए सख्त कदम

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी नई सरकार के पहले एक महीने ने राज्य की राजनीति और प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों की शुरुआत के संकेत दिए हैं. ब्रिगेड परेड मैदान में पिछले महीने 09 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने भ्रष्टाचार और अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ कई फैसले लिए. पहले ही महीने में भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना लागू की और करीब 32 लाख महिलाओं के खाते में तीन-तीन हजार रुपये आए हैं. इसके अलावा राज्य की सरकारी बसों में महिलाओं का मुफ्त सफर भी शुरू हुआ है जो नारी शक्ति के लिए बड़ी सौगात के तौर पर देखा जा रहा है. भाजपा सरकार के शुरुआती महीने में सबसे बड़ा फोकस भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर रहा. विभिन्न स्तरों पर हुई जांच और कार्रवाई में कई राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कदम उठाए जाने की जानकारी सामने आई है. रिपोर्टों के अनुसार, सैकड़ों लोगों पर कार्रवाई की गई, जिनमें कई बड़े नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं. इनमें पूर्व मंत्री सुजीत बोस, स्वरूप विश्वास, दिलीप मंडल, जहांगीर खान, असित मजूमदार, सब्यसाची दत्त और रविंद्रनाथ चट्टोपाध्याय जैसे नाम चर्चा में रहे हैं. इसी अवधि में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों की सक्रियता भी बढ़ी है. खासकर शिक्षक भर्ती घोटाले और अन्य कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर. तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से जुड़े फर्जी हस्ताक्षर मामले में पूछताछ की प्रक्रिया तेज हुई. सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार की जांच

के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच समिति के गठन की घोषणा की है. इसके साथ ही कई मामलों की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने का निर्णय भी लिया गया है. शिक्षा व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए भी नए कदम उठाए गए हैं. सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर भी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है. भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ाने, होल्डिंग सेंटरों के निर्माण और अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी लोगों की वापसी की प्रक्रिया तेज की गई. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जमीन सौंपनी की प्रक्रिया शुरू की गई है ताकि बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी किया जा सके. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, इस एक महीने में लगभग पांच हजार लोग सीमा पार वापस गए हैं, जबकि हजारों लोग अभी भी प्रक्रिया में हैं. सरकार का कहना है कि इससे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी. इस अवधि में केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं को राज्य में लागू करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं. सबसे प्रमुख पहल आयुष्मान भारत योजना को लेकर है, जिसे राज्य में लागू करने के लिए समझौता किया गया है. इससे पहले यह योजना लंबे समय तक राज्य में लागू नहीं हो पाई थी. इसके साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जन औषधि केंद्रों के विस्तार, दवा उपलब्धता बढ़ाने और कैंसर रोकथाम कार्यक्रमों पर भी जोर दिया गया है. औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भी सरकार ने कई बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों के साथ बातचीत शुरू की है. उद्योगपति गौतम अडानी के पुत्र करण अडानी और लार्सन एंड टुब्रो समूह के प्रमुख एस एन सुब्रह्मण्यन के साथ अलग-अलग बैठकें हुई हैं. राज्य में निवेश बढ़ाने और बंद पड़े उद्योगों को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं. हावड़ा के एक उद्योगपति असित चट्टोपाध्याय के अनुसार, नई सरकार के आने से औद्योगिक माहौल में सुधार की उम्मीद बढ़ी है. परियोजनाओं के स्तर पर भी कई बदलाव देखने को मिले हैं. ताजपुर बंदरगाह परियोजना के स्थान पर दादनपात्राबाड़ी में नए बंदरगाह की योजना पर काम शुरू हुआ है. टाटा समूह की वापसी को लेकर भी चर्चा तेज है, खासकर सिंगूर से जुड़े औद्योगिक संदर्भ में. रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हुई बैठक में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना की बात सामने आई है. लंबे समय से रुकी हुई मेट्रो और रेल परियोजनाओं को भी फिर से गति देने का दावा किया जा रहा है. सरकारी कर्मचारियों के हित में भी कई घोषणाए की गई हैं. महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान की प्रक्रिया शुरू करने और सातवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा को सरकारी कर्मचारी वर्ग एक बड़े निर्णय के रूप में देख रहा है. इसके अलावा नई भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने और आवेदन की अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि करने का निर्णय भी लिया गया है. हालांकि इस एक महीने के भीतर सरकार को कई विवादों का भी सामना करना पड़ा है. अवैध निर्माण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों और बुलडोजर कार्रवाई को लेकर विपक्ष और कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई है. कई स्थानों पर हॉकरों के हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए हैं. कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से काम कर रहे छोटे व्यापारियों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त समय और पुनर्वास नहीं दिया जा रहा है. विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार का शुरुआती रुख अत्यधिक आक्रामक और राजनीतिक रूप से प्रेरित है. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के महासचिव मोहम्मद सलीम ने कहा है कि यह वही पैटर्न है जो पहले अन्य सरकारों के शुरुआती दौर में देखा गया था. कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि राज्य में विकास की बजाय तोड़फोड़ और हटाने की कार्रवाई ज्यादा दिखाई दे रही है. वहीं तृणमूल कांग्रेस के एक विद्रोही विधायक अखरुज्जमां ने कहा कि पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है. दूसरी ओर, सत्ताधारी भाजपा का कहना है कि राज्य में लंबे समय से जमे भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को खत्म करने के लिए यह सख्ती जरूरी है. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य में कानून का राज स्थापित हो रहा है और जनता को राहत मिल रही है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/763, दिनांक 08.06.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3620; कार्य का नाम: एसएसई/जी/केडब्ल्यूएई एवं एसएसई/जी/आरपीएच के अधिकार क्षेत्र के अधीन विद्युतीय सबस्टेशनों, स्विच रूमों के साथ सहायक एचटी/एलटी स्विचगियर पैनल, केबलों, ट्रांसफॉर्मर, अर्थिंग एवं अन्य सुरक्षा मदों का विस्तार एवं सुधार। निविदा मूल्य: रु. 87,24,540; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 1,74,500; क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3545-आर1; कार्य का नाम: सीनि. डीईएन/1/हावड़ा के अधीन एसएचई, बोबीएई, बीएचआर, एचजीबाई, एसआईयू, बीएएचडब्ल्यू, टीएलपीएच, टीकेपीएच, टीएके, एचपीएल, बीएसयू, जीएनजेपी, मयनापुर, मायापुर, एएमबीजी, जीओजीटी स्टेशनों में गैंग हटों के साथ एसएचई, बीएचआर एवं टीएके स्टेशनों में महिला वस्त्र बदलने के कक्ष के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। निविदा मूल्य: रु. 29,61,786; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 59,200; क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3595-आर; कार्य का नाम: हावड़ा मंडल के अधीन एजीएई, डीएचएई, जीजीएलई, एसएएलई, बीएसएई, टीबीएई, केएमएई, जीपीएई, बीजीआरए, डीटीएई, एसएमएई, पीएसएई, पीटीएई, बीजीएई, बीजेडएलई, सीडब्ल्यूएलई, एसडीआई, मोरग्राम, बीएए, टीपीएफ, एनएचटी, एमआरआर, एनजीएफ, जीएमएएन स्टेशनों के प्रतीक्षालय एवं शौचालय परिसर तथा सर्कुलेटिंग क्षेत्र के सुधार के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। निविदा मूल्य: रु. 1,55,15,880; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 3,10,300; क्रमांक 4, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3630; कार्य का नाम: हावड़ा मंडल के आरपीएच यार्ड में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। निविदा मूल्य: रु. 1,97,274; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 4,000; क्रमांक 5, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3633; कार्य का नाम: अमृत भारत स्टेशन विकास परियोजना के संबंध में हावड़ा मंडल के तहत रेलवे प्लेटफॉर्मों पर (बीएलबाई, एसएचई, सीजीआर, बीडब्ल्यूएन, बीएचपी एवं आरपीएच स्टेशनों में) लिफ्टों का प्रावधान। निविदा मूल्य: रु. 5,54,06,670; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 11,08,100; समापन अवधि: प्रत्येक के लिए 180 दिन। बंद होने की तारीख एवं समय: प्रत्येक के लिए 29.06.2026 को 15.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-137/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

न्यूज़ कॉर्नर

अवैध खनन के खिलाफ उठी आवाज तो चली गोली-बम,पुलिस गाड़ी में तोड़फोड़

धनबाद/बाघमारा: बाघमारा अनुमंडल के चिटाही-बहीयरडीह क्षेत्र में रविवार को अवैध कोयला खनन को लेकर जबरदस्त बवाल हो गया. बंद खदान में चल रहे कथित अवैध खनन के विरोध में पहुंचे ग्रामीणों पर गोलीबारी, बमबाजी और पत्थरबाजी किए जाने का आरोप लगा है. घटना में आधा दर्जन से अधिक महिला-पुरुष घायल हो गए, जबकि पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया.ग्रामीणों का आरोप है कि बहीयरडीह की बंद खदान से लंबे समय से प्रतिदिन ट्रकों के जरिए अवैध कोयले की निकासी की जा रही थी. खनन के दौरान क्षेत्र की जोरिया (जलधारा) को करकट, सीमेंट और बालू डालकर बंद कर दिया गया, जिससे जोगिडीह और बहीयरडीह के हजारों घरों में पानी का संकट गहरा गया. इस समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार धरना, प्रदर्शन और सड़क जाम कर चुके थे.बताया जाता है कि हाल ही में बीसीसीएल और सीआईएसएफ ने कार्रवाई करते हुए लगभग 40 टन कोयला जब्त किया था, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि बंद की गई जोरिया को अब तक नहीं खोला गया. इसी मांग को लेकर रविवार को सैकड़ों ग्रामीण खदान के पास पहुंचे और जलधारा को खोलने का प्रयास करने लगे.ग्रामीणों के अनुसार, इसी दौरान अवैध खनन से जुड़े लोगों ने उन पर हमला कर दिया. गोलीबारी, बमबाजी और पत्थरबाजी में कई लोग घायल हो गए. घायलों में गुड़िया देवी समेत कई महिला-पुरुष शामिल बताए जा रहे हैं .घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी नाराजगी जताई. आरोप है कि गुस्साए लोगों ने बरोरा थाना की एक पुलिस गाड़ी को निशाना बनाया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया.स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया. बाद में पीड़ित ग्रामीण शिकायत दर्ज कराने सोनारडीह ओपी पहुंचे, जहां पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस हो गई. तनाव बढ़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया और दो युवकों को हिरासत में ले लिया, जिससे लोगों में और अधिक रोष फैल गया.घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है.

एबीजी कोलियरी के आउटसोर्सिंग परियोजना से धुनकर हो रही हैं कोयला चोरी

कतरास : बीसीसीएल गोविंदपुर एरिया-3 के सोनारडीह ओपी क्षेत्र स्थित एबीजी कोलियरी में संचालित विष्णु शिवा आउटसोर्सिंग कंपनी से बड़े पैमाने पर कोयला चोरी किए जाने का आरोप सामने आया है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कंपनी की निगरानी से जुड़े कुछ लोगों की कथित मिलीभगत से प्रतिदिन रात के समय दर्जनों हाइवा वाहनों में कोयला लोड कर बाहर निकाला जा रहा है.बताया जाता है कि आउटसोर्सिंग परियोजना से निकाला गया कोयला आसपास के डिपो में खपाया जाता है, जहां से उसे ट्रकों के माध्यम से विभिन्न गंतव्य स्थलों तक भेज दिया जाता है. इस कथित अवैध कारोबार से बीसीसीएल को प्रतिदिन लाखों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका जताई जा रही है, जबकि तस्करी से जुड़े लोगों के लाभान्वित होने की चर्चा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि कोयला चोरी की यह गतिविधि लंबे समय से जारी है, लेकिन अब तक इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है. मामले को लेकर सोनारडीह पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं. वहीं, कोयला चोरी रोकने के लिए तैनात सीआईएसएफ की निगरानी व्यवस्था भी चर्चा के केंद्र में है. सूत्रों के अनुसार, इस पूरे मामले में कुछ कर्मियों की भूमिका की चर्चा की जा रही है जिसमें रंजीत, विकास, नवीन, और रितेश का नाम सामने आ रहा हैं वही दूसरी ओर, कुछ बीसीसीएल अधिकारियों की संलिप्तता की भी चर्चा है, लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल की चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि

कोलकाता : 112 वर्ष की चिकित्सा सेवा की यशस्वी यात्रा में श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल में डॉक्टर ध्रुव ज्योति मन्ना के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने हृदय रोगी के पुराने पेसमेकर को बदल कर नया पेसमेकर लगाने का कुशलता से ऑपरेशन किया . हॉस्पिटल के विभागीय सचिव दीपक बंका ने बताया चीफ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. डी जे मन्ना के मार्गदर्शन में डॉ. संतोष सिंह, डॉ. मनोज अग्रवाल, ओ टी इंचार्ज सिस्टर महालक्ष्मी सिंह एवं मेडिकल स्टाफ ने ऑपरेशन को कुशलता से सम्पन्न किया . हॉस्पिटल के प्रधान सचिव सुरेन्द्र अग्रवाल ने डॉक्टरों की टीम को बधाई देते हुए कहा हॉस्पिटल ने चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है . उन्होंने बताया पेसमेकर असामान्य या धीमी हृदय गति को नियंत्रित कर दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखता है . पेसमेकर सर्जरी के बाद शुरुआती हफ्तों में घाव को सूखा और साफ रखें . प्रभावित हाथ को कंधे से ऊपर न उठाएं और भारी वजन उठाने से बचें . इलेक्ट्रोमैग्नेटिक उपकरणों से दूरी बनाए रखें और डॉक्टर द्वारा बताई गई पेसमेकर आईडी (खऊ) कार्ड हमेशा अपने पास रखें . पेसमेकर ठीक से काम कर रहा है या नहीं, इसके लिए डॉक्टर द्वारा बताई गई तारीख पर नियमित जांच जरूर करवाएं . श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल के अध्यक्ष बनवारीलाल सोती एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने रोगी को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना देते हुए डॉक्टरों की टीम को बधाई दी .

आवास प्लस 2024 सूची सत्यापन को लेकर ग्राम सभा आयोजित

मण्डरो : प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत महादेववरण के पंचायत सचिवालय में मंगलवार को आवास प्लस 2024 हाउसहोल्ड सर्वे सूची के सत्यापन हेतु विशेष ग्राम सभा पंचायत की मुखिया ललिता देवी की अध्यक्षता मे किया गया.यह कार्यक्रम उप विकास आयुक्त, साहिबगंज एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी,मण्डरो के निर्देश के आलोक में आयोजित किया गया.ग्राम सभा में आवास प्लस 2024 के अंतर्गत पोस्ट डिलीशन वर्कफ्लो तथा ड्राफ्ट परमानेंट वेट लिस्ट के सत्यापन की प्रक्रिया पर चर्चा किया गया! विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार पंचायत क्षेत्र के लाभुकों की सूची का ग्राम सभा के माध्यम से सत्यापन किया गया !ताकि पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके. कार्यक्रम में पंचायत सचिव रमेश कुमार,ग्राम प्रधान सादमुनी देवी,धर्मवीर गौड़,सोनू गुप्ता,नीरज गुप्ता,घनश्याम शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया.

ब्राउन शुगर एवं गांजा की खरीद-बिक्री में संलिप्त 2 आरोपी की हुई गिरफ्तारी

पाकुड़: मुफसिल थानान्तर्गत पुष्पानगर स्थित एक चाय के दुकान में अवैध रूप से ब्राउन शुगर एवं गांजा की खरीद-बिक्री किये जाने की सूचना प्राप्त हुई. प्राप्त सूचना के त्वरित सत्यापन एवं संलिप्त व्यक्तियों के गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक, द्वारा कुमार गौरव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. उक्त गठित छापेमारी दल द्वारा दण्डाधिकारी के साथ ग्राम-पुष्पानगर, ग्रामीण सड़क के किनारे स्थित चाय दुकान पहुँचें तो पुलिस को देखकर वहाॅ उपस्थित लोग इधर-उधर भागने लगे. गठित छापेमारी दल द्वारा भाग रहे व्यक्तियों में से 02 व्यक्ति 01. अंसारूल शेख चाय दुकान मालिक एवं 02. सादुल शेख को खदेड़कर पकड़ा गया. दण्डाधिकारी के उपस्थिति में उक्त पकड़े गये व्यक्तियों एवं चाय दुकान की विधिवतब तलाशी लेने पर 01. अंसारूल शेख के पैकेट से 12 पुड़िया ब्राउन शुगर 4.30 ग्राम तथा उसके चाय दुकान से 09 पुड़िया ब्राउन शुगर 2.77 ग्राम 24 पुड़िया गांजा 50.44 ग्राम) तथा 2310/- रूपया नगद एवं 02. सादुल शेख के पॉकेट से 02 पुड़िया गांजा 4.29 ग्राम बरामद किया गया. पकड़े गये दोनों व्यक्ति से पुछताछ करने पर अंसारूल शेख, उम्र करीब 50 वर्ष, पिता-स्व0 कलीमुद्दीन शेख, ग्राम-झिकरहाट्टी, थाना-मुफसिल, जिला-पाकुड़ द्वारा बताया गया कि बदरूल शेख उम्र करीब 50 वर्ष, पिता-शाहजाद शेख, ग्राम-झिकरहट्टी, थाना-पाकुड़ (मु0), जिला-पाकुड़ द्वारा पश्चिम बंगाल से ड्रग्स एवं गांजा लाकर विभिन्न दुकानों में सप्लाई किया जाता है एवं पकड़ा गया दुसरा व्यक्ति सादुल शेख, उम्र करीब 55 वर्ष, पिता-स्व0 आबु शेख, ग्राम-उदयनारायणपुर, थाना-मुफसिल, जिला-पाकुड़ ड्रग्स खरीदने हेतु चाय दुकान में आया था. इस संबंध में मुफसिल थाना कांड सं0-73/2026, धारा-20 (ल)(खख)(अ)/ 21(व)/22(व) छउ्झड अली. 1985 दर्ज किया गया. उक्त दोनों गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है एवं अन्य संलिप्त 01 अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी है.

गिरफ्तार अभियुक्त का संख्या नाम पता:

01. अंसारूल शेख, उम्र करीब 50 वर्ष, पिता-स्व0 कलीमुद्दीन शेख, ग्राम-झिकरहाट्टी, थाना-मुफसिल, जिला-पाकुड़.

02. सादुल शेख, उम्र करीब 55 वर्ष, पिता-स्व0 आबु शेख, ग्राम-उदयनारायणपुर, थाना-मुफसिल, जिला-पाकुड़. छापामारी टीम में शामिल पुलिस: पदाधिकारी/कर्मी का पदनाम एवं नामः कुमार गौरव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पु0अ0नि0 गौरव कुमार, थाना प्रभारी, पु0अ0नि0 चन्द्रदेव सिंह, मुफसिल थाना, स0अ0नि0 महादेव मंडल, मुफसिल थाना, मुफसिल थाना सशस्त्र बल.

छोटे बच्चों के दफन स्थल का विकास करेगा टाटा स्टील

जमशेदपुर ; साकची गांधी घाट के समीप स्थित छोटे बच्चों के दफन स्थल की बदहाल स्थिति को लेकर लगातार आवाज उठाने वाले जन विकास मंच के प्रमुख सौरभ विष्णु के प्रयासों का असर अब दिखाई देने लगा है. उनके लगातार पत्राचार, अधिकारियों से मुलाकात और जनहित में उठाए गए मुद्दे के बाद सौरभ विष्णु के साथ टाटा स्टील कॉर्पोरेट और टाटा फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने सोमवार को स्थल का निरीक्षण किया. अधिकारियों ने वहां की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए समस्याओं को गंभीरता से सुना और स्थल के विकास के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया. और शहरवासियों को एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक रूप से जुड़ा उपहार दिया जाएगा.यह राजनीति का नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और जनहित का विषय है.

आंगनबाड़ी सेविकाओं के क्षमता संवर्धन हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

पाकुड़:महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आंगनबाड़ी सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज डीआरडीए सभागार, पाकुड़ में मॉडल आंगनबाड़ी सेविकाओं के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला समाज कल्याण शाखा, पाकुड़ के तत्वावधान में आयोजित किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की मॉडल आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं संबंधित कर्मियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभागीय योजनाओं के संचालन, ऑनलाइन पोर्टल प्रविष्टि, आवेदन प्रक्रिया, लाभुक स्वीकृति, भुगतान प्रक्रिया तथा विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा सके.

प्रशिक्षण के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत लंबित मामलों के निष्पादन, लाभुक पंजीकरण, फेस रिकग्निशन सिस्टम, फेस ऑथेंटिकेशन, आधार सीडिंग, डीबीटी इनेबल, एनपीसीआई मैपिंग तथा भुगतान प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई.

साथ ही निर्देश दिया गया कि एएनसी जांच के 30 दिनों के भीतर लाभुकों का पंजीकरण एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली जाएं, ताकि उन्हें समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराया जा सके.

इसके अतिरिक्त सैम, मैम, पोषण ट्रैकर अंतर्गत दैनिक मॉनिटरिंग, आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत संरचना विकास, होम विजिट, टीएचआर वितरण, जीएमडी मशीन के उपयोग सहित विभागीय योजनाओं के विभिन्न मॉड्यूल पर भी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी बंगाल से गिरफ्तार, भेजा गया जेल

अमड़ापाड़ा: शादी का झांसा देकर एक युवती के साथ यौन शोषण करने के मामले में अमड़ापाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के पायकर थाना क्षेत्र के भदिश्ता गांव निवासी मजीद मुल्ला, पिता-जियारुल मुल्ला के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, एक बालिग युवती ने आरोपी के खिलाफ शादी का प्रलोभन देकर लगातार यौन शोषण करने का आरोप लगाते हुए 2 फरवरी 2026 को अमड़ापाड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत के आधार पर अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 05/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 एवं 89 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था. थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था. उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था. जांच के दौरान गुप्त सूचना और तकनीकी सेल की मदद से पुलिस को आरोपी के पश्चिम बंगाल के पायकर थाना क्षेत्र में छिपे होने की जानकारी मिली. सूचना के सत्यापन के बाद एसआई कविंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अमड़ापाड़ा थाना लाया गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया.

आवेदन पर आवेदन फिर भी नहीं मिला समाधान

मण्डरो : प्रखंड के मिर्जाचौकी पश्चिमी फाटक क्षेत्र में लंबे समय से जलजमाव एवं जल निकासी की समस्या बनी हुई है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों के अनुसार पश्चिमी फाटक के आसपास कई वर्षों से पानी जमा रहता है. बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है.वही जलजमाव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से विभिन्न जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता है.ग्रामीणों ने बताया कि मिर्जाचौकी क्षेत्र का पानी रेलवे पुल होते हुए पिरपैंती थाना क्षेत्र की सरकारी नाली से होकर निकलता है. लेकिन रेलवे पुल के नीचे कचरा जमा होने तथा पुल पार करने के बाद मिर्जाचौकी-साहिबगंज एनएच-80 सड़क निर्माण के संवदेक द्वारा समुचित नाला निर्माण नहीं करने से जल निकासी बाधित हो गई है, जिससे क्षेत्र में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है.इस समस्या के समाधान को लेकर ग्रामीण जगरनाथ सिंह ने 26 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को आवेदन भेजा था. ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत की वर्तमान स्थिति सरकारी पोर्टल पर झारखंड सरकार के संयुक्त सचिव स्तर पर लंबित दिखाई दे रही है.वार्ड सदस्य दिलीप चौरसिया ने बताया कि नाला निर्माण एवं जल निकासी की मांग को लेकर जिला प्रशासन एवं मण्डरो अंचल कार्यालय सहित कई अधिकारियों को आवेदन दिया जा चुका है!लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है.उन्होंने कहा कि हर बार केवल आश्वासन ही मिला है.ग्रामीणों का कहना है कि यदि बरसात शुरू होने से पहले समस्या का समाधान नहीं हुआ तो लोगों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा.

साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में दवा का छिड़काव कराने की मांग भी की गई है, ताकि जलजमाव से फैलने वाली बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके. ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर नाली निर्माण कर इस समस्या से राहत दिलाने की मांग की है.

इंडियन रैट स्नेक का किया सफ़ल रेस्क्यू

महेशपुर: प्रखंड के बारहबीघा गांव में रविंदर यादव के घर से सोमवार रात को वनकर्मी अशराफुल शेख ने एक विशाल नौ फीट लंबे इंडियन रैट स्नेक का रेस्क्यू किया. रेस्क्यू किए गए सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया. अशराफुल शेख ने बताया कि रविंदर यादव के घर में रात को एक लंबे सांप को देखकर घरवालों में अफरा-तफरी का माहौल मच गया. जब सांप को देखा गया उस समय वह अपनी केंचुल छोड़ रहा था. घरवालों ने इसकी सूचना मोबाइल पर वनकर्मी को दी. सूचना मिलते ही असराफुल शेख बारहबीघा गांव पहुंच कर सांप का रेस्क्यू किया.

नाहिद हेल्थ पॉइंट' क्लीनिक पर बड़ी कार्रवाई

साहिबगंज : मंगलबार को राजमहल प्रखंड में अनुमंडल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने राजमहल स्थित 'नाहिद हेल्थ पॉइंट' क्लीनिक पर बड़ी कार्रवाई की है. हाटपाड़ा स्थित इस क्लीनिक में राजमहल के अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, जिला साहिबगंज सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान और राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, उधवा सीएचसी चिकित्सा प्रभारी डॉ. गुफरान आलम के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय टीम ने औचक छापेमारी की. इस जांच टीम में डॉ. गुफरान आलम और राजमहल थाना के सब-इंस्पेक्टर अनिल कुमार ओर राजमहल थाना पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे. प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों की इस अचानक हुई कार्रवाई से स्थानीय क्लीनिक संचालकों में हड़कंप मच गया.जांच के दौरान टीम ने क्लीनिक के दस्तावेजों, लाइसेंस और अन्य तकनीकी बिंदुओं की गहन समीक्षा की, जिसके बाद वहां संचालित हो रही अल्ट्रासाउंड मशीन को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया. हालांकि, इस कार्रवाई की मुख्य वजह और नियमों के उल्लंघन को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है. इस संबंध में जब अनुमंडल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम से बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फिलहाल मामले पर कुछ भी बताने या आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. प्रशासन द्वारा मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.मौके पर मौजूद राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल क्लर्क,ओर अन्य स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद थे.

टाटा स्टील ने जमशेदपुर एयरपोर्ट पर व्यापक आपातकालीन अभ्यास आयोजित किया

जमशेदपुर : टाटा स्टील एविएशन सर्विसेज ने 9 जून 2026 को सुबह 9:30 बजे जमशेदपुर एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक पूर्ण स्तरीय आपातकालीन अभ्यास (फुल स्केल इमरजेंसी एक्सरसाइज -ऋडएए) आयोजित किया. यह अभ्यास डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (उऋउअ) द्वारा निर्धारित सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स के प्रावधानों के अनुरूप आयोजित किया गया.जमशेदपुर एयरपोर्ट, जो सार्वजनिक उपयोग श्रेणी के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त हवाई अड्डा है, का संचालन टाटा स्टील के एविएशन विभाग द्वारा किया जाता है. नियामकीय आवश्यकताओं के तहत, हवाई अड्डे पर समय समय पर पूर्ण स्तरीय आपातकालीन अभ्यास आयोजित किए जाते हैं, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों का आकलन किया जा सके तथा हवाई अड्डा आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी एजेंसियों के बीच समन्वित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके.इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना, विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय की क्षमता का परीक्षण करना तथा विमानन संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए उपलब्ध कार्यबल और उपकरणों की तत्परता का आकलन करना था. इसके साथ ही,

इस अभ्यास ने सुधार की संभावित जरूरतों की पहचान करने और वास्तविक आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयारियों को और सुदृढ़ करने का अवसर भी प्रदान किया.मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मियों, टाटा स्टील फायर एंड सिक्योरिटी सर्विसेज, नगर अग्निशमन सेवा, सरकारी स्वास्थ्य एजेंसियों, टाटा मेन हॉस्पिटल की चिकित्सा टीमों, बीएसएनएल के प्रतिनिधियों, एयरलाइन ऑपरेटरों तथा एयरपोर्ट अधिकारियों सहित विभिन्न एजेंसियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई. अभ्यास के दौरान मीडिया प्रबंधन और समन्वय की जिम्मेदारी कॉरपोरेट कम्युनिकेशन विभाग द्वारा संभाली गई.

अभ्यास के दौरान एक काल्पनिक विमान दुर्घटना जैसी आपातस्थिति का परिदृश्य तैयार किया गया, जिसके माध्यम से बचाव एवं अग्निशमन क्षमताओं, चिकित्सा प्रतिक्रिया व्यवस्था, संचार प्रणालियों तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया. अभ्यास के दौरान प्राप्त निष्कर्षों और अवलोकनों पर आधारित एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर समीक्षा एवं नियामकीय अनुपालन के लिए डीजीसीए को प्रस्तुत की जाएगी.

नगर परिषद क्षेत्र में फुटपाथ में मिट मुर्गा दुकान लगाने वाले दुकानदार खुले में दुकान न लगाए

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र में ओर फुटपाथ में मिट मुर्गा दुकान लगाने वाले दुकानदार खुले में दुकान न लगाए, सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का सख्ती से पालन करें उक्त बाते नगर परिषद ईओ अभिषेक कुमार सिंह ने कहा.

नगर परिषद सभागार में मंगलवार को ईओ की अध्यक्षता में मिट मुर्गा मछली दुकानदारों के साथ बैठक आयोजित किया गया. जिसमें ईओ ने सभी दुकानदारों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बारे में विस्तार से बताया ओर कहा कि स्कूल व धार्मिक स्थल से 100 मीटर दूरी पर दुकान लगेगा, दुकान का दरवाजा में काला शीशा लगा होगा, उसके अंदर ही मटन चिकन कटेगा, खुले में मटन चिकन नहीं कटेगा, दुकान में पानी निकासी का साधन हो, मिट काटने का सामग्री स्टेनलेस स्टील का बना हो, मांस काटने का बोर्ड लगाना है कि झटका है या हलाला है, डिस्प्ले वाला फ्रिज लगाना होगा, दुकान में डस्टबिन ओर कूड़ादान होना अनिवार्य है, दो दिनों के अंदर सभी मिट मुर्गा दुकानदार सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन सख्ती से करे,

मिट मुर्गा को पहले देख लीजिए कि वो बीमार न हो, बीमार पशु को न काटे उसका हेल्थ जांच अवश्य कराए, गर्भवती पशु और तीन माह के पशु, बीमार पशु का वध नहीं होगा, वध करने से पहले पशु का मेडिकल जांच अवश्य करे, बिना पंजीयन के पशुशाला ओर वधशाला संचालित नहीं होगा, बिना लाइसेंस का मिट मुर्गा दुकान संचालित नहीं होगा,

जितना पशु कटेगा उसका दुकान के बाहर डिस्प्ले लगाना अनिवार्य है, नियम का पालन न करने वाले दुकानदार को पांच हजार का जुर्माना लगेगा, एक दिन में ज्यादा से ज्यादा 10 पशु ही वध करना है, वध किए पशु का खून खुली नाला में न बहाया जाए, एक पशु का वध करने के बाद दूसरे पशु का वध न करे सहित सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन के बारे में बताया.

वही दो दिनों के अंदर दुकान में सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का पालन करने का सख्त निर्देश दिया गया. मौके पर नगर परिषद कर्मी, मिट दुकान संचालक मुन्ना कुरैशी, सद्दाम सहित दर्जनों दुकानदार उपस्थित थे.

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत महिला समिति के वृक्षों का पौधारोपण

तेतुलमारी : दीक्षा महिला मंडल के अध्यक्षा अर्चना अग्रवाल, पूर्वीता रमैया, रंजना सिंह, तथा नीता कुमार की दिशा निर्देश पर प्रज्वला महिला समिति, सिजुआ क्षेत्र द्वारा सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के समीप नवनिर्मित प्रज्वला महिला समिति क्लब के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सर्वप्रथम पर्यावरण की संरक्षण के लिए एक शपथ लिया गया तथा फलदार वृक्षों का पौधारोपण किया गया. इस अवसर पर प्रज्वला महिला समिति के अध्यक्षा श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने कहा कि हमारी प्रज्वला महिला समिति, सिजुआ क्षेत्र के द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण किया गया है, एवं इस अवसर पर मेरी जनमानस से प्रार्थना है कि अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाए, जिससे जलवायु परिवर्तन के संकट से बचा जा सके साथ ही साथ उन्होंने पत्रकार भाईयों को भी प्रोत्साहित कर सभी को प्रेरित किया और सभी पत्रकार बंधुओं ने भी पौधारोपण किया.इस पुनीत अवसर पर श्रीमती बोन्नोश्री नंदा, श्रीमती अपर्णा चौधरी, श्रीमती रेखा कुमार, रोशनी अंसारी , श्रीमती रीना मित्रा आदि उपस्थित थी.

न्यूज कॉर्नर

एसएसबी 29वीं बटालियन द्वारा 49 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त आसूचना के आधार पर सोमवार को एसएसबी 29वीं बटालियन गया के द्वितीय कमान अधिकारी (कार्यवाहक कमांडेंट) असीम उपाध्याय के दिशानिर्देशन तथा सनोज राज, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में एसएसबी एवं जिला पुलिस थाना- धनगई के साथ द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया.सघन तलाशी अभियान के दौरान ग्राम- लट दुआरी, पोस्ट ऑफिस- पतलुका, थाना - धनगई, जिला- गया से कुल 49 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ डोडा बरामद किया गया.बरामद प्रतिबंधित मादक पदार्थ को विविध करवाई हेतु थाना- धनगई को सुपुर्द कर दिया गया.

व्यवहार न्यायालय गया परिसर में शीतल पेयजल हेतु वाटर कूलर का उद्घाटन

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के प्रयास एवं बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से व्यवहार न्यायालय, गया परिसर में वादकारियों, अधिवक्ताओं एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर कूलर मशीन स्थापित की गई.इसका उद्घाटन मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया प्रदीप कुमार मल्लिक, परिवार न्यायालय के न्यायाधीश सुनील कुमार वर्मा, एडीजे एक शशिकांत ओझा तथा बैंक ऑफ इंडिया के जोनल मैनेजर अभय कुमार झा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया.उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मल्लिक ने कहा कि न्यायालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में वादकारी, अधिवक्ता एवं आम नागरिक अपने विभिन्न कार्यों के लिए आते हैं.वर्तमान समय में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए उनके लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक थी.उन्होंने कहा कि न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के साथ-साथ न्यायालय परिसर में आने वाले लोगों की मूलभूत सुविधाओं का भी ध्यान रखना भी न्यायिक व्यवस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है.उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से स्थापित यह वाटर कूलर न्यायालय आने वाले लोगों को गर्मी से राहत प्रदान करेगा तथा उन्हें स्वच्छ पेयजल सहज रूप से उपलब्ध हो सकेगा.उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए बैंक ऑफ इंडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सहयोग से न्यायिक संस्थानों एवं समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है तथा आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है.इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया अरविंद कुमार दास, एसीजेएम टू रंजीत कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के जोनल मैनेजर अभय कुमार झा सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी एवं बैंक के अधिकारीगण उपस्थित थे.कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया एवं बैंक ऑफ इंडिया के इस संयुक्त प्रयास की सराहना करते हुए उपस्थित लोगों ने इसे न्यायालय परिसर में आने वाले आम नागरिकों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल बताया.

वजीरगंज में राजद का एक दिवसीय धरना

युवा शक्ति न्यूज
वजीरगंज(गया) : राष्ट्रीय जनता दल के आह्वान पर मंगलवार को वजीरगंज प्रखंड मुख्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया.धरने में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता, समर्थक एवं स्थानीय लोग शामिल हुए.धरना के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल शिक्षा व्यवस्था, ध्वस्त कानून-व्यवस्था तथा बढ़ते भ्रष्टाचार जैसे जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया.कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए अविलंब समाधान की मांग की.कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष दिनेश यादव एवं संचालन फारूक आजम ने की.मौके पर शिनन्दन प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, सुनील यादव, भगवान विश्वकर्मा, डॉ अर्जुन प्रसाद, भुनेश्वर दास, शिवनाथ सिंह आदि वक्ताओं ने कहा कि राज्य और देश की जनता महंगाई की मार झेल रही है.युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही है.नेताओं ने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है तथा भ्रष्टाचार आम लोगों की समस्याओं को और बढ़ा रहा है.उन्होंने मांग की कि सरकार अविलंब इन मुद्दों पर ध्यान दे और जनहित में ठोस कदम उठाए.इस मौके कई लोग उपस्थित रहे.

घर के बाहर से टेंपो चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के वजीरगंज नगर पंचायत अंतर्गत मौलानगर भरेती में एक घर के पास से टेंपो चोरी हो गया.यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.पीड़ित ने वजीरगंज थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराकर वाहन बरामदगी और चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है.मौलानगर भरेती निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उनका टेंपो (वाहन संख्या बी02झड-3222) 7 जून की रात घर के बाहर खड़ा था.सुबह उठने पर उन्हें वाहन गायब मिला.उन्होंने आसपास पूछताछ की और खोजबीन की, लेकिन टेंपो का कोई सुराग नहीं मिला.पीड़ित के अनुसार, चोरी की यह वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है.फुटेज सामने आने के बाद इलाके में चोरों के बढ़ते हौसलों को लेकर चर्चा हो रही है.जितेंद्र कुमार ने अपने आवेदन में बताया है कि यह टेंपो उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है.वाहन चोरी होने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है.उन्होंने पुलिस प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी और वाहन बरामद करने की अपील की है.वजीरगंज थाना पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा.

अज्ञात वाहन की चपेट में आया छात्र, घायल छात्र की इलाज के दौरान हुई मौत

युवा शक्ति न्यूज
गुरुआ(गया) : जिले के गुरुआ थाना क्षेत्र के चई गांव निवासी 17 वर्षीय मैट्रिक छात्र गोलू प्रजापति की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई.यह घटना इस्माइलपुर नहर के पास हुई, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया.मिली जानकारी के अनुसार, मृतक गोलू प्रजापति चौमिन खाने के लिए बाइक से इस्माइलपुर नहर के पास गया था.इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया.मंडा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह भाजपा नेता मंटू कुमार (पूर्व सैनिक) को घटना की सूचना मिलीवहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गोलू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर कर दिया.हालांकि, अस्पताल पहुंचने के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई.

लव मैरिज करने के बाद बढ़ गया विवाद

बोधगया में युवती के घर पर की गई फिल्मी अंदाज में छः राउंड फायरिंग

बोधगया: (बिहार) अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल बोधगया के थाना में प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार दिनांक - 09 जून 2026 को हथियार गांव में युवती के घर पर फिल्मी अंदाज में ताबड़तोड़ 06 राउंड फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया है! घटित घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि यह जो घटना घटी है! इसका मुख्य कारण है कि लव मैरिज करने की वजह से ही विवाद काफी बढ़ गया है! जानकारी मिल रही है कि हाल ही में प्रेम विवाह करने वाले युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवती के परिजनों को निशाना बनाते हुए फायरिंग वारदात को अंजाम दिया है. हथियार गांव निवासी राम पुकार चौधरी के पुत्र, मुकेश कुमार

को निशाना बनाकर हथियारबंद बदमाशों ने तीन से चार राउंड गोली चलाई है. हालांकि मुकेश कुमार इस हमले में बाल-बाल बच गया है, परंतु घटित घटना के बाद गांव में दहशत तथा तनाव का भी माहौल है. इस संबंध में मुकेश कुमार ने बताया है, कि चार पहिया वाहन पर सवार होकर 05 युवक गांव में पहुंचे थे. प्रेम विवाह करने वाला युवक, मेराज उर्फ रिंकू ने घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है. विवाह के बाद युवती पक्ष खुश नहीं थे. गोलियों की आवाज से सुनकर आस - पास के लोगों में भगदड़ मच गई, तथा लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे. घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए. भागने से पहले एक बदमाश जमीन पर गिरे हुए खोखा को उठाते हुए देखा गया है. पुलिस - प्रशासन को जब घटना की सूचना मिली, तो तुरंत बोधगया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, और मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है.

सभा स्थल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : बिहार के मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन के मद्देनज़र मंगलवार को जिले के डीएम, एसएसपी, एडीएम, एसडीओ, डीएसपी नीमचक बथानी तथा अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा खिजरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवगांव स्थित सभा स्थल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान सभा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास मार्ग, आमजन की सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का गहन जायजा लिया

तम्बाकू मुक्त बिहार के लिए जागरूकता के साथ सख्त कानून की आवश्यकता

युवाशक्ति न्यूज
पटना: विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर आज बिहार विधान सभा, पटना के एनेक्सी हॉल में ङ्कतम्बाकू मुक्त बिहार: युवा, सरकारी संस्थानों और आध्यात्मिक संगठनों की भूमिकाङ्क विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यक्रम में बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तम्बाकू सेवन केवल एक बुरी आदत नहीं है, बल्कि यह गंभीर बीमारियों, परिवार की आर्थिक परेशानी और समाज के लिए बड़ी चुनौती का कारण है. उन्होंने कहा कि बिहार में तम्बाकू सेवन में कमी आई है, लेकिन चुनौती अभी समाप्त नहीं हुई है. ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे के अनुसार बिहार में 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के 7.3 प्रतिशत बच्चे तम्बाकू का सेवन करते हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है.माननीय अध्यक्ष ने कहा कि बच्चे और युवा राज्य और देश का भविष्य हैं. यदि वे तम्बाकू और निकोटिन की लत में फंसते हैं, तो इसका असर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यक्तित्व, परिवार और भविष्य पर पड़ता है. इसलिए तम्बाकू नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं माना जा सकता. यह शिक्षा, युवा, कानून, समाज, परिवार, आध्यात्मिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों की

साझा जिम्मेदारी है.कार्यशाला में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बच्चों और युवाओं को तम्बाकू तथा निकोटिन की लत से बचाने के लिए केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है. इसके लिए मजबूत कानून, प्रभावी प्रवर्तन और सभी विभागों की सामूहिक प्रतिबद्धता जरूरी है. वक्ताओं ने बिहार में उजढझअ 2003 को और प्रभावी बनाने के लिए राज्य स्तर पर आवश्यक संशोधन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता बताई.कार्यक्रम के दौरान माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई.प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करेंगे, अपने परिजनों, मित्रों और परिचितों को भी तम्बाकू से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा अपने कार्यस्थल और समुदाय को तम्बाकू मुक्त बनाने में योगदान देंगे.कार्यक्रम में सीड्स के कार्यपालक निदेशक श्री दीपक मिश्रा ने तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की स्थिति और COTPA 2003 को मजबूत करने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे. इस अवसर पर यह भी चर्चा हुई कि पड़ोसी राज्य झारखंड ने तम्बाकू नियंत्रण कानून में महत्वपूर्ण संशोधन कर सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू के उपयोग और थूकने पर रोक, हुक्का बार पर प्रतिबंध, खुले सिगरेट की बिक्री पर रोक, तम्बाकू बिक्री की आयु सीमा को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने तथा शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और न्यायालयों के आसपास तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक जैसे मजबूत प्रावधान किए हैं. डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार जैसे बड़े और युवा आबादी वाले राज्य में ऐसे मजबूत प्रावधान बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों को तम्बाकू और निकोटिन की लत से बचाने में मददगार हो सकते हैं.डॉ. धीरेन्द्र नारायण सिन्हा, पूर्व सलाहकार, WHO South-East Asia Region एवं संयोजक,AFTB ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 की थीम पर प्रकाश डाला. बी.के. संजय भाई, राज्य कार्यक्रम समन्वयक, ब्रह्माकुमारीज ने नशा मुक्त भारत अभियान में ब्रह्माकुमारीज की भूमिका पर अपने विचार साझा किए.उन्होंने सभी आए हुए युवाओं , राजनेताओं एवं पदाधिकारियों सहित ब्रह्माकुमारी संस्थान के समस्त बिहार से पहुंचे हुए प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए सबको तंबाकू मुक्ति सहित सर्व प्रकार के नशामुक्ति का शपथ दिलाया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पटना, नालंदा, गया, वैशाली, मुजफ्फरपुर , पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, बेगूसराय एवं शिवहर समेत कई ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्रो के प्रतिनिधि शामिल थे.

बटाने नदी स्थित पुल के डायवर्सन एवं पुल निर्माण कार्य की प्रगति की हुई समीक्षा

औरंगाबाद: (बिहार) मंगलवार दिनांक - 09 जून 2026 को जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद, श्रीमती अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में ही बटाने नदी स्थित पुल के डायवर्सन एवं पुल निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई. बैठक में संबंधित विभागीय पदाधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में प्रारंभ कराने एवं आवागमन को सुचारु बनाए रखने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई. बैठक के दौरान सहायक अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 139 द्वारा अवगत कराया गया कि डायवर्सन निर्माण से संबंधित निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है. जानकारी दी गई कि दिनांक - 13 जून 2026 को तकनीकी बीड तथा 14 जून 2026 को वित्तीय बीड खोली जाएगी, तथा नियमानुसार तरीके से प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 15 जून 2026 से डायवर्सन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा.
जिला पदाधिकारी द्वारा समीक्षा के क्रम में बताया गया कि पथ निर्माण विभाग (आर.सी.डी.) से पुल निर्माण हेतु आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, तथा विभाग द्वारा कार्य प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने कहा कि संबंधित पुल क्षेत्र में भारी वाहनों का परिचालन होने के कारण निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित निविदा प्रक्रिया का अनुपालन किया जा रहा है.पुल निर्माण की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा निर्माण के तकनीकी पहलुओं की जानकारी ली गई. इस पर सहायक अभियंता द्वारा बताया गया कि पुल के ऊपरी हिस्से का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है, तथा विभागीय स्तर पर स्थल निरीक्षण भी संपन्न कर लिया गया है. निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कर समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है. इस आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता, आर.सी.डी. को निर्देश दिया कि अंबा - बारुण पथ पर स्थित पुल की मरम्मत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें. साथ ही बारुण पथ पर दुर्घटना की संभावना को कम करने हेतु आवश्यक स्थलों पर स्पीड लिमिट संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया गया, ताकि आमजन की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके. इस बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी, संतन कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे.

एमएलसी बनाने का झांसा, 14.81 लाख की वसूली

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर में एक महिल टीचर के साथ रेप के बाद ब्लैकमेलिंग और लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है.आरोप है कि पीड़िता के साथी टीचर ने पहले राजनीतिक पहुंच का रौब दिखाया.इसके बाद महिला को शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी बनवाने का सपना दिखाकर शिक्षिका को अपने जाल में फंसा लिया.पीड़िता के मुताबिक, आरोपी टीचर ने नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया. इसी दौरान आरोपी टीचर ने अश्लील वीडियो भी बना लिया.वीडियो को वायरल करने के नाम पर ब्लैकमेल कर 14.81 लाख रुपए की वसूली भी कर ली.ब्लैकमेलिंग से परेशान महिला टीचर ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. कोर्ट के आदेश पर गया के कोतवाली थाना में आरोपी टीचर समेत 3 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई.पुलिस फिलहाल महिला के आरोपों के संबंध में जांच पड़ताल कर रही है.आरोपियों की पहचान बक्सर जिले के रहने वाले टीचर प्रकाश, उसके दो सहयोगी गंगाराम और कृष्णा के रूप में की गई है.पीड़िता चाकंद इलाके की रहने वाली है.पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि कुछ समय पहले उसकी पहचान बक्सर के रहने वाले पेशे से टीचर प्रकाश से हुई.प्रकाश ने दावा किया

सारण पुलिस की अपराध गोष्ठी का हुआ आयोजन

युवाशक्ति न्यूज
सारण:सोमवार को पंचायत भवन अकीलपुर,सारण में माह जून 2026 का अपराध गोष्ठी आयोजित किया गया, जिसमें वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मु0), पुलिस उपाधीक्षक, साइबर, पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित), पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), परि0 पुलिस उपाधीक्षक, सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, सभी थानाध्यक्ष एवं सभी शाखा प्रभारी तथा अभियोजन पदाधिकारी शामिल रहे. गोष्ठी में वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा विधि-व्यवस्था, अनुसंधान की गुणवत्ता एवं कांडो के निष्पादन तथा Citizen Centric Policing के साथ-साथ विधि-व्यवस्था संधारण हेतु विभिन्न दिशा-निर्देश दिये गये, जिसमें से कुछ प्रमुख निर्देश इस प्रकार हैं1. आगामी मुहर्रम पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक, निरोधात्मक कार्रवाई तथा संवेदनशील स्थानों का चिन्हित कर पुलिस पदाधिकारी/बल की प्रतिनियुक्ति एवं सतत भ्रमणशील रहकर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी थानाध्यक्ष / अंचल पुलिस निरीक्षक / अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया.2. सभी थानाध्यक्ष को थाना में आगंतुक पंजी संधारित करने एवं थाना में आने जाने वाले प्रत्येक व्यक्तियों का नाम/पता/मोबाइल नं0 एवं थाना आने के उद्देश्य को आगंतुक पंजी में अंकित करने हेतु आदेशित किया गया

है.3. सभी शाखाओं के प्रभारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.
4. सभी थानाध्यक्ष को वारंटी के खिलाफ S-Drive चलाकर वारंट/ सम्मन / कुर्की को निष्पादित करने एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया है.5. सभी थानाध्यक्ष को प्रत्येक दिन अपने-अपने थाना क्षेत्रों में प्लान ड्यूटी करवाने हेतु निर्देशित किया गया है तथा सभी जगहो पर लगातार वाहन चेकिंग करने हेतु आदेशित किया गया है.6. वाहन चेकिंग एवं रात्रि गश्ती के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं बाईकर्स गैंग पर कड़ी निगरानी से चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया है. 7. थाना परिसर में 'डायरी राइटिंग कैम्प लगाकर सभी लंबित कांडो को निष्पादन करने हेतु निर्देशितकिया गया है.8. सभी थानाध्यक्ष को थाना में शिकायत / सुझाव पेटी को प्रत्येक दिन खोल कर देखने एवं जनता द्वारा की गयी शिकायतों का निवारण करने हेतु निर्देशित किया गया है.9. Know your police प्रोग्राम एवं जनता दरबार आयोजित करने हेतु सभी थानाध्यक्षों को आदेशित किया गया है.
10. प्रत्येक रविवार को जिला के सभी थाना में स्वच्छता अभियान चलाया जाऐगा तथा इन सभी में सबसे स्वच्छ थाना को पुरस्कृत किया जायेगा.11. सभी थानाध्यक्ष को असमाजिक तत्वों को चिन्हित कर बी0एन0एस0 की धारा-126 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करने हेतु आदेशित किया गया है.
12. बी.एन.एस.एस. की धारा-107 के तहत अपराधियों द्वारा अपराध से अर्जित सम्पति जप्ती की कार्रवाई का प्रस्ताव भेजने हेतु निर्देशित किया गया है.13. प्रत्येक रविवार को 12:00 बजे से 02:00 बजे तक सभी थाना में गुंडा परेड आयोजित करवाने एवं गुंडा पंजी के 14 शीर्ष को अद्यतन करने हेतु आदेशित किया गया है.और भी कई निर्देश दिए गए हैं.
इस तरह कुल तेईस निर्देश दिए गए है जिनपर सख्ती से अमल करने का निर्देश दिया गया है.

.एएनएमएमसीएच के जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल, बिना इलाज के लौटे मरीज

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के अनुग्रह मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएनएमएमसीएच) में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल आज चौथे दिन भी जारी रही.डॉक्टरों की विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे इस आंदोलन से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं.ओपीडी सेवाएं ठप रहने के कारण सैकड़ों मरीजों को बिना चिकित्सकीय परामर्श के ही वापस लौटना पड़ा.अस्पताल परिसर में सुबह से ही अफरा-तफरी का माहौल बना रहा.गया सहित आसपास के जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचे थे.कई मरीज दूर-दराज के गांवों से घंटों का सफर तय कर आए थे, लेकिन डॉक्टरों की हड़ताल के कारण उन्हें निराशा हाथ लगी.ओपीडी सेवाएं बाधित होने से न तो उन्हें सलाह मिल सकी और न ही आवश्यक उपचार मिला.आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मरीजों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बार-बार अस्पताल आना उनके लिए मुश्किल है. उनका कहना था कि ऐसी स्थिति में सबसे अधिक नुकसान गरीब मरीजों को उठाना पड़ता है.जूनियर डॉक्टरों, जिनमें राकेश कुमार और अमित रौशन शामिल हैं.इन्होंने बताया कि वे लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है.डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल में पर्याप्त एयर कंडीशनिंग व्यवस्था नहीं होने के कारण भीषण गर्मी में काम करना बेहद कठिन हो गया था. ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर जैसे महत्वपूर्ण विभागों में भी गर्मी के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था.हालांकि, हाल के विरोध प्रदर्शन के बाद कुछ स्थानों पर एयर कंडीशनर की व्यवस्था की गई है, लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि उनकी कई अन्य महत्वपूर्ण मांगें अब भी अधूरी हैं.आंदोलन कर रहे डॉक्टरों ने हॉस्टल व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए हैं.उनका आरोप है कि प्रथम वर्ष के कई छात्र-छात्राओं को अब तक हॉस्टल उपलब्ध नहीं कराया गया है.**जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल आज चौथे दिन भी जारी रही.**इसके कारण उन्हें निजी मकानों में रहकर पढ़ाई और प्रशिक्षण करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक और शैक्षणिक दोनों तरह की परेशानियां बढ़ रही हैं.वहीं, पुराने हॉस्टल भवनों की स्थिति भी जर्जर बताई जा रही है. डॉक्टरों का कहना है कि भवनों की मरम्मत और नए आवासीय परिसरों का निर्माण समय की मांग है, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए हैं.विरोध प्रदर्शन का असर केवल ओपीडी तक सीमित नहीं रहा.

हम (सेक्युलर) गया जिला इकाई के डॉ. शिबगतुल्लाह खान (टूटू खान) पुनः बने जिलाध्यक्ष

युवा शक्ति न्यूज
गया : हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) गया जिला इकाई के जिला कार्यालय, सुरहरी मोड़, भुसंडा (गया) में मंगलवार को एक भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया.इस अवसर पर पार्टी नेतृत्व द्वारा पुनः डॉ. शिबगतुल्लाह खान उर्फ टूटू खान को गया जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया.कार्यक्रम का सफल संचालन पार्टी के जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी इंजीनियर दिवाकर सिंह ने किया. समारोह में अतरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोमित कुमार उपस्थित रहे.अपने संबोधन में विधायक रोमित कुमार ने कहा कि डॉ. टूटू खान के पूर्व कार्यकाल में संगठन ने जिले में उल्लेखनीय विस्तार किया था तथा पार्टी की जनाधार को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है.उन्होंने कहा कि उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं संगठनात्मक दक्षता का लाभ एक बार फिर पार्टी को मिलेगा.उन्होंने नव-मनोनीत जिला अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं गतिशील बनाने का आह्वान किया.नवनियुक्त जिला अध्यक्ष डॉ. शिबगतुल्लाह खान (टूटू खान) ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक

शक्ति और पूंजी हैं.उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण, परिश्रम और संघर्ष के बल पर ही संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा.उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें मिलकर पार्टी के संस्थापक संरक्षक जीतन राम मांझी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन के हाथों को मजबूत करना है और सामाजिक न्याय, समरसता एवं विकास की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना है.उन्होंने आगे कहा कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज़ है और पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को जनता की समस्याओं के समाधान हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिए.उनके संबोधन ने उपस्थित कार्यकर्ताओं में नया उत्साह, ऊर्जा एवं संगठन के प्रति समर्पण का भाव भर दिया.कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने डॉ. टूटू खान को माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया.पूरे परिसर में उत्साह, जोश एवं संगठनात्मक एकजुटता का वातावरण देखने को मिला.इस अवसर पर अतरी विधायक रोमित कुमार, जिला महासचिव पंकज सिंह, दलित प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दीना मांझी, नंदलाल मांझी, छोटू कुशवाहा, चंदन गौरव, सुषमा दांगी, रीना देवी, अनिल यादव, राजेश मांझी, मुकेश चौधरी, जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी इंजीनियर दिवाकर सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.कार्यक्रम के अंत में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और जिले भर में पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | बुधवार | 10 जून, 2026

एक थोपे युद्ध के 100 दिन

ईरान युद्ध के 100 दिन बीत चुके हैं. अब यह अनचाहा युद्ध बनता जा रहा है. न तो अमरीका जीत का दावा कर सकता है और न ही ईरान को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया जा सका है. उसके भी विनाशक पलटवार जारी हैं. यह ऐसा युद्ध है, जिससे अमरीका और ईरान अब बाहर निकलना और एक साझा समझौता करना चाहते हैं, लेकिन जिद और महत्वाकांक्षाएं रोड़े अटका रही हैं. यह ऐसा युद्ध है, जिसने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को हिला कर रख दिया है. महामंदी के आकलन किए जा रहे हैं, 146 देशों में तेल-गैस-खाद के संकट गहराते जा रहे हैं और समुद्री सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण मार्ग लगभग बंद है. नतीजतन विश्व आर्थिकी को 474 लाख करोड़ रुपए की चोट लग चुकी है. यह विभिन्न एजेंसियों के आकलन के निष्कर्ष हैं. आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने चेताया है कि यदि ऊर्जा-बाधा और संकट जारी रहे, तो वैश्विक जीडीपी और रोजगार को गंभीर झटके लगेंगे. विश्व बैंक और आईएमएफ के आकलन पहले ही सामने आ चुके हैं कि वैश्विक जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी तक लुढ़क सकती है. बीते 80 साल में, लगभग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यह पहला युद्ध है, जिसमें 14 देश प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जुड़े हैं. यह युद्ध ऐसा रहा है, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी गई. होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पहली बार बंद हुआ है. खामेनेई समेत करीब 50 लाख के ऐप हैक किए जा चुके हैं. युद्ध में करीब 7000 लोग मारे जा चुके हैं और करीब 55,000 घायल बताए गए हैं. ईरान के करीब 32 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है. लेबनान में 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित बताए गए हैं. ऐसा नहीं है कि अमरीका और इजरायल के नुकसान नहीं हुए हैं. अमरीका के सैन्य खर्च, महंगाई और अप्रत्यक्ष प्रभाव जोड़ें तो उसे करीब 100 लाख करोड़ रुपए से अधिक की चपत लग चुकी है. आज अमरीका पर 39 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है, जबकि उसकी कुल अर्थव्यवस्था 32 ट्रिलियन डॉलर से कुछ अधिक की है. ईरान के जीडीपी और बुनियादी ढांचे को लेकर 28.5 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों को ऊर्जा-ढांचों को ध्वस्त करने या जला देने के कारण 5.54 लाख करोड़ रुपए के नुकसान आंके गए हैं. वैश्विक जीडीपी पर 339 लाख करोड़ रुपए का भारी नुकसान माना जा रहा है. इन नुकसानों और विपरीत, ढहती आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद और 100 दिनों के टकराव, तनाव के बाद भी युद्ध खत्म होने के आसार दिख नहीं रहे हैं. बेशक बीते 60 दिनों से युद्धविराम का ढोंग किया जा रहा है, लेकिन युद्ध रुक-रुक कर जारी रहा है. मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं, हवाई हमले भी किए जा रहे हैं, कहीं विस्फोट है, तो कहीं आग की ऊंची-ऊंची लपटों के साथ धुएं के गहरे गुबार हैं. यदि यह अनचाहा, थोपा हुआ, युद्ध महसूस किया जा रहा है, तो समझौते में किसके अहंकार आड़े आ रहे हैं? भारत पर ईरान युद्ध के प्रभावों को लेकर हम विश्लेषण करते रहे हैं, लेकिन अब आम आदमी और रसोई गैस के संदर्भ में विश्लेषण करें, तो कई दरारें सामने आ रही हैं. भारत में रसोई की एलपीजी के उपभोक्ता करीब 33 करोड़ हैं. 'उज्ज्वला योजना' के 10.58 करोड़ लाभार्थी हैं. जब से एलपीजी का संकट पैदा हुआ है और लगातार उसके दाम बढ़ाए जा रहे हैं, तब से एलपीजी की खपत 30 फीसदी कम हो गई है. लोग इंडक्शन चूल्हे पर आ गए हैं या लकड़ी-कोयला जला कर रसोई का चूल्हा जिंदा रखे हैं. अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य मंत्रियों ने बयान जारी रखे हैं कि भारत में अन्य देशों की तुलना में गैस सस्ती दी जा रही है. ये तुलनाएं ही गलत हैं. अमरीका की प्रति व्यक्ति आय 90 लाख रुपए से अधिक है, ऑस्ट्रेलिया की यह आय करीब 72 लाख रुपए है, जापान की आय भी हमसे कई गुना ज्यादा है और भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 2.35 लाख रुपए है. इन देशों से तुलना कैसे कर सकते हैं? यह तुलना क्रय-शक्ति के आधार पर की जाती है, जिसमें भारत का उपभोक्ता 10 किलो एलपीजी खरीदने का सामर्थ्य रखता है, तो अमरीकी 200 किलो गैस खरीद सकता है. और अब तो एलपीजी की राशनिंग भी शुरू हो गई है. सरकार महंगाई के साथ औसत कमाई भी देखे. अमरीका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध से कई देश बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दाम बढ़ने से अन्य उपभोक्ता वस्तुएं भी महंगी मिलने लगी हैं. दुखद यह है कि आम आदमी की कमाई में कोई इजाफा नहीं हुआ है. इसलिए इस लड़ाई को रोकना जरूरी हो गया है. सक्षम देशों को आगे आकर दोनों पक्षों को युद्ध से पीछे हटने के लिए राजी करना होगा, अन्यथा आम आदमी का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है. यह काम प्राथमिकता के साथ होना चाहिए.

आख़िर परीक्षाओं के प्रति हम कब गंभीर होंगे?

–गिरीश्वर मिश्र

राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षाओं की छीछालेदर देखते हुए यह सवाल उठाना बेहद जरूरी हो गया है कि सरकार कब इस विषय पर गंभीर होगी और कुछ निर्णायक कदम उठाएगी. ऐसी परीक्षाओं की साख बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है. बार-बार नीट जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में गड़बड़ी होना अक्षम्य है. पिछली बार की गड़बड़ी से सबक न लेते हुए एनटीए ने इस बार की परीक्षा की बलि ले ली और लाखों छात्रों को मुश्किल में डाल दिया. पहले की तरह सरकार की ओर से जांच-पड़ताल की कार्रवाई की सूचना जारी हो चुकी है. संसद की स्थायी समिति ने भी काम शुरू कर दिया है. समिति के सदस्य माननीय सांसद एनटीए से 'पेपर लीक' की परिभाषा पूछने और जानने में लगे हुए हैं. अखबारी खबर के अनुसार एनटीए का कहना है कि गेस पेपर यानी अनुमानित प्रश्न को पेपर लीक नहीं कहा जा सकता इसलिए जो भी हुआ वह पेपर लीक ही नहीं है. बात कानूनी अर्थ लगाने की है. अब यदि कोई अभ्यर्थी या अध्यापक या फिर कोचिंग संस्थान प्रश्नपत्र का सटीक अनुमान लगा ले तो क्या किया जा सकता है? मेधावी लोग कुछ भी कर सकते हैं. स्थिति हास्यास्पद हो रही है क्योंकि सभी अपने-अपने दायित्व को मुस्तैदी से निभाने की ज़िम्मेदारी निभाते दिखने की भारी-भरकम कवायद में जुटे हुए हैं. यह अद्भुत दृश्य उपस्थित है : वे यही कह रहे हैं कि जो है या जो हुआ वह स्वाभाविक है यानी वही हो ही सकता था! परीक्षा की नई तारीख़ मुकर्रर कर दी गई है. भगवान करे वह परीक्षा बिना किसी विवाद के हो जाय और युवा वर्ग को अपने जीवन के पथ पर चलने का एक अवसर मिले. गौरतलब है कि अन्य परीक्षाओं में भी धांधली की अनेक घटनाएँ सामने आती रही हैं और अनुचित साधनों का इस्तेमाल कर फ़ायदा उठाने के मसले भी पकड़ में आते रहे हैं. अक्सर इन मामलों में समय पर कार्रवाई नहीं होती या फिर कार्रवाई ही नहीं होती. जो भी हो अक्सर अपराधी दण्डित नहीं हो पाते. दूसरी तरफ़ बहुत से निरपराधियों को बेगुनाह होते हुए भी नाहक ही अच्छा-खासा नुक़सान उठाना पड़ता है. व्यवस्था अपनी जगह चलती रहती है. सच कहा जाय तो यह समस्या सुविधा और शार्टकट के सहारे सस्ते में लाभ कमाने की व्यापक होती जा रही संस्कृति का ही हिस्सा है. पैसा कमाने की चाह जाने कितने तरह के अनैतिक , भ्रष्ट और आपराधिक किस्म के ग़लत कामों को प्रोत्साहन देती है. कुछ दिनों पहले नीट मामले में यह खबर भी आई थी कि कुछ अध्यापक जिन्हें एनटीए ने योग्य माना और परीक्षा के गोपनीय कार्य में लगाया उन्होंने फ़ौरी अर्थ लाभ पाने की आशा से परीक्षा के प्रश्न पत्र के साथ छेड़खानी की और पेपर लीक हो गया था. उन अध्यापकों को गिरफ्तार भी किया गया था. इस समस्या का एक नया आयाम डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग से भी जुड़ गया है. इंटरनेट की सुविधाएं , सर्च इंजिन और सर्वर आदि की समस्या के कारण परीक्षा से जुड़े कामों में बाधा उत्पन्न होती है. सीबीएसई के ताजा मामले में कुछ यही हुआ है जिसे अब आईआईटी की तकनीकी सहायता से दूर किया जा रहा है. यह विडंबना ही कही जाएगी कि शिक्षण और परीक्षण के बीच अब दो फाँक हो चुकी है. पढ़ने वाला, पढ़ाने वाला और पढ़ाई की पड़ताल करने वाला और जीविका देने वाला धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर होते गए हैं. उनका आपस में एक-दूसरे पर कोई भरोसा नहीं है. शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी पाने के लिए या व्यवसाय की दुनिया में कदम रखने के वक्त परीक्षा के लिए लोक सेवा आयोग जैसी संस्थाएं देश और प्रदेश के स्तर पर बनाई गई थीं और बहुत हद तक उनकी साख अब भी अक्षुण्ण बनी हुई है. परंतु परीक्षा का विस्तार जिस तरह हो रहा है, वह आश्चर्यजनक है. अब शिक्षा की अवधि और प्रकार में बड़ा बदलाव आया है और उसी के साथ परीक्षा नामक व्यवस्था का हर तरफ़ विस्तार हुआ है. अब शिक्षा के क्रम में परीक्षा की चुनौती नया रूप ले रही है. आगे की शिक्षा पाने की पात्रता का आधार क्या हो और उसका पिछली पढ़ाई के साथ क्या रिश्ता हो यह गंभीर मुद्दा बन चुका है. हायर सेकेंडरी या ग्रेजुएट स्तर की परीक्षा के प्राप्तांक स्वयं में अब कोई खास अर्थ नहीं रखते. बीए/ बीएससी/ बी काम/ एलएलबी जैसी किसी भी स्नातक स्तर की कक्षा में प्रवेश के लिए भी एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी की राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा देना जरूरी है. दरअसल, औपचारिक शिक्षा की उपयुक्तता संदिग्ध हो चली है और उसमें छात्र की उपलब्धि उसकी पात्रता को बताने के लिए उपयुक्त नहीं है. इसलिए शिक्षा के आयोजन में परीक्षा अब एक स्वतंत्र व्यवस्था के रूप में संचालित की जा रही है. उसके लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जैसी अलग विशाल संस्था खड़ी की गई है. मुश्किल यह है कि अब उसकी प्रक्रियाओं को लेकर भी शंका और संदेह उठ रहे हैं. नई शिक्षा नीति 2020 के तहत मूल्यांकन को शिक्षा से स्वतंत्र नहीं बल्कि शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में स्वीकार किया गया है. उसके हिसाब से मूल्यांकन एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है और उसका लाभ शिक्षा अर्जित करते समय सीखने की प्रक्रिया को पुष्ट करने के रूप में शिक्षार्थी को मिलना चाहिए. इस नीति में परीक्षा को तनावमुक्त बनाने पर भी ज़ोर दिया गया है. पर सच्चाई कुछ और है. परीक्षा के दबाव को झेलने वाले छात्रों को अवसाद, अभिभावकों को दुश्चिंता और तनाव होना आम बात होती जा रही है. खबर है कि नीट की परीक्षा से त्रस्त एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली. परीक्षा बहुत से छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो रही है. उसके लिए भी उच्चतम न्यायालय ने सरकार को फटकार लगाई है और सरकार की ओर से कमेटी भी बन गई है. कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है. काश इन जांचों, समितियों और उनकी संस्तुतियों को लेकर कुछ ठोस कदम भी उठाए जाते. जरूरी है कि उनके सुझावों को ठंडे बस्ते में न डालकर उन पर अमल करने की दिशा में हम आगे बढ़ें. देश के भविष्य के लिए शिक्षा की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) पर विचार करना जरूरी है. छात्रों के स्वास्थ्य और हित को सुरक्षित रखने का उद्यम सभी का एक साझा दायित्व है. ***(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं)***

परमाणु हथियारों की दौड़ में भारत और पाकिस्तान

– महेन्द्र तिवारी

स्टॉकहोम स्थित अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था सिपरी की वर्ष 2026 की रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है. रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु वॉरहेड्स हैं, जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या लगभग 170 बताई गई है. इस प्रकार भारत अब पाकिस्तान से लगभग 20 परमाणु हथियार आगे निकल चुका है. यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की सुरक्षा नीति, सैन्य संतुलन और भविष्य की रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी परमाणु नीति को केवल प्रतिरोध क्षमता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आधुनिक तकनीक और दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति से भी जोड़ा है. भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली, समुद्री सुरक्षा और लंबी दूरी तक मार करने वाली तकनीकों को मजबूत कर रहा है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत अब केवल परमाणु हथियारों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता और त्वरित उपयोग क्षमता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है. यही कारण है कि भारत को अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतिक शक्ति के रूप में देखा जाने लगा है. भारत की परमाणु नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित और नियंत्रित रणनीति मानी जाती है. भारत ने लंबे समय से पहले प्रयोग नहीं की नीति अपनाई हुई है. इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर परमाणु हमला होता है तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा. इस नीति ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि प्रदान की है. दूसरी ओर पाकिस्तान ने ऐसी कोई स्पष्ट नीति घोषित नहीं की है. पाकिस्तान की रणनीति मुख्य रूप से सामरिक परमाणु हथियारों और त्वरित प्रतिक्रिया पर आधारित रही है. यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की परमाणु नीति को अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और जिम्मेदार माना जाता है. सिपरी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत अब अपनी परमाणु क्षमता को तीनों आयामों में मजबूत कर चुका है. इसे परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता कहा जाता है. इसका अर्थ है कि भारत भूमि, आकाश और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने की क्षमता रखता है. भारत के पास अग्नि श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, वायुसेना के लड़ाकू विमान हैं और साथ ही परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बियां भी हैं. इस त्रिस्तरीय क्षमता से भारत की प्रतिरोध शक्ति कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि किसी भी दुश्मन के लिए उसकी पूरी परमाणु क्षमता को एक साथ निष्क्रिय करना लगभग असंभव हो जाता है. भारत ने हाल के वर्षों में अग्नि 5 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों पर विशेष ध्यान दिया है. इन मिसाइलों की क्षमता हजारों किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को भेदने की है. इसके अलावा भारत ने बहु लक्ष्य प्रहार तकनीक पर भी कार्य किया है, जिसमें एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बना सकती है. इसे आधुनिक परमाणु युद्ध रणनीति में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. रिपोर्टों के अनुसार भारत कैनिस्टर आधारित मिसाइल प्रणाली और समुद्र आधारित प्रतिरोध क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है. इससे हथियारों की सुरक्षा और त्वरित तैनाती दोनों संभव हो जाती हैं. सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया है कि भारत अब कुछ परमाणु वॉरहेड्स को तैनात स्थिति में रखने लगा है. अनुमान है कि लगभग 12 वॉरहेड्स ऐसी स्थिति में हैं जिन्हें कम समय में उपयोग किया जा सकता है. पहले भारत आमतौर पर वॉरहेड्स और मिसाइलों को अलग रखता था, ताकि आकस्मिक संघर्ष की संभावना कम रहे. लेकिन बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों ने भारत को अपनी रणनीति में कुछ परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया है. विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान दोनों की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के कारण हुआ है. पाकिस्तान की स्थिति भी कम महत्वपूर्ण नहीं है. भले ही उसके पास भारत से कम परमाणु हथियार हैं, लेकिन वह लगातार विखंडनीय सामग्री जमा कर रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि यही गति जारी रही तो अगले दशक में पाकिस्तान अपने परमाणु भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है. पाकिस्तान लंबे समय से छोटी दूरी के सामरिक परमाणु हथियारों के विकास पर जोर देता रहा है. उसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक सैन्य श्रेष्ठता का मुकाबला करना है. पाकिस्तान की सैन्य नीति में परमाणु हथियार केवल अंतिम विकल्प नहीं बल्कि सामरिक संतुलन का साधन भी माने जाते हैं. भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिस्पर्धा नई नहीं है. वर्ष 1998 में दोनों देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे, जिसके बाद दक्षिण एशिया औपचारिक रूप से परमाणु शक्ति संपन्न क्षेत्र बन गया. तब से दोनों देशों ने अपनी क्षमता में लगातार विस्तार किया है. हालांकि अंतर यह है कि भारत ने अपनी परमाणु नीति को वैश्विक रणनीतिक शक्ति बनने की दिशा में विकसित किया, जबकि पाकिस्तान की नीति मुख्य रूप से भारत केंद्रित रही. यही कारण है कि भारत अब केवल पाकिस्तान को ध्यान में रखकर नहीं बल्कि चीन जैसी बड़ी शक्तियों को भी ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बना रहा है. चीन का बढ़ता परमाणु भंडार भी भारत की रणनीति को प्रभावित कर रहा है. सिपरी ने कहा है कि चीन दुनिया में सबसे तेजी से अपने परमाणु हथियार बढ़ाने वाले देशों में शामिल है. चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी सक्रियता ने भारत को अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है. यही कारण है कि भारत केवल संख्या बढ़ाने पर नहीं बल्कि तकनीकी श्रेष्ठता पर भी ध्यान दे रहा है. भारत की नई मिसाइल प्रणाली, आधुनिक पनडुब्बियां और अंतरिक्ष आधारित निगरानी क्षमता इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं. वैश्विक स्तर पर भी परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है. सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में परमाणु हथियारों को कम करने के प्रयास कमजोर पड़ रहे हैं. अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान सहित कई देश अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण कर रहे हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु हथियार अब केवल प्रतिरोध का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय शक्ति और राजनीतिक प्रभाव के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है. यह स्थिति दुनिया को एक नए परमाणु युग की ओर ले जा सकती है. विशेषज्ञों का मानना है कि परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या केवल सैन्य शक्ति का संकेत नहीं बल्कि वैश्विक असुरक्षा का भी प्रतीक है. जब देश अपनी सुरक्षा के लिए अधिकाधिक परमाणु हथियारों पर निर्भर होने लगते हैं तो युद्ध का खतरा और भी गंभीर हो जाता है. किसी भी छोटी गलती, तकनीकी खराबी या राजनीतिक तनाव का परिणाम विनाशकारी हो सकता है. दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र में जहां पहले भी कई बार तनाव और सैन्य संघर्ष हो चुके हैं, वहां परमाणु प्रतिस्पर्धा विशेष चिंता का विषय बन जाती है. भारत के लिए चुनौती केवल हथियार बढ़ाने की नहीं बल्कि संतुलन बनाए रखने की भी है. भारत को एक ओर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिम्मेदार शक्ति की छवि भी बनाए रखनी है. यही कारण है कि भारत लगातार परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत भी करता रहा है. भारत ने हमेशा यह कहा है कि दुनिया को अंततः परमाणु हथियारों से मुक्त होना चाहिए, लेकिन जब तक अन्य देशों के पास ये हथियार हैं तब तक अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता. भारत की परमाणु क्षमता में वृद्धि को केवल सैन्य उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए. यह भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सोच का भी परिणाम है. रक्षा अनुसंधान, अंतरिक्ष तकनीक, मिसाइल विकास और नौसैनिक क्षमता में भारत ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है. यही कारण है कि आज भारत को विश्व की प्रमुख सैन्य शक्तियों में गिना जाता है. सिपरी की 2026 रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया का सामरिक संतुलन तेजी से बदल रहा है. भारत अब पाकिस्तान से आगे निकल चुका है और अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता को मजबूत कर रहा है. हालांकि यह बढ़त केवल संख्या की नहीं बल्कि तकनीकी, संरचनात्मक और रणनीतिक भी है. आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है, विशेषकर तब जब चीन, पाकिस्तान और अन्य वैश्विक शक्तियां अपने परमाणु कार्यक्रमों का विस्तार जारी रखें. ऐसे समय में दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि सुरक्षा और शक्ति की इस दौड़ को विनाशकारी संघर्ष में बदलने से कैसे रोका जाए.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

10 जून

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 10 जून है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह सूर्य है. इस माह का अधिपति ग्रह बुध है. आप आजीवन बुध एवं सूर्य ग्रह से प्रभावी रहेंगे. आपको जीवन में अत्यधिक उथल-पुथल देखने पड़ेंगे. लेकिन आप स्वयं जो भी निर्णय लेंगे वो लाभदायक होगा. लेकिन जल्दबाजी में लिया गया निर्णय कभी-कभार-नुकसान देय भी हो सकता है. विपत्तियों के समय भी आप प्रसन्नचित रहेंगे. अपने उद्देश्य की पूर्ति ही आपका लक्ष्य होगा. मार्ग-निर्देशन के क्षेत्र में आप अग्रणी होंगे. आप कठोर अनुशासन प्रिय व्यक्ति है. साथ ही चाहेंगे कि जो लोग आपके साथ है वह भी अनुशासन में ही रहें. आप क्रोधी स्वभाव के होंगे. क्रोध की अधिकता में अपना ही नुकसान कर लेंगे आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पूर्ण रूप से सतर्क एवं जागरुक रहेंगे. आपका गृहस्थ जीवन मधुर रहेगा. आपका जन सम्पर्क उच्चस्तरीय होगा. सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र में भी आपकी रूचि रहेगी. ललित कला एवं संगीत में भी आपकी अभिरूचि रहेगी. जीवन में सुख-समृद्धि हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना नियमित रूप से करें. आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें. अपने दैनिक जीवन में सुनहरे एवं नारंगी रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें. अपने हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें. अहिंसा का पालन करें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ घृणि सूर्याय नम:	मास	:	जनवरी, जुलाई एवं दिसम्बर
व्रत	:	रविवार	वर्ष	:	1, 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64
दिन	:	रविवार, बुधवार एवं गुरुवार	रंग	:	नारंगी, सुनहला एवं पीला
दिनांक	:	1, 10, 19, 28	जन्मरत्न	:	माणिक्य
उपरत्न	:	गार्नेट	अंक	:	2, 4, 7
जड़ी	:	बेल की जड़	दिशा	:	पूर्व

यंत्र

6	1	8
7	5	3
2	9	4

वर्ष का महत्वपूर्ण समय 22 मार्च से 28 अप्रैल, 10 जुलाई से 20 अगस्त

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : आकांक्षित सिद्धि में व्यतिक्रम, साहसिक प्रगति का प्रयास असफल, शत्रु हानि पहुँचाने हेतु प्रयत्नशील, नवसमस्याएँ उपस्थित, वाहन से चोट-चपेट भी संभव.

वृषभ : व्यापार में धन निवेश, अधूरे कार्यों की पूर्ति हेतु स्वजनों से सहयोग, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, दाम्पत्य जीवन मधुर, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर.

मिथुन : पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, आय के नवीन स्रोत, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, भौतिक सुख के निमित्त अधिक व्यय, इच्छित योजना का सुपरिणाम.

कर्क : विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त, पुरातन विवाद का निर्णय पक्ष में होने से खुशी, किसी के माध्यम से व्यक्तिगत जीवन में नवीन उपलब्धि.

सिंह : परिस्थितियों में व्यतिक्रम, स्वास्थ्य विपरीत, लापरवाही से नुकसान, विरोधियों का वर्चस्व, पारस्परिक सम्बन्धों में कटुता, मानसिक बेचैनी, अपव्यय भी.

कन्या : नवीन योजना का श्रीगणेश, इच्छा शक्ति का विकास, व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण घटना घटित, अकल्पित लाभ, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग.

तुला : स्वविवेक से किया गया कार्य सफल, उच्चाधिकारियों से सम्पर्क का सुयोग, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, आपसी समझदारी से तनाव में कमी, भौतिक सुख में वृद्धि.

वृश्चिक : कार्य व्यवसाय में उन्नति का अवसर, नवउत्तर-दायित्व का निर्वाह, शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, यात्रा सुखद.

धनु : विशेष प्रयास के बावजूद आंशिक सफलता, व्यापारिक हानि, उत्तरदायित्व की पूर्ति में बाधा, आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति, जीवनसाथी से कष्ट, यात्रा निष्फल.

मकर : विविध पक्षों में अनुकूलता, नवयोजना का श्रीगणेश, सद्विचारों का उदय, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, नवसम्पर्क उपयोगी, अकल्पित लाभ.

कुम्भ: भाग्योन्नति के नवीन आयाम, समझदारी से लिया गया निर्णय हितकर, सुसंदेश से परिवार में हर्षोल्लास, परोपकार की भावना जागृत, मनोरंजन में रुचि.

मीन: कार्य व्यवसाय में नवपरिवर्तन, जिम्मेदारियों को निभाने में व्यय, अपने स्तर को बनाये रखने के लिए प्रयत्नशील, आपसी सलाह से कामयाबी, शत्रु परास्त.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी। पीड़ा प्रसव विगत महतारी।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु। मंगल सुगन अनुकूल सबाहु।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई। चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए।

समाचार सुनि ऋषि सब आए। देखि मुख छवि आशीष बरसाए।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी। सकल ऋषि मुनि कहा बखानी।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे। सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा। क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है। अत: इस बालक का नाम 'कपिल' अच्छा होगा।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति। भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा। सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होने लगा। मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी।

राज्यसभा में 2/3 बहुमत से मोदी सरकार को असीम शक्तियां!

– संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में 18 जून 2026 की तारीख एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है. देश के 12 राज्यों में राज्यसभा की 26 सीटों पर होने वाले चुनाव केवल सांख्यिकीय फेरबदल नहीं हैं, बल्कि ये उस संवैधानिक भविष्य की नींव रख सकते हैं जिसे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वर्षों से आकार देने की कोशिश कर रहा है. इन चुनावों के बाद राज्यसभा में एनडीए का आंकड़ा 150 के पार पहुंचने की उम्मीद है, जो उसे दो-तिहाई बहुमत के और करीब ले जाएगा.राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत का अर्थ केवल संख्या बल नहीं है. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में यह साफ किया गया है कि किसी भी संविधान संशोधन को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है. इस विशेष बहुमत का मतलब उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन से होता है. यही वह कुंजी है जो संविधान के उन दरवाजों को खोल सकती है जो अब तक बंद थे. महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मामला सबसे पहले और सबसे अधिक चर्चित है. संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को लोकसभा से संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने की संस्तुति मिलने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में इस बिल को सभा पटल के सामने रखा था, लेकिन सरकार के पास संवैधानिक संशोधन को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत नहीं था. अप्रैल 2026 में संसद के विशेष सत्र में लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल पर चर्चा हुई, लेकिन इसे पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जो सरकार को नहीं मिल सकी. अब यदि 18 जून के बाद राज्यसभा में बहुमत का गणित बदलता है तो यह विधेयक मानसून सत्र में फिर से जीवित हो सकता है. इससे जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मानसून सत्र में फिर से पेश करने के लिए भाजपा की योजना 18 जून को राज्यसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद द्रमुक समेत कुछ अन्य ऐसे विपक्षी दलों को साधने की है. भाजपा को तीन कारणों से संविधान संशोधन विधेयक पर आगे बढ़ने का हौसला मिला है. पहला, राज्यसभा में बहुमत के करीब पहुंचना; दूसरा, तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल में टूट की संभावना; और तीसरा, द्रमुक और भाजपा के बीच बढ़ती करीबी.महिला आरक्षण के साथ ही परिसीमन का मुद्दा भी गहराई से जुड़ा हुआ है. वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं, जो 1977 के बाद से स्थिर हैं. इंदिरा सरकार ने परिसीमन लाकर सीटें 525 से बढ़ाकर 543 कर इसे फ्रीज कर दिया था. अब जनसंख्या के अनुपात में लोकसभा की सीटें बढ़ाने और उनमें महिलाओं के लिए आरक्षण तय करने के लिए एक साथ संविधान संशोधन जरूरी है. दक्षिण भारतीय राज्यों को चिंता है कि नई सीटों का बंटवारा उत्तर भारत के पक्ष में होगा क्योंकि वहां जनसंख्या अधिक है. इसीलिए पीएम मोदी को यह आश्वासन देना पड़ा कि परिसीमन में किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा. समान नागरिक संहिता भाजपा के घोषणापत्र का वह वादा है जो दशकों से लंबित है. उत्तराखंड इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन चुका है. केंद्र में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए संविधान में संशोधन अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसके कुछ पहलू जैसे मुस्लिम व्यक्तिगत कानून को प्रभावित करने वाले प्रावधान विधायी और सांख्यिकीय दृष्टि से संवेदनशील हैं. राज्यसभा में मजबूत बहुमत मिलने के बाद सरकार के लिए इस दिशा में आगे बढ़ना राजनीतिक रूप से कहीं आसान हो जाएगा. न्यायपालिका की नियुक्ति प्रक्रिया भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां मोदी सरकार लंबे समय से बदलाव चाहती है. राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में असंवैधानिक करार दे दिया था. सरकार और न्यायपालिका के बीच न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका को लेकर वर्षों से टकराव चल रहा है. राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत के बाद सरकार एक बार फिर इस दिशा में संविधान संशोधन लाने का साहस जुटा सकती है. अनुच्छेद 356 अर्थात् राष्ट्रपति शासन की शर्तों को लेकर भी समय-समय पर संशोधन की मांग उठती रही है. इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून और अनुच्छेद 31 से जुड़े पुराने विवाद हैं, जिन पर सरकार नए सिरे से नीति बना सकती है. आर्थिक नीतियों को अधिक लचीला बनाने के लिए संविधान की नौवीं अनुसूची में संशोधन भी एक विकल्प है, जिसमें कानूनों को न्यायिक समीक्षा से बाहर रखा जाता है. हालांकि यह समझना जरूरी है कि राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत अकेले पर्याप्त नहीं है. किसी भी संविधान संशोधन को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है. लोकसभा में विधेयक पारित कराने के लिए समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या द्रमुक में से कम से कम दो मुख्य विपक्षी दलों को मतदान से अनुपस्थित रहना होगा. कुछ संवेदनशील संशोधनों के लिए राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की भी जरूरत होती है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 18 जून के चुनाव परिणाम केवल राज्यसभा की सीटों का हिसाब-किताब नहीं करेंगे, बल्कि भारत के संवैधानिक भविष्य की दिशा भी तय करेंगे. यदि एनडीए दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच गया और साथ ही कुछ विपक्षी दलों का सहयोग मिल गया, तो ऐसे संशोधन, जो वर्षों से राजनीतिक बहस का हिस्सा थे, कानूनी हकीकत बन सकते हैं. यही कारण है कि विपक्षी दल इन चुनावों को असाधारण महत्व दे रहे हैं और हर वोट को बचाने की पूरी कोशिश में जुटे हैं.

बहुप्रतीक्षित सबसे लंबी सुरंग जोजिला का ब्रेकथ्रू सफल, भारत ने रचा इतिहास

श्रीनगर: पांच साल बाद कश्मीर और कारगिल के बीच बनी भारत की महत्वाकांक्षी जोजिला सुरंग का मंगलवार को आखिरी ब्रेकथ्रू ब्लास्ट सफल रहा. 11,600 फीट से अधिक की ऊंचाई पर केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री नितिन गडकरी ने रिमोट बटन दबाकर लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के मिनिमार्ग में टनल के ईस्ट पोर्टल के पास ब्रेकथ्रू साइट को ब्लास्ट किया. इस अवसर पर जम्मू- कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे. महत्वाकांक्षी परियोजना अक्टूबर 2020 से निर्माणाधीन है और एक बार पूरा होने के बाद यह श्रीनगर-लेह राजमार्ग को सभी मौसम वाला मार्ग बना देगा. 13.153 किलोमीटर में फैली दुनिया की सबसे लंबी एकल आने-जाने की सुविधा वाली सुरंग ऊंचाई वाले पहाड़ी सड़क को बायपास करेगी और देश के बाकी हिस्सों के साथ लद्दाख की साल भर संपर्क सक्षम करेगी.

यह सुरंग रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है. यह पाकिस्तान और चीन के साथ सीमाओं की ओर बढ़ने वाले सैनिकों के लिए तेज और सुरक्षित आवाजाही को सक्षम करेगी. 2020 में भारतीय सेना और चीनी सैनिकों के बीच आमने-सामने की लड़ाई हुई थी. इसने रणनीतिक रूप से स्थित क्षेत्र में तेजी से बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा दिया. सेना और आम लोगों को लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि सर्दियों के महीनों में बर्फ जमा होने से ट्रैफिक में रुकावट आती है. एक अधिकारी ने कहा, 'लेकिन यह टनल एक स्ट्रेटेजिक रूप से महत्वपूर्ण फ्रंटियर कॉरिडोर में ऑपरेशनल मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स की तैयारी को मजबूत करती है, जो न केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में बल्कि एक नेशनल कनेक्टिविटी और सिक्योरिटी एसेट के रूप में भी इसकी भूमिका को रेखांकित करती है.'

हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा निर्मित इस सुरंग में न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल किया गया, जो विशेष रूप से नाजुक हिमालयी पहाड़ों के लिए उपयुक्त विधि है. मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के कार्यकारी ने कहा, ये सफलता जोजिला सुरंग परियोजना के लिए एक निर्णायक क्षण है क्योंकि यह प्रतिकूल हिमालयी वातावरण में भारत के सबसे जटिल परिवहन बुनियादी ढांचे के कार्यों में से एक के सफल निष्पादन को प्रदर्शित करता है. लद्दाख की सांसद हनीफा जान ने परियोजना में महत्वपूर्ण प्रगति के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को श्रेय दिया. उन्होंने बताया, इसका रणनीतिक महत्व है लेकिन साथ ही यह लद्दाख को बड़ी राहत और लाभ प्रदान करेगा. हम बचपन से सुरंग की मांग के बारे में सुनते आ रहे हैं. मैं लोगों के बीच खुशी और उत्साह व्यक्त नहीं कर सकता क्योंकि सुरंग सफलता के चरण में पहुंच गई है.'अधिकारियों ने कहा, अब खुदाई पूरी होने के साथ, यह प्रोजेक्ट कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में बिना रुकावट कनेक्टिविटी के अपने लंबे समय से सोचे गए मकसद को पूरा करने के करीब पहुंच गया है, जिससे मोबिलिटी, आर्थिक जुड़ाव और स्ट्रेटेजिक मजबूती में लंबे समय तक फायदे होंगे. मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अधिकारियों ने कहा कि साल में तीन महीने से ज़्यादा समय तक माइनस 30 डिग्री सेल्सियस जैसी जमा देने वाली ठंड का सामना करते हुए, 1,200 से ज़्यादा लोगों ने राष्ट्रीय महत्व के इस बहुत मशहूर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर बिना रुके कंस्ट्रक्शन जारी रखा.

पिछले पांच सालों में प्रोजेक्ट साइट पर बर्फबारी की पांच बड़ी घटनाएं हुई और मशीनरी, इक्विपमेंट और वर्कशॉप को नुकसान पहुंचा. 12 जनवरी 2023 को भारतीय सेना ने हिमस्खलन में फंसे 172 से ज़्यादा मजदूरों को बचाया और निकाला. एक बार पूरा हो जाने पर यह टनल जोजिला दर्रे को पार करने में लगने वाले मौजूदा तीन घंटे के समय से घटकर 30 मिनट हो जाएगी.

मानव तस्करी नेटवर्क के दो आरोपित गिरफ्तार, दक्षिणपूर्व एशिया के धोखाधड़ी केंद्र से जुड़ा मामला

नई दिल्ली: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दक्षिणपूर्व एशिया में सक्रिय धोखाधड़ी केन्द्र से जुड़े मानव तस्करी और साइबर स्लेवरी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में दो मुख्य आरोपितों निपेन्दर चौधरी और निलेश नारपात सिंह पुरोहित को गिरफ्तार किया है. यह नेटवर्क भारतीय नागरिकों को आकर्षक रोजगार अवसरों का झांसा देकर म्यांमार और कंबोडिया स्थित अवैध कम्पाउंडों में भेजता था, जहां उन्हें जबरन साइबर अपराध गतिविधियों में शामिल किया जाता था. सीबीआई ने बताया कि जांच में सामने आया कि यह नेटवर्क एजेंटों और सहयोगियों के जरिए भारतीय नागरिकों को विदेश में नौकरी का लालच देकर भर्ती करता था. पीड़ितों को म्यांमार और कंबोडिया के धोखाधड़ी केन्द्रों में ले जाया जाता था, जहां पासपोर्ट जब्त कर उनका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया जाता था. कई मामलों में परिवारों को भारी रकम चुका कर परिजनों को छुड़ाना पड़ा. गिरफ्तार आरोपितों में से एक आरोपित धोखाधड़ी केन्द्र संचालक की ओर से काम करता था और भारतीय नागरिकों को म्यांमार तक पहुंचाने की रसद व्यवस्था करता था. जांच में पता चला कि पीड़ितों को पहले बैंकॉक से माए सॉट ले जाया जाता था और फिर थाईलैंडम्यांमार सीमा पार कर अवैध केंद्रों में पहुंचाया जाता था.

पहले काम का अधिकार छीना, अब निवाला भी छीन रही है मोदी सरकार : खरगे

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना और अब रोटी का निवाला भी छीन रही है. सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है. वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे. हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी सरकार के 12 सालों में ग़रीबी घटाने के अभियान की वास्तविकता है कि पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार

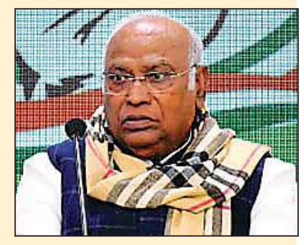

छीना, अब रोटी का निवाला भी छीना जा रहा है.' उन्होंने कहा कि 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया था कि उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिलेगी तथा साल में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देने का वादा किया गया था, लेकिन पिछले साल इसे 12 से घटाकर 9 और अब 4 कर दिया गया है.

खरगे ने कहा, '2026 में अब सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या 9 से घटाकर केवल चार कर दी गई. एलपीजी की कीमतें बार-बार बढ़ाई गईं. यानी, 12 का वादा, पर 4 का इरादा. 5.56 करोड़ लाभार्थी गैस सिलेंडर ख़रीदने में असमर्थ हैं.' उन्होंने कहा, ''सिलेंडर छोड़, माता-बहनें चूल्हा अपनाने को मजबूर उनके आंसुओं पर घड़ियाली आंसू बहाने वाली मोदी सरकार सत्ता के नशे में चूर.'

अमेरिका ने भारतीय प्रवासी समेत 17 लोगों की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की

वाशिंगटन: अमेरिका ने सोमवार को कहा कि उसने गंभीर अपराधों के आरोपी एक भारतीय प्रवासी सहित 17 लोगों की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. न्याय विभाग ने बताया कि न्यूजर्सी स्थित प्लेसमेंट फर्म 'मैग्नाविजन एलएलसी' के मालिक नीरज शर्मा (50) पर आरोप है कि उन्होंने 11 फर्जी एच-1बी वीजा आवेदन पर हस्ताक्षर करते हुए दावा किया कि संबंधित व्यक्ति एक वैश्विक वित्तीय संस्थान में काम करेंगे. विभाग के मुताबिक, शर्मा की ओर से एच1बी वीजा आवेदनों के लिए सहायक दस्तावेज के तौर पर जमा किए गए पत्रों में कथित तौर पर वैश्विक वित्तीय संस्थान के अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर थे. विभाग ने बताया कि शर्मा ने 2017 में नागरिकता के लिए आवेदन किया था. उसने आरोप लगाया कि शर्मा ने नागरिकता के लिए हुए साक्षात्कार के दौरान अपने पिछले आपराधिक आचरण के बारे में झूठ बोला था.

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर नितिन नवीन के किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक बड़ी प्रदर्शनी लगाई गई है. इसका उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और जनकल्याण के नए युग में प्रवेश किया है तथा वे भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की दिशा में अग्रसर हैं. पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के लिए लगाई गई प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार के 12 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है. नितिन नवीन ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में गरीब कल्याण, किसानों की

समृद्धि, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, डिजिटल परिवर्तन और बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विकास को नई गति मिली है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'प्रधान सेवक' के भाव और सेवा के प्रति समर्पण ने देश को परिवर्तन की नई दिशा दी है. साथ ही उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को सामूहिक प्रयासों से साकार करने का संकल्प दोहराया. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवधि विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित रही है. उन्होंने एक्स पर कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ युवाओं, महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया गया है.

नासिक कुंभ मेला: श्रद्धालुओं को उपयोगी जानकारी, आपातकालीन सहायता देने के लिए नि:शुल्क ऐप विकसित

मुंबई : महाराष्ट्र में होने वाले 'नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला 2027' के दौरान श्रद्धालुओं और आगंतुकों को उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन सहायता प्रदान करने के लिए एक नि:शुल्क डिजिटल मंच विकसित किया गया है. एक बयान के मुताबिक, नासिक के युवा डिजिटल उद्यमी प्रसाद अरविंद भालेकर द्वारा विकसित 'कुंभकनेक्ट' का उद्देश्य इस विशाल धार्मिक समागम के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी, मार्ग खोजने और आपातकालीन सहायता देना है. इस महापर्व में करोड़ों लोगों के जुटने की उम्मीद है. यह नि:शुल्क और बहुभाषी मंच एक 'प्रोग्रेसिव वेब ऐप' के रूप में तैयार किया गया है, जिसे मोबाइल उपकरणों पर वेब ब्राउज़र के माध्यम से आसानी से खोला जा सकता है.

ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत पर हमला, भारतीय चालक दल के 24 सदस्य बचाए गए: आईसीजी

नई दिल्ली: ओमान के तट के पास पलाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक टैंकर पर हुए मिसाइल हमले के बाद ओमान के अधिकारियों के समन्वय से पोत पर मौजूद भारतीय चालक दल के 24 सदस्यों को बचा लिया गया. भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी. आईसीजी ने एक बयान में कहा कि उसके मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) को आठ जून को ओमान के मसिराह तट के पास लंगर डाले टैंकर 'एमटी मारिवेक्स' पर मिसाइल हमले की सूचना मिली. आईसीजी ने बताया कि पोत पर 24 भारतीय नागरिक सवार थे. यह सूचना एमआरसीसी को पोत पर सवार चालक दल के एक सदस्य के रिश्तेदार ने दी थी. बयान में कहा गया है कि सूचना मिलते ही एमआरसीसी ने मिसाइल हमले के बाद भारतीयों के सफल बचाव के लिए ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया. भारतीय तटरक्षक बल ने कहा, स्थिति की गंभीरता और चालक दल की सुरक्षा से संबंधी खतरे को तुरंत भांपकर एमआरसीसी मुंबई ने तुरंत ओमान समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र (ओएमएससी) से संपर्क स्थापित किया और उससे खोज अभियान समन्वयक (एसएमसी) की भूमिका निभाने और पोत एवं उसके चालक दल को तत्काल सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया. आईसीजी ने बताया कि ओएमएससी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पास के एक जहाज को मोड़कर और दो बचाव हेलीकॉप्टरों को घटनास्थल पर भेजकर बचाव अभियान शुरू किया और उसका समन्वय किया. स्थिति पर नजर रखने और भारतीय चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुंबई और ओमान के बचाव केंद्रों तथा अन्य संबंधित हितधारकों के बीच निरंतर समन्वय बना रहा.

न्यूज कॉर्नर

जम्मू-कश्मीर के बारामूला से दो पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने दो पिस्तौल और कुछ कारतूस बरामद किए हैं. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि बारामूला पुलिस ने 52 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के साथ मिलकर अवैध हथियार तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए चांदसूमा, कनिसपोरा इलाके से एक विदेशी निर्मित पिस्तौल बरामद की. जिला पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि जांच के दौरान उरी तहसील के कमलकोट क्षेत्र से एक और पिस्तौल, दो मैगजीन और 13 कारतूस भी बरामद किए गए. पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस मामले में कोई गिरफ्तारी हुई है या नहीं. सुरक्षा एजेंसियां मामले की आगे जांच कर रही हैं.

गुजरात से महाराष्ट्र जा रहे परिवार की कार दूसरे वाहनों से टकरायी, 6 की मौत

व्यारा: गुजरात के व्यारा से कार से जा रहे एक परिवार की कार मंगलवार को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर-धुले रोड पर दूसरे वाहनों से टकरा गई. इसमें कार चार लोगों सहित 6 लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ लोग घायल हो गए हैं. उन्हें अमलनेर के पास अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि यह सड़क हादसा जलगांव जिले के अमलनेर-धुले रोड पर होटल वृंदावन और मंगरूल गांव के पास कार, एसटी बस और बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में हुआ. इसमें एक गुजरात निवासी एक परिवार के चार सदस्यों समेत कुल छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. कार सवार यह परिवार महाराष्ट्र के मंगरूल गांव के पास आयोजित सगाई समारोह में शामिल होने के लिए कार से जा रहा था.बताया गया कि एसटी बस और एक बाइक अमलनेर से धुले की ओर जा रहे थे. इसी दौरान धुले की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही कार चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो गया और कार सीधे एसटी बस तथा बाइक से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार और बाइक के परखच्चे उड़ गए. हादसे में बाइक सवार धरनगांव निवासी दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और गुजरात निवासी कार सवार नंदलाल गोपाल महाजन, सुरेश विक्रम महाजन, अनीता सुरेश महाजन और निर्मला नंदलाल महाजन ने भी घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया.

धनशोधन मामले में पिनराई विजयन की बेटी वीणा को ईडी का समन

कोच्चि : प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन के एक मामले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी को पूछताछ के लिए इस सप्ताह तलब किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, वीणा को 12 जून को यहां प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है. उनके उपस्थित होने पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया जाएगा. उन्होंने बताया कि एजेंसी ने इस मामले में कुछ अन्य लोगों को भी समन जारी किया है.जांच कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) तथा वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी एग्जालॉजिक सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े कथित धनशोधन मामले से संबंधित है. ईडी ने पिछले महीने पिनराई विजयन के तिरुवनंतपुरम स्थित किराए के आवास, जहां वीणा रहती हैं, सहित कुछ अन्य स्थानों पर छापेमारी की थी. ईडी की जांच उस आरोप से जुड़ी है, जिसके अनुसार सीएमआरएल ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) परामर्श सेवाओं के नाम पर एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को कथित तौर पर 2.78 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान किया.

अमृतसर में आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े दो गुर्गे गिरफ्तार, हैंड ग्रेनेड बरामद

चंडीगढ़: अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में सीमा पार के संचालकों से जुड़े दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं. दोनों आरोपित आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने के लिए अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे थे.

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गांव चूंघ , तरनतारन निवासी दविंदर सिंह तथा सुरसिंह, तरनतारन निवासी राजविंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया है. इनसे हैंड ग्रेनेडों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी सेडान कार, हुंडई वर्ना को भी जब्त कर लिया है. डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों विदेशी हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देशों पर कार्य

कर रहे थे. उन्होंने कहा कि हैंड ग्रेनेडों की बरामदगी सीमावर्ती राज्य में शांति एवं कानून-व्यवस्था को भंग करने की किसी बड़ी साजिश की ओर संकेत करती है. डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है, ताकि इस नेटवर्क में शामिल अन्य सहयोगियों की पहचान की जा सके. अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कँवलप्रीत सिंह चाहल ने बताया कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि संदिग्ध दविंदर सिंह और राजविंदर सिंह ने सीमा पार से अपने हैंडलरों द्वारा भेजी गई विस्फोटक सामग्री की एक खेप प्राप्त की है और वे राज्य की शांति एवं सौहार्द को भंग करने के उद्देश्य से आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं. उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही डीएसपी गुरिंदरपाल सिंह नागरा तथा डीएसपी यादविंदर सिंह की निगरानी में पुलिस टीमों ने एक गुप्त अभियान चलाया और खासा क्षेत्र से दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया. उनकी वर्ना कार की तलाशी के दौरान दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए. प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपित आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने के लिए अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे थे.

दोहरे हत्याकांड में वांछित हाशिम बाबा गिरोह का शूटर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद हाशिम बाबा गिरोह के एक कथित शूटर को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सोमवार रात हुई मुठभेड़ के दौरान आरोपी आमिर उर्फ सलीम के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. वह 2024 के सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड के मामले में वांछित था. अपराध शाखा के अनुसार, आमिर, आकाश शर्मा उर्फ छोटू और उसके भतीजे ऋषभ शर्मा की हत्या के मामले में वांछित था. 31 अक्टूबर, 2024 को दिवाली पर शाहदरा के फर्श बाजार इलाके में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी. यह घटना उनके घर के बाहर ही हुई थी. इस हमले में आकाश के बेटे कृष को भी गोली लगी थी.

पीओके में बर्बरता : ब्रिटेन में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन

लंदन: पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अंतिम संस्कार के दौरान गमजदा लोगों पर की गई गोलीबारी में कम से कम 11 लोगों की मौत के विरोध में कश्मीरी प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में स्थित पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया. घटना ऐसे समय हुई जब कुछ दिन पहले लगभग 30 ब्रिटिश सांसदों ने पीओके में बड़े पैमाने पर मानवाधिकार उल्लंघनों का दावा करते हुए कूटनीतिक हस्तक्षेप की मांग की थी.

पीओके में यह बर्बरता उस समय हुई जब जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) द्वारा सस्ती दरों पर आटा और बिजली की मांग को लेकर प्रस्तावित विरोध रैली की तैयारी चल रही थी. अधिकारियों ने सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं

का हवाला देते हुए शुक्रवार को जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था. मंगलवार को प्रदर्शनकारी ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के बाहर एकत्र हुए और पाकिस्तान के अधिकारियों पर पीओके में प्रदर्शनों में शामिल लोगों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग करने का आरोप लगाया.

कई कश्मीरी प्रवासियों समेत आयोजकों ने दावा किया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की गोलीबारी में खासकर रावलाकोट में कई लोग मारे गए और घायल हुए.

देश भर में अगले कुछ दिनों में हल्की से सामान्य वर्षा और तेज हवा के साथ आंधी का अनुमान

नई दिल्ली: देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, वहीं पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर-पश्चिम भारत का मौसम भी करवट लेने वाला है. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं चलने और बारिश होने की चेतावनी दी है.

आईएमडी के अनुसार राजधानी में बुधवार दोपहर-शाम के बीच तेज हवा और गरज के साथ वर्षा होने के आसार हैं. इस दिन का अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है. 11 जून को भी यही स्थिति रहेगी और हवा की रफ्तार 50-70 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है. अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है.

दक्षिण-पश्चिम मानसून आज पूर्वोत्तर राज्यों के बाकी हिस्सों, पूरे सिक्किम और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है. अगले 5-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं 7-20 सेमी तक भारी वर्षा होने की संभावना है. एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण 11 और 12 जून को हल्की से मध्यम बारिश के साथ 50-60

किमी प्रति घंटे के दौरान तेज हवाएं चलने और ओलावृष्टि होने की संभावना है.

अगले 4-5 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के बाकी हिस्सों, पश्चिम-मध्य, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं. उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6 दिनों के दौरान यहां के अलग-अलग क्षेत्रों में कहीं पर मध्यम और कहीं पर भारी वर्षा होने तथा इसी दौरान कुछ क्षेत्रों में तेज रफ्तार हवाएं चलने के आसार हैं.

मध्य भारत के छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 10-15 जून के दौरान वर्षा और पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 10-11 जून, छत्तीसगढ़ में 13 जून, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 जून, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 12-13 जून, छत्तीसगढ़ में 11-12 जून को तेज हवाएं चलने तथा पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 जून को कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने के आसार हैं.

पूर्वी भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल तथा सिक्किम में 10-15 जून, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 10-12 जून, झारखंड में 12-13 जून, बिहार में 11 जून, ओडिशा में 11-12 जून वर्षा होने और यहां के कुछ क्षेत्रों में तेज रफ्तार से हवाएं चलने के आसार हैं. इसके अलावा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 11-13 जून, बिहार में 10-12 जून और ओडिशा में 11-13 जून को भारी बारिश होने की भी संभावना है.

पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 10-15 जून के दौरान वर्षा हो सकती है. असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11-13 जून के दौरान तूफान आने की संभावना है. अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय में 15 जून, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 10-13 जून के दौरान भारी बारिश के आसार हैं.

पश्चिमी भारत के कोंकण, गोवा, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 10-15 जून, सौराष्ट्र और कच्छ में 12-15 जून के दौरान बारिश होने की संभावना है. इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज हवाएं भी चल सकती हैं. दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में अगले 6 दिनों के दौरान भारी वर्षा जबकि कुछ क्षेत्रों में अगले 6 दिनों के दौरान तेज तूफान आने के आसार हैं. ओडिशा में 10-11 जून के दौरान गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है.

हमारा मॉडल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने वाला होना चाहिए: मुख्यमंत्री

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आत्मनिर्भरता पर जोर दिया और 'रेवड़ी' (मुफ्त के उपहारों की) संस्कृति को हतोत्साहित करते हुए कहा कि हमारा मॉडल ऐसा होना चाहिए, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाये. योगी आदित्यनाथ लखनऊ में प्रोजेक्ट गंगा (विकास और उन्नति के लिए सरकारी सहायता प्राप्त नेटवर्क) की शुरुआत करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा,हमारा मॉडल ऐसा होना चाहिए, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए. सरकार पर उसकी निर्भरता न्यूनतम होनी चाहिए. 'रेवड़ी संस्कृति' के तहत सबकुछ बांटने के बजाय, अगर हम इसे आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएं, तो एक टिकाऊ मॉडल होगा. हमें उस टिकाऊ मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए काम करना होगा. उन्होंने कहा कि ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को न्याय पंचायतों तक ले जाना है. उन्होंने कहा, ग्राम पंचायतों में ब्रॉडबैंड सुविधा देने का मतलब है ग्राम पंचायतों को 'स्मार्ट विलेज' के रूप में विकसित करना. उत्तर प्रदेश राज्य ट्रांसफार्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार सिंह ने बताया, प्रोजेक्ट गंगा को शुरुआत में उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में लागू किया गया है.

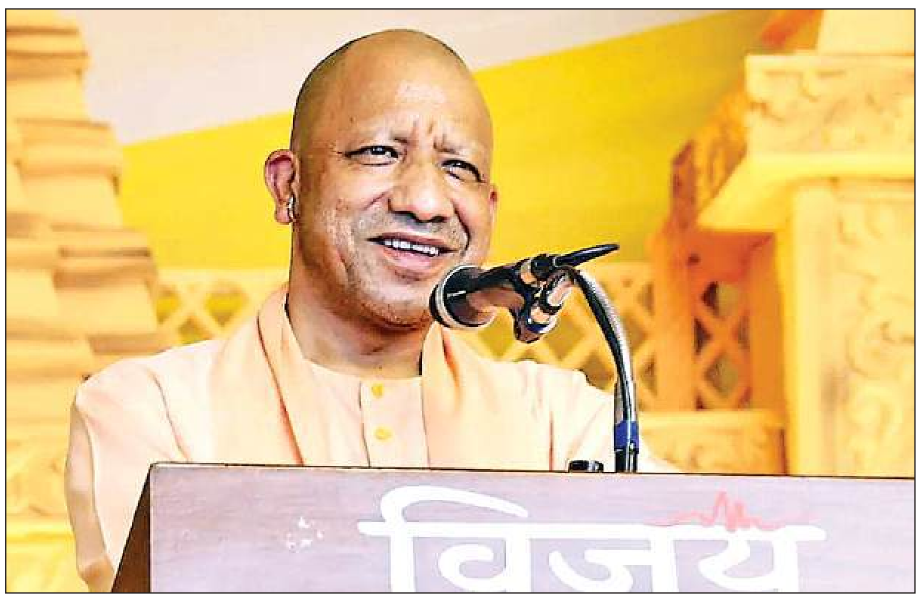

इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंटरनेट जितना तेज होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी. उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि ब्रॉडबैंड आज एक आवश्यकता है. इंटरनेट जितना तेज होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी और दिखाई देगी. लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन दिखाई देंगे. उन्होंने कहा, 2026-27 के बजट में हमने घोषणा की थी कि राज्य सरकार डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण से 8,000 डिजिटल उद्यमियों को आगे बढ़ाएगी. इसमें से 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी. मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट गंगा वह माध्यम बनेगा.

योगी आदित्यनाथ ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राज्य में डिजिटल उद्यमिता अभियान को नयी गति देने के लिए, 'प्रोजेक्ट गंगा' (ग्रोथ एंड एडवांसमेंट के लिए सरकारी सहायता प्राप्त नेटवर्क) की शुरुआत आज लखनऊ में की गई. उन्होंने कहा, यह अभिनव पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'डिजिटल इंडिया' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है, जो 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के लिए एक मजबूत नींव के रूप में कार्य करती है. मुख्यमंत्री ने पोस्ट में उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन,आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग और हिंदुजा समूह को भी धन्यवाद दिया और राज्य के लोगों को बधाई दी.

योगी आदित्यनाथ ने 20 मई को 'प्रोजेक्ट गंगा' की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया था कि डिजिटल उद्यमी के रूप में चयनित युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाए. अधिकारियों के अनुसार, प्रोजेक्ट गंगा का लक्ष्य ग्रामीण प्रदेश में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड संपर्क प्रदान करना और टेलीमेडिसिन, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास, ई-गवर्नेंस, डिजिटल रोजगार और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना है. परियोजना के तहत, 10,000 से अधिक युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता (डीएसपी) के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है, जिससे अनुमानित 50,000 प्रत्यक्ष और एक लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे.

इस परियोजना का लक्ष्य 20 लाख से अधिक घरों को फाइबर आधारित हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाओं से जोड़ना है. डीएसपी द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में 200 से 300 घरों के जोड़े जाने की उम्मीद है. योजना के तहत महिला उद्यमिता को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिसमें महिला उद्यमियों की लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी का लक्ष्य है.

मुजफ्फरपुर में 'किसान श्री' पुरस्कार विजेता की गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुरः बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में मंगलवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना बोचहा थाना क्षेत्र के सलहां गांव की है, जहां बाइक सवार बदमाशों ने किसान हरेराम चौधरी उर्फ राजू चौधरी को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. गंभीर रूप से घायल किसान को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे दो बाइक सवार अपराधी सलहां गांव स्थित राजू चौधरी की दुकान पर पहुंचे. दोनों हमलावर दुकान के भीतर घुसे और बिना किसी बातचीत के उन पर कई राउंड गोलियां चला दीं. गोली लगते ही राजू चौधरी दुकान में ही गिर पड़े. वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए.

गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के लोग, परिजन और खेतों में काम कर रहे मजदूर घटनास्थल पर पहुंचे. आनन-फानन में घायल किसान को इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

मृतक हरेराम चौधरी क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों में गिने जाते थे. कृषि क्षेत्र में उनके नवाचार और विशेष खेती तकनीकों के कारण उन्हें व्यापक पहचान मिली थी. उनके उत्कृष्ट कृषि कार्यों के लिए बिहार सरकार की ओर से उन्हें 'किसान श्री' सम्मान से सम्मानित किया गया था. इसके अलावा उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों भी सम्मान प्राप्त हुआ था. खेती के साथ-साथ वे गांव में किराना दुकान का भी संचालन करते थे.

घटना की सूचना मिलते ही बोचहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की. ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है.

मां की तेरहवीं के भोज को लेकर हुए झगड़े में व्यक्ति ने भाई की हत्या की

गोरखपुरः गोरखपुर जिले के पिपराइच इलाके के एक गांव में मंगलवार दोपहर दिवंगत मां की तेरहवीं के भोज को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर छोटे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पिपराइच थाना क्षेत्र के बड़की रेवती गांव निवासी कोमल शर्मा के बेटे शुभम शर्मा (23) के रूप में हुई है. सीने में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था. परिवार के सदस्य उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत लाया गया घोषित कर दिया.

पुलिस के अनुसार, भाइयों के बीच इस बात को लेकर मतभेद था कि मां की हाल ही में हुई मौत के बाद तेरहवीं के भोज का आयोजन कैसे किया जाए. जहां शुभम और उसका एक भाई

संयुक्त रूप से श्राद्ध कर्म आयोजित करने के पक्ष में थे, वहीं बड़ा भाई दुर्ग विजय शर्मा (40) और एक अन्य भाई कथित तौर पर अलग-अलग व्यवस्था चाहते थे. पुलिस के अनुसार मंगलवार को यह असहमति तीखी बहस में बदल गई. बहस के दौरान, दुर्ग विजय ने कथित तौर पर तमंचे से शुभम पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद परिवार और गांव में हड़कंप मच गया.

बिहार में फिर से पुलिस पर हमला, शराब माफियाओं ने 5 पुलिसकर्मियों को किया घायल

मुजफ्फरपुर : बिहार में एक बार फिर से पुलिस पर हमला हुआ है. मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र में शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर देर रात हमला कर दिया गया. दामोदरपुर गांव में छापेमारी के दौरान ग्रामीणों और असामाजिक तत्वों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया, जिसमें एक महिला सिपाही समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए. इस हमले में पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैली हुई है. पथराव में पुलिसकर्मी सन्नी कुमार, पुलकित कुमार, रामभरोस यादव और महिला सिपाही पुष्पा कुमारी समेत पांच जवान घायल हो गए.

फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

पटनाः फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित शिक्षक फैजल खान (खान सर) की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है. मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुपेश देव ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया. सोमवार को खान सर के वकील अरविंद कुमार महूआर के द्वारा कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गयी थी. इसके साथ ही गिरफ्तार दोनों सुरक्षा गार्ड की जमानत के लिए भी याचिका दायर की गयी थी.

शनिवार को खान सर के कोर्ट में सरेंडर करने की खबर आयी थी, लेकिन उन्होंने सरेंडर नहीं किया. उनके वकील अरविंद कुमार महूआर ने बताया था कि शनिवार को कोर्ट 1:30 बजे बंद हो गया, इसलिए अग्रिम जमानत याचिका दायर नहीं कर पाए. इसके बाद सोमवार को खान सर के वकील ने कोर्ट में अग्रिम जमानत

याचिका दायर की. सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था. मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है. अब इस मामले में अगली सुनवाई 30 जून को होगी.

दो जून की रात पटना के चर्चित खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ था. खान सर ने प्रतिद्वंद्वी कोचिंग ज्ञान बिंदु के संचालक पर हमला कराने और फायरिंग करने का आरोप लगाया था.

बिहार में उद्योग लगाना हुआ आसान, 30 दिनों में उद्योग लगाने को मिलेगी स्वीकृतिः मुख्यमंत्री

पटनाः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में बिहार को तीव्र औद्योगिक विकास, व्यापक रोजगार सृजन और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ऐतिहासिक निर्णय लिया गया. इसमें बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम, 2016 के अंतर्गत राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद सचिवालय को एकल नोडल एजेंसी के रूप में प्राधिकृत करते हुए उसे व्यापक प्रशासनिक एवं विधिक शक्तियां प्रदान करने की स्वीकृति दी गई.

इस बाबत मंगलवार को मुख्यमंत्री ने बयान जारी कर कहा कि बिहार में निवेशकों के लिए उद्योग लगाना आसान हुआ है. उन्हें सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि उद्योगों की स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान कर निवेशकों को अनावश्यक

विलंब तथा प्रशासनिक जटिलताओं से पूरी तरह मुक्ति मिले.

उन्होंने कहा कि अब राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षदसचिवालय द्वारा किसी आवेदन की तकनीकी जांच एवं अनुशंसा किए जाने के बाद संबंधित सक्षम प्राधिकार को 30 दिनों के भीतर अथवा निर्धारित समय-सीमा के अंदर स्वीकृति प्रदान करना अनिवार्य होगा. यह व्यवस्था केवल प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि विधिक रूप से बाध्यकारी होगी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई विभाग अथवा सक्षम प्राधिकार निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्णय लेने में विफल रहता है, तो निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद सचिवालय द्वारा 'डीम्ड क्लीयरेंस' जारी कर दिया जाएगा. इस स्वीकृति का अनुपालन संबंधित विभाग के लिए अनिवार्य होगा तथा उस पर पुनर्विचार की कोई शक्ति नहीं होगी.

नई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न तकनीकी एवं विनियामक विभागों के सक्षम अधिकारियों को सीधे डखझड सचिवालय में प्रतिनियुक्त किया जाएगा. ये सभी अधिकारी औद्योगिक विकास आयुक्त के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे, जिससे सभी निर्णय एक ही मंच पर त्वरित रूप से लिए जा सकेंगे. यह निर्णय राज्य को आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के लक्ष्य की ओर और अधिक गति प्रदान करेगा.

बिहार के मुख्यमंत्री ओछी राजनीति कर रहे हैं : तेजस्वी

पटनाः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से सरकारी आवास खाली कराने तथा उनके परिवार के कई सदस्यों की सुरक्षा में कटौती करने को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह ओछी राजनीति कर रहे हैं. यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार पर भ्रष्ट अधिकारियों और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है. तेजस्वी यादव ने पटना हवाई अड्डे पर संवाददाताओं द्वारा उनकी मां राबड़ी देवी के आवास को लेकर हालिया घटनाक्रम के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, मैं आप सबको बता दूं कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नहीं,

बल्कि चीप मंत्री हैं. मकान और हमारी सुरक्षा को लेकर उनकी बयानबाजी सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की सस्ती कोशिश है. उनकी सरकार भ्रष्टाचार के मामलों से घिरी हुई है और केवल खोखले दावों पर चल रही है.

उन्होंने सवाल किया, सरकार राबड़ी देवी को आवंटित आवास को किसी मंत्री को देने पर इतना जोर क्यों दे रही है? उन्हें यह बंगला पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते आवंटित किया गया था. क्या उनका वह दर्जा बदल सकता है? और मुझे अलग से आवास आवंटित किए जाने पर इतना हंगामा क्यों किया जा रहा है? मैं नेता प्रतिपक्ष हूं. क्या सरकार मुझ पर कोई एहसान कर रही है? तेजस्वी यादव ने मीडिया के एक वर्ग में आई उन खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिनमें कहा गया है कि राबड़ी देवी ने 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने पर सहमति दे दी है और वह अगले सप्ताह तक परिवार के निजी मकान में स्थानांतरित हो सकती हैं. उन्होंने हालांकि, राबड़ी देवी के आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को कथित तौर पर हटाए जाने के सवाल पर कहा, हम अपनी सुरक्षा के लिए सरकार पर निर्भर नहीं हैं. मुझे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की निष्ठा और साहस पर गर्व है, जो उनकी सुरक्षा के लिए वहां डटे हुए हैं.

वाराणसी में पेंटर ने खुद को गोली से उड़ाया, पुलिस छानबीन में जुटी

वाराणसीः उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के लंका थाना क्षेत्र के नगवा (गायत्री नगर) मोहल्ले में मंगलवार दोपहर एक 26 वर्षीय युवक ने अपने किराये के कमरे में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए . पुलिस ने शव को र पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है. मूल रूप से लंका क्षेत्र के डाफी टिकरी का निवासी सोनू यादव (26 वर्ष) नगवा के गायत्री नगर में एक किराये का कमरा लेकर रहता था और पेशे से पेंटर का काम करता था. मंगलवार दोपहर अचानक सोनू के कमरे से गोली चलने की आवाज आई. आवाज सुनकर जब मकान मालिक और आस-पास के लोग कमरे की तरफ भागे, तो अंदर का खौफनाक मंजर देखकर सन्न रह गए. सोनू लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था. मकान मालिक ने इसकी जानकारी लंका थाना पुलिस को दी. लंका थाने की पुलिस के साथ भेलूपुर एसीपी गौरव कुमार भी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए.

सीतामढ़ी में तूफान और बारिश से तबाही, मिट्टी के घर पर पीपल का पेड़ गिरने से माँ और चार बच्चों की मौत

सीतामढ़ीः बिहार में सोमवार देर रात आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने सीतामढ़ी जिले में एक परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया. रिगा प्रखंड के रेवासी गांव में एक कच्चे मकान पर विशाल पीपल का पेड़ गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल है. यह हादसा सोमवार देर रात करीब एक से दो बजे के बीच हुआ, जब परिवार के सभी सदस्य अपने घर में सो रहे थे. तेज आंधी के कारण मकान के समीप स्थित एक विशाल पीपल का पेड़ अचानक कच्चे घर पर गिर पड़ा. पेड़ गिरने से मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सो रहे परिवार के सदस्य मलबे में दब गए.

हादसे में पूजा देवी (28 वर्ष), उनके पुत्र राजकुमार (7 वर्ष), पुत्री शिवानी (5 वर्ष), वीरभद्र कुमार (2 वर्ष) तथा एक माह के शिशु लाइगर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मलबे

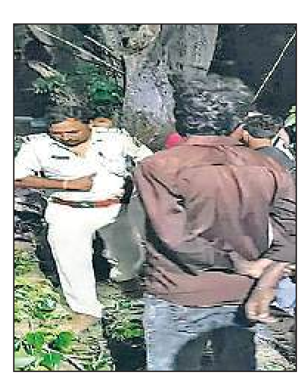

में दबे लोगों को बाहर निकाला. हालांकि, पूजा देवी समेत तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी. गंभीर रूप से घायल वीरभद्र कुमार को उपचार के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई. एक माह के मासूम लाइगर कुमार की भी जान नहीं बचाई जा सकी. इस प्रकार परिवार के पांच सदस्यों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई.

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा स्थिति का जायजा लिया. ग्रामीणों ने बताया कि तेज आंधी और बारिश के कारण क्षेत्र में कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे भी क्षतिग्रस्त हुए हैं, लेकिन रेवासी गांव में हुई यह घटना सबसे अधिक दर्दनाक रही. पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यह पूरी तरह प्राकृतिक आपदा से जुड़ी घटना है. प्रशासन पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है. अंचल अधिकारी (सीओ) और प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को आवश्यक कार्रवाई करने तथा क्षति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं.

डीएसपी ने बताया कि राज्य सरकार की आपदा राहत योजना के तहत मृतकों के परिजनों को निर्धारित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी. प्रशासनिक अधिकारियों ने भी पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि राहत एवं मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी.

बच्चा हुआ बीमार तो ओझा ने महिला को बताया डायन, ग्रामीणों ने खंभे से बांधकर पीटा

समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली तस्वीर सामने आई है. जिले के उजियारपुर में एक महिला को डायन बताकर खंभे से बांध दिया गया और फिर बेरहमी से उसकी पिटाई की गई. डायन के आरोप में महिला की पिटाई: घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. पीड़िता ने गांव के छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है. पीड़ित महिला का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद छोड़ भी दिया. फिलहाल पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा है. समस्तीपुर के उजियारपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में अंधविश्वास में एक महिला को डायन बताकर गांव के कुछ लोगों ने अमानवीयता की सारी हदें पार कर दी. पहले उसे घर से जबरन खींचकर बाहर निकाला और फिर उसे खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा. पीड़ित महिला के मुताबिक घटना 7 जून की सुबह की है.

एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार की घूस लेते दारोगा को रंगे हाथ दबोचा

बहराइचः एंटी करप्शन टीम देवीपाटन मण्डल की टीम ने मंगलवार की शाम को बहराच जिले के एक दारोगों को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया. यह पूरा मामला रिसिया थाने का है, जहां तैनात उपनिरीक्षक सुभाष चन्द्र चौहान शिकायतकर्ता राम हुकुम मौर्य को धारा न बढ़ाने और जेल न भेजने के एवज में पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे. पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से कर दी.

सोशल मीडिया पर एके-47 के साथ फर्जी वीडियो वायरल करने वाले दो गिरफ्तार

कटिहारः सोशल मीडिया पर झूठा रौब गांठने के लिए अत्याधुनिक हथियार एके-47 के साथ फर्जी तस्वीर और वीडियो वायरल करने के आरोप में कटिहार जिला पुलिस और एसटीएफ ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. इरफान और मो. मनोवर के रूप में हुई है. जांच में खुलासा हुआ है कि वायरल तस्वीर में दिख रहा हथियार असली नहीं था, बल्कि इसे एआई तकनीक की मदद से बनाया गया था. पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है.

पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि कर्मा टोला का एक व्यक्ति अपने सहयोगी के साथ सोशल मीडिया पर अवैध हथियार (एके-47) के साथ तस्वीरें और वीडियो वायरल कर रहा है.

मामले की गंभीरता को देखते हुए कटिहार के पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-02) और एसटीएफ को मिलाकर एक विशेष छापेमारी टीम (एसआईइटी) का गठन किया गया. इस टीम ने तकनीकी अनुसंधान और खुफिया सूचनाओं के आधार पर ग्राम-कर्मा टोला में विधिवत छापेमारी की और दोनों को धर दबोचा. गिरफ्तार आरोपियों में मो. इरफान (पिता-समरुद्दीन) और उसका सहयोगी मो. मनोवर (पिता- स्व. मो. रसूल) शामिल हैं. दोनों ग्राम- कर्मा टोला, पंचायत दक्षिणी सिमरिया टोला, थाना कोढ़ा (कोलासी कैंप), जिला कटिहार के निवासी हैं. पुलिस की कड़ी पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने इंटरनेट पर वायरल होने के लिए अवैध हथियार के साथ एआई द्वारा जनरेटेड इमेज और वीडियो बनाने की साजिश रची थी. इस मामले में पुलिस ने कोढ़ा (कोलासी कैंप) थाना कांड संख्या-180/26 के अंतर्गत आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है. पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी और डिजिटल तरीके से भी दहशत फैलाने की कोशिश करने वालों पर साइबर और स्थानीय पुलिस की पैनी नजर है और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बिहार के दो मोस्ट वांटेड अपराधियों का ऋषिकेश में एनकाउंटर, सुंदर यादव हत्याकांड के हैं आरोपी

सीतामढ़ी: बिहार के सीतामढ़ी के चर्चित सुंदर यादव हत्याकांड में फरार चल रहे दो मोस्ट वांटेड अपराधियों को उत्तराखंड में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है. बिहार पुलिस और उत्तराखंड की दून पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में वसीम और अकरम के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया. सीतामढ़ी जिले के नानपुर थाना क्षेत्र में हुए चर्चित सुंदर यादव हत्याकांड के दो मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी से पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. लंबे समय से फरार चल रहे वसीम और अकरम को उत्तराखंड के ऋषिकेश से गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तारी के दौरान दोनों ने भागने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई.

प्रेम विवाह से नाराज साले ने जीजा की दिनदहाड़े की हत्या पुलिस भर्ती परीक्षा देने आई बहन को घर ले जाने पर हुआ विवाद

सहारनपुरः उत्तर प्रदेश के जनपद सहारनपुर में प्रेम विवाह करने वाले 24 साल के युवक की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस के मुताबिक युवक अपनी पत्नी को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के लिए शामली से सहारनपुर आया था. परीक्षा खत्म होने के बाद युवक अपनी पत्नी के साथ कार से घर जाने लगा. इसी दौरान उसका साला मौके पर पहुंच गया और कार रुकवा ली. उसने अपनी बहन से घर चलने के लिए कहा, लेकिन बहन ने इनकार कर दिया. विवाद के दौरान साले ने मौका पाकर जीजा के सिर पर सटा कर गोली मार दी. गोली लगते ही युवक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित साला फरार हो गया.

थाना क्षेत्र रामपुर मनिहारान में हुई इस

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस के अनुसार पुलिस को बताया कि करीब चार महीने पहले शिव कुमार और आकांक्षा ने प्रेम विवाह किया था. इससे परिवार के लोग नाराज थे. मंगलवार को शामली जिले के बाबरी थाना क्षेत्र निवासी 24 वर्षीय शिव कुमार पुत्र शैलेश कुमार अपनी पत्नी आकांक्षा के साथ रामपुर मनिहारान स्थित गोचर इंटर कॉलेज में आयोजित यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में आया था. आकांक्षा परीक्षा देने केंद्र के अंदर गई थी, जबकि शिव कुमार बाहर मौजूद था.

सहारनपुर के पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल ने बताया मृतक की पत्नी आकांक्षा ने जानकारी दी है कि परीक्षा खत्म होने के बाद जब शिव कुमार के साथ था रही थी, उसी दौरान उसका भाई मंजीत वहां पहुंचा और शिव कुमार के सिर में सटाकर गोली मार दी. गोली लगते ही शिव कुमार गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा. आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

न्यूज कॉर्नर

टीसीएस में कर्मचारियों की संख्या के बराबर एआई एजेंट होंगे: एन चंद्रशेखरन

नयी दिल्ली: टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब टीसीएस के पास कर्मचारियों की संख्या के बराबर कृत्रिम मेधा (एआई) एजेंट होंगे.उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी की अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने की कोई योजना नहीं है. चंद्रशेखरन ने कंपनी की 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि टीसीएस आंतरिक परिचालन, समाधान रूपरेखा और ग्राहक के हिसाब से काम के लिए एआई एजेंट बनाने में निवेश कर रही है.उन्होंने कहा कि टीसीएस लोगों को नौकरी पर रखना जारी रखेगी. एक बार बदलाव हो जाने के बाद, एआई की दुनिया 'बहुत अधिक मौके' पैदा करेगी जिनके लिए नई प्रतिभा की जरूरत होगी.चंद्रशेखरन ने कहा, ''कंपनी में पांच लाख कर्मचारी हैं. वह दिन दूर नहीं जब कंपनी के पास पांच लाख एआई एजेंट होंगे.''उन्होंने कहा, ''कर्मचारियों की संख्या कम नहीं की जा रही है. ऐसी कोई योजना नहीं है. हम बस सही प्रतिभा चाहते हैं. हम एजेंट का इस्तेमाल करना चाहते हैं. और हमें बेहतरीन प्रतिभा को आकर्षित करने की जरूरत है. कर्मचारियों को जोड़ने की रफ्तार वैसी नहीं रहेगी जैसी पहले हुआ करती थी. अगर कंपनी के मानव संसाधन विभाग के पास बढ़ी संख्या में प्रतिभा को नियुक्त करने की क्षमता का कोई पैमाना था, तो वह पैमाना खत्म हो जाएगा.''चेयरमैन ने कहा कि कंपनी के कर्मचारी और एआई एजेंट मिलकर काम करेंगे और यही भविष्य होगा.

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली: इस्पात कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील का मई में कच्चे इस्पात का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 22.93 लाख टन हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 19.96 लाख टन था. सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उत्पादन में यह बढ़ोतरी डोलवी संयंत्र के पूर्ण संचालन और जेएसडब्ल्यू विजयनगर मेटेलिक्स लिमिटेड (जेवीएमएल) के पूरी तरह चालू होने के कारण हुई है.जेएसडब्ल्यू स्टील के पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेवीएमएल का संचालन अब पूरी क्षमता के साथ हो रहा है. वहीं, विजयनगर स्थित ब्लास्ट फर्नेस-3 क्षमता उन्नयन के लिए बंद है और इसके जून के दूसरे पखवाड़े में फिर से शुरू होने की संभावना है.कंपनी ने कहा कि भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग ब्लास्ट फर्नेस-3 को छोड़कर 98 प्रतिशत और उसे शामिल करने पर 87 प्रतिशत रहा.मई महीने में भारतीय परिचालन का उत्पादन 21.98 लाख टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है.इस दौरान अमेरिका स्थित जेएसडब्ल्यू स्टील यूएसए-ओहियो का भी उत्पादन 20 प्रतिशत बढ़कर 95 हजार टन रहा.

असम की मशहूर जीआई टैग तेजपुर लीची की पहली खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई

नई दिल्ली: असम की भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त प्रसिद्ध तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई है. इस पहल से किसानों को बेहतर बाजार और अच्छे दाम मिलने की उम्मीद है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलने का रास्ता भी मजबूत हुआ है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने 7 जून को जीआई-टैग वाली तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप असम से दुबई के लिए रवाना की है. ये उत्तर पूर्वी क्षेत्र के कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच के विस्तार में एक बड़ी उपलब्धि है. मंत्रालय ने बताया कि एक मीट्रिक टन की इस खेप में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग वाली तेजपुर लीची शामिल थी, जो असम के सबसे प्रसिद्ध बागवानी उत्पादों में से एक है. यह लीची अपनी असाधारण मिठास, चमकीले लाल रंग, विशिष्ट सुगंध और उत्कृष्ट स्वाद के लिए प्रसिद्ध है. इस क्षेत्र में बॉम्बेया, बिलाती, इलायची, पियाजी और साही सहित कई उल्लेखनीय किस्में उगाई जाती हैं, जो अपने बेहतर स्वाद और गुणवत्ता के लिए सराही जाती हैं.केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा कि असम की प्रसिद्ध जीआई-टैग प्राप्त तेजपुर लीची अब विदेशी बाजारों में अपनी मिठास बिखेर रही है.

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर आधारित लोन दर 0.10 फीसदी तक बढ़ाई

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है. दो साल की अवधि वाले कर्ज पर अब यह दर 8.45 फीसदी से बढ़कर 8.55 फीसदी हो गई है. नई दरें 8 जून से प्रभावी हो गई हैं.बैंक ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि बैंक के इस कदम का सीधा असर उन उधारकर्ताओं की ईएमआई पर पड़ेगा, जिनके लोन एमसीएलआर सिस्टम से जुड़े हैं. इसी तरह वाहन, आवास एवं व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों के लिए मानक माना जाने वाला एक वर्षीय एमसीएलआर 0.05 फीसदी बढ़कर अब 8.40 फीसदी हो गया है. इसके अलावा 24 घंटे, तीन महीने, छह महीने और तीन साल की अवधि वाले कर्ज की दरों में भी 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है. एमसीएलआर वह आधार दर होती है, जिस पर बैंक अपने अधिकांश कर्जों की ब्याज दर तय करते हैं. इस फैसले का असर ग्राहकों के आवासीय ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋण की मासिक किस्तों पर पड़ सकता है. एचडीएफसी बैंक का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर रेपो रेट में लगातार दूसरी बार कोई बदलाव नहीं किया. फिलहाल रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर बनी हुई है.

मारुति की छोटी कारों के लिए कीमत सुरक्षा योजना, 14 जून तक बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को होगा लाभ

नयी दिल्ली: देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को अपनी छोटी कारों के लिए 'कीमत सुरक्षा योजना' की घोषणा की है. इस योजना के तहत ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसे मॉडल की कीमतों को सुरक्षित किया गया है, जिससे ग्राहकों को संभावित मूल्य वृद्धि का असर नहीं झेलना पड़ेगा.मारुति सुजुकी ने इस महीने से सभी मॉडल पर कीमतों में 30,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की घोषणा मई में की थी. अब कीमत सुरक्षा योजना के तहत कंपनी ने कहा कि उसकी छोटी कार की कीमतें 14 जून, 2026 तक की गई सभी बुकिंग के लिए अपरिवर्तित रहेंगी.मारुति सुजुकी इंडिया के विपणन एवं बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने कहा, ''हमारे चैनल भागीदारों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर, हमने यह कीमत सुरक्षा योजना की घोषणा की है. उनका अनुरोध सीधा था: जो ग्राहक कार खरीदने का साहस दिखा रहे हैं, उन्हें कीमत में बढ़ोतरी के बाद पीछे न हटना पड़े. इसलिए, हम छोटे कार खरीदारों के लिए इस योजना पर निर्णय लिया. अगर आप बुकिंग करते हैं, तो हम आपको कुछ राहत देंगे.''कंपनी ने कहा कि यह योजना ग्राहकों के लिए किफायती विकल्पों को सुरक्षित रखने के लिए शुरू की गई है और वह भी खासकर ऐसे समय में जब मुद्रास्फीतिक दबाव तथा प्रतिकूल लागत वातावरण के बीच वाहनों की कीमतों में वृद्धि होने के आसार हैं.

सार्वजनिक खरीद क्षमता बढ़ाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है जीईएम : सीईओ

नयी दिल्ली: सरकार के ई-मार्केटप्लेस मंच जीईएम ने सार्वजनिक खरीद में क्षमता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा -आधारित टूल, आधुनिक विश्लेषण तरीकों और डिजिटल निगरानी प्रणाली का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी.गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने यह भी कहा कि इस मंच ने सार्वजनिक खरीद को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाकर सरकारी खजाने की लगभग आठ प्रतिशत धनराशि बचत करने में मदद की है.उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह मंच खरीद प्रक्रियाओं में क्षमता, जवाबदेही और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कृत्रिम मेधा, आधुनिक विश्लेषण तरीकों, डिजिटल निगरानी प्रणाली और पारदर्शी नीलामी प्रक्रियाओं का इस्तेमाल कर रहा है.''उन्होंने आगे कहा कि कृत्रिम मेधा-एमएल (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - मशीन लर्निंग) के इस्तेमाल से मंच को कीमतों के मामले में अधिक पारदर्शिता लाने में मदद मिल रही है.जीईएम के ज़रिये वित्त वर्ष 2025-26 में 5.03 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.4 प्रतिशत कम है.यह पोर्टल नौ अगस्त, 2016 को सभी केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों द्वारा सामान और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए शुरु किया गया था.

मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों को एक दिन में 5.35 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली: इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीद तथा कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा. आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी. दिन के पहले सत्र के कारोबार में आईटी सेक्टर में हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए. दोपहर 11:30 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे ये दोनों सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंच गए. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए.

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए. बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज जम कर खरीदारी होती रही. इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी हरे निशान में बंद हुए. दूसरी ओर, आईटी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार बिकवाली के वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 0.48 प्रतिशत और बीएसई का टेक इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.75 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.40 लाख करोड़ रुपये था. इस

तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.35 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,398 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,782 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,423 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 193 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,975 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 2,151 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 824 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी. लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11:30 बजे तक यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 600 अंक से अधिक टूट कर 98.08 अंक की कमजोरी के साथ 73,426.18 अंक के स्तर तक गिर गया. इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा. दूसरे सत्र में लगातार हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से लगभग 500 अंक की रिकवरी कर 394.50 अंक की तेजी के साथ 73,918.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ.सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 136.05 अंक उछल कर 23,259.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलने के बाद आईटी सेक्टर में लगातार हो रही बिकवाली की वजह से इस सूचकांक की चाल भी कमजोर पड़ गई. लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 150 अंक से अधिक लुढ़क कर 18.55 अंक की कमजोरी के साथ 23,104.45 अंक के स्तर तक आ गया.

इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल में सुधार होने लगा. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से करीब 175 अंक की रिकवरी कर 156.40 अंक की मजबूती के साथ 23,279.40 अंक तक आ गया. अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 35 अंक से अधिक फिसल कर 119.10 अंक की तेजी के साथ 23,242.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ.आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन 4.08 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल 2.34 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 2.17 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 2.11 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, ओएनजीसी 2.13 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 2.09 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.86 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.58 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

कोष की हेराफेरी की बात गलत, सेबी ने लेखांकन प्रविष्टि को गलत समझा: राजेश एक्सपोर्ट्स संस्थापक

नयी दिल्ली: राजेश एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन राजेश मेहता ने मंगलवार को अपनी अनुषंगी एसीसी एनर्जी और प्रवर्तक के नियंत्रण वाली एलेस्ट लि. में कोष की हेराफेरी की बात से इनकार किया. उन्होंने कहा कि सेबी लेखांकन में प्रविष्टि को समझ नहीं पाया है. उन्होंने कहा कि इन सब चीजों से कंपनी को 18,100 करोड़ रुपये की एसीसी (अत्याधुनिक रसायनिक सेल) उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना से बाहर किए जाने का जोखिम है.राजेश एक्सपोर्ट्स के संस्थापक मेहता ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''सबसे पहले, सेबी ने कुछ बातें उठाई हैं. उन्हें सबसे पहले सही जगह पर रखना होगा. दूसरी बात, कोष की कोई हेराफेरी नहीं हुई है. वे लेखांकन प्रविष्टि को समझ नहीं पाए हैं.''

उन्होंने कहा कि कंपनी चीजें स्पष्ट करने के लिए तैयार है.भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के तीन जून के अंतरिम आदेश में एसीसी एनर्जी स्टोरेज और प्रवर्तक के नियंत्रण वाली एलेस्ट प्राइवेट लि. के बीच कोष की हेराफेरी का जिक्र किया गया था.

एलेस्ट ने जनवरी, 2025 में एसीसी एनर्जी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के बाद, उसने अनुषंगी इकाई को 147 करोड़ रुपये दिए. उसने उसी दिन 112 करोड़ रुपये वापस कर दिए. एसीसी एनर्जी स्टोरेज ने मूल्यांकन की जानकारी दिए बिना एलेस्ट में 262 करोड़ रुपये का निवेश भी किया.

आदेश के अनुसार, कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने माना कि उन्हें इन लेन-देन के बारे में जानकारी नहीं थी.सेबी ने निष्कर्ष निकाला कि 'क्रॉस-होल्डिंग' यानी दो कंपनियों की आपस में हिस्सेदारी की व्यवस्था ने एसीसी एनर्जी में राजेश एक्सपोर्ट्स की हिस्सेदारी को 100 प्रतिशत से घटाकर 51.05 प्रतिशत कर दिया और 48.95 प्रतिशत हिस्सेदारी एलेस्ट को हस्तांतरित कर दी गयी. इसे निवेशकों को गुमराह करने के लिए एक तरीका माना गया. इससे संबंधित-पक्षों के बारे में जानकारी देने के नियमों का उल्लंघन हुआ और धोखाधड़ी वाले व्यापारिक तरीके अपनाए गए.

एसीसी एनर्जी-एलेस्ट में गड़बड़ी सेबी के 109 पृष्ठ के उस आदेश का हिस्सा है जिसमें वित्त वर्ष 2020-21 और वित्त वर्ष 2024-25 के बीच अनुषंगी की आय की गलत जानकारी देने का आरोप लगाया गया है. यह गलत सूचना ऐसी कुल आय का 99.8 प्रतिशत है यानी 15.15 लाख करोड़ रुपये बैठती है.

नियामक ने मेहता को राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में कारोबार करने से रोक दिया है और फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया है.इन आरोपों की वजह से 18,100 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक रसायनिक सेल उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में कंपनी की भागीदारी पर भी खतरा मंडरा रहा है.भारी उद्योग मंत्रालय स्थिति की समीक्षा कर रहा है और कंपनी को बैटरी बनाने के मुख्य कार्यक्रम से अयोग्य घोषित करने के बारे में अंतिम निर्णय लेने की तैयारी कर रहा है.मेहता ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन परियोजना के बारे में कहा कि इसे लागू करने में 'काफी अच्छी प्रगति' हुई है और कंपनी ने अनुसंधान एवं विकास में देरी का हवाला देते हुए एक साल का समय और मांगा है.

एनएलसी इंडिया में तीन फीसदी हिस्सेदारी बेच रही सरकार, फ्लोर प्राइस 303 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने मंगलवार को अपनी नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड में 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) के जरिए तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है. इसके लिए प्रति शेयर 303 रुपये का फ्लोर प्राइस तय किया गया है.कंपनी के मुताबिक ये बिक्री पेशकश (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए आज खुल रही है, जबकि खुदरा निवेशकों के लिए यह बुधवार को उपलब्ध होगी. एनएलसी इंडिया के शेयर की बिक्री 303 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की जाएगी. यह सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 335.65 रुपये प्रति शेयर के बंद भाव से 9.73 फीसदी कम है.निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट पर लिखा कि भारत सरकार एनएलसी इंडिया लिमिटिड में बिक्री पेशकश के माध्यम से मूल रूप से दो फीसदी हिस्सेदारी बेचने की घोषणा करती है.दीपम सचिव ने बताया कि अधिक बोली आने की स्थिति में एक फीसदी 'ग्रीन शू' विकल्प यानी अपने पास रखने का भी विकल्प रखा है. चावला ने कहा कि मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन, लगातार रिटर्न और आकर्षक लाभांश के साथ, एनएलसी दीर्घकालिक निवेश का एक आकर्षक अवसर प्रदान करती है.केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर 12,166 करोड़ रुपये जुटाए हैं. इनमें कोल इंडिया से 5,542 करोड़ रुपये, एनएचपीसी से 4,357 करोड़ रुपये और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से 2.27 करोड़ रुपये शामिल है.

जेप्टो के सह-संस्थापकों को अप्रैल में ईडी से मिला था समन: मसौदा दस्तावेज

नयी दिल्ली: क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपने सह-संस्थापकों आदित पलिचा और कैवल्य वोहरा को इस वर्ष अप्रैल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से समन मिलने की जानकारी अपने अद्यतन मसौदा दस्तावेज में दी है.कंपनी के अनुसार, यह समन विदेशी निवेश, वित्तीय लेन-देन और कंपनी के कारोबार से जुड़े दस्तावेजों और जानकारी के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही कार्रवाई के संबंध में जारी किया गया था.

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की मंजूरी के लिए सेबी के समक्ष दाखिल मसौदा दस्तावेज में बताया गया है कि ईडी ने विदेशी निवेश, वित्तीय विवरण, शेयरधारिता रुझान, ऋण एवं गारंटी, आयकर रिटर्न, बैंक खातों, अचल संपत्तियों और कंपनी के कारोबारी मॉडल से जुड़े विवरण मांगे थे.कंपनी के सह-संस्थापकों को ये समन आठ अप्रैल, 2026 को जारी कर जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होकर दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया था.

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है. भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के सर्राफा बाजार में सोना आज 950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया. वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई. इसी तरह चांदी भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गई.

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

भारत के रिटेल निवेशक विस्तार को खामोशी से रफ्तार दे रहा है राजस्थान : एनएसई

मुंबई: राजस्थान भले ही बड़े राज्यों की तरह सुर्खियों में न रहता हो, लेकिन यह भारत में नए निवेशकों की संख्या बढ़ाने में लगभग आधी हिस्सेदारी रख रहा है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने मंगलवार को आंकड़ों के जरिये बताया कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित शीर्ष राज्यों ने नए निवेशक पंजीकरणों (रजिस्ट्रेशन) में लगभग 49 फीसदी का योगदान दिया है. यह भारत के पूंजी बाजार (कैपिटल मार्केट) के विस्तार की कहानी में राजस्थान के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है.

राजस्थान में वित्तीय बाजार के निवेशकों की संख्या में यह उछाल जयपुर, जोधपुर और कोटा जैसे अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) जिलों में बढ़ते वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इनक्लूजन) पर टिका हुआ है. पहली बार निवेश करने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), ईटीएफ और डायरेक्ट स्टॉक्स के जरिए इक्विटी मार्केट में कदम रख रही है. राज्य का यह उभार एक व्यापक भौगोलिक विविधीकरण (ज्योग्राफिक डाइवर्सिफिकेशन) को दर्शाता है, जिसमें छोटे राज्य लगातार निवेशक आधार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं.

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस स्मार्ट मीटर कंपनी इंटेलिस्मार्ट का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी

नयी दिल्ली: निजी क्षेत्र की प्रमुख बिजली पारेषण कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लि. ने 3,050 करोड़ रुपये में स्मार्ट मीटर कंपनी इंटेलिस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लि. में शत-प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर खरीद समझौता किया है. स्मार्ट मीटर के क्षेत्र में अग्रणी इंटेलिस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की एक संयुक्त उद्यम है.अदाणी एनर्जी ने मंगलवार को बयान में कहा कि कंपनी ने इंटेलिस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक पक्का समझौता किया है.इस प्रस्तावित अधिग्रहण से अदाणी एनर्जी सोल्यूशंस लि. की स्थिति और मजबूत होगी और यह 4.7 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटर के साथ देश की सबसे बड़ा स्मार्ट मीटर कंपनी बन जाएगी.

बयान के अनुसार 3,050 करोड़ रुपये के इस प्रस्तावित सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत इक्विटी शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद इंटेलिस्मार्ट के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर का भुगतान शामिल है.यह सौदा नियामकीय और अन्य जरूरी मंजूरियों पर निर्भर है.इंटेलिस्मार्ट स्मार्ट मीटर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है. कंपनी ने उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार

और असम में कुल 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटर लगाये हैं.

तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में इंटेलिस्मार्ट की मौजूदगी भविष्य में विस्तार के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है.एईएसएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कंदर्प पटेल ने बयान में कहा, ''इंटेलिस्मार्ट के अधिग्रहण से हमारा दायरा और काम करने की क्षमता बढ़ जाएगी. इससे हम प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के जरिये भारत के बिजली वितरण के आधुनिकीकरण में मदद कर सकते हैं.''कंपनी के अनुसार, इस अधिग्रहण से बड़े पैमाने पर काम करने का लाभ, परिचालन और रखरखाव की लागत को बेहतर बनाने और एईएसएल के व्यापक ऊर्जा और बुनियादी ढांचा मंच के साथ एकीकरण से फायदे मिलेंगे. इंटेलिस्मार्ट के प्रबंध निदेशक और सीईओ अनिल रावल ने कहा, ''कंपनी को इस अहम सौदे का हिस्सा बनने पर गर्व है. कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजित किया है.''

फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी किया

नई दिल्ली: वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है. एजेंसी ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण अपने पिछले अनुमान से 0.3 फीसदी की कटौती की है.

रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को जून की जारी अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर धीमी रह सकती है, लेकिन घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा. फिच रेटिंग्स ने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.4 फीसदी रह जाएगी, जो मार्च के अनुमान से 0.3 फीसदी कम है. रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य आधार बनी रहेगी और वास्तविक संदर्भ में आयात कम होने से शुद्ध बाहरी मांग इस वृद्धि में सकारात्मक योगदान देगी.रिपोर्ट के मुताबिक उच्च मुद्रास्फीति और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से वास्तविक आय पर दबाव बढ़ेगा, जिससे उपभोक्ता खर्च प्रभावित होगा. यह प्रभाव विशेष रूप से वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही में ज्यादा दिखाई देगा. रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और इसका असर भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है. फिच ने ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत के अनुमान को बढ़ाकर 87 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 70 डॉलर प्रति बैरल था. इसके साथ ही पश्चिम एशिया संकट की वजह से 14 सप्ताह से बंद होर्मुज जलडमरूमध्य के जुलाई तक बंद रहने का ही अनुमान लगाया गया है.

हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस संकट के बावजूद भारत में महंगाई अभी ज्यादा नहीं बढ़ी है, लेकिन इस पर दबाव बढ़ रहा है. अप्रैल में थोक महंगाई दर 8.3 फीसदी और खुदरा महंगाठ दर 3.5 फीसदी रही. फिच रेटिंग ने अनुमान जताया कि साल के अंत तक महंगाई बढ़कर 5.3 फीसदी तक जा सकती है. इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी, आधार प्रभाव और संभावित कमजोर मानसून है.रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6 फीसदी रखा है. सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 7.7 फीसदी की दर से बढ़ी है.

कमजोर डॉलर की वजह से सोना 1,500 रुपये मजबूत, चांदी स्थिर

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को कमजोर डॉलर और धारणा में सुधार के कारण सोने की कीमतों में 1,500 रुपये की मजबूती देखी गई और यह फिर से 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के पार पहुंच गया.स्थानीय बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 1,500 रुपये बढ़कर 1,60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई.यह बढ़त तब हुई जब वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें कम थीं. जानकारों का मानना है कि घरेलू कीमतों में यह उछाल कमजोर डॉलर और निवेशकों की नई दिलचस्पी के कारण आया है.एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस), सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को सोने की कीमतों में उछाल आया, जिसे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और कमजोर डॉलर व बॉन्ड प्रतिफल में आई गिरावट से सहारा मिला.'' हालांकि, चांदी की कीमतें 2,55,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहीं.उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के एक-दूसरे पर हमले रोकने पर सहमत होने के बाद बाजार का मूड सुधरा, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों से औपचारिक युद्धविराम की दिशा में प्रगति के संकेत मिले, जिससे इस विवाद के कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें बढ़ीं. गांधी ने कहा, ''भू-राजनीतिक तनाव कम होने से ऊर्जा की वजह से होने वाली महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुईं, जिससे हालिया गिरावट के बाद कीमती धातुओं को सहारा मिला.''गांधी ने कहा, ''हालांकि, सुधार सीमित रहा क्योंकि निवेशक अमेरिकी मौद्रिक नीति के भविष्य पर विचार करते रहे.''

अरशद खान ने 49वें ओवर में पलटा मैच, भारत ए ने श्रीलंका ए पर दर्ज की रोमांचक जीत

दांबुला: जब जीत श्रीलंका ए की मुट्ठी में दिखाई दे रही थी, तभी भारतीय गेंदबाजों ने अविश्वसनीय वापसी करते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया. आखिरी दो ओवरों में श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 रन चाहिए थे और उसके हाथ में चार विकेट थे, लेकिन टीम ने उसी दौरान अंतिम तीन विकेट गंवा दिए. अरशद खान ने पहले विजयकांत वियासकांत को पगबाधा आउट किया, फिर मोहम्मद शिराज को गहरे क्षेत्र में कैच कराया, जबकि बीच में नॉन-स्ट्राइकर छोर पर 16 गेंदों में 23 रन बनाकर खेल रहे वानुजा सहान रन आउट हो गए. इस नाटकीय अंत के साथ भारत ए ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने पहले मुकाबले में श्रीलंका ए को 8 रन से हरा दिया. भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए. सारी निगाहें युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर थीं, जिन्होंने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर शुरुआत की, लेकिन जल्द ही आउट हो गए. इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रियांश आर्य ने पारी संभाली. आर्य 53 रन की साझेदारी के दौरान रन आउट हुए. कप्तान तिलक वर्मा ने शुरुआत में धीमी बल्लेबाजी की लेकिन बाद में लय पकड़ी और अर्धशतक पूरा किया. दूसरी ओर ऋतुराज गायकवाड़ ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जमाया. अंत में आयुष बदोनी और सूर्यांश शेडगे की तेज बल्लेबाजी ने भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. गायकवाड़ ने 101 रन बनाए जबकि तिलक वर्मा ने 60 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली. 278 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ए ने तेज शुरुआत की. निरोशन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़कर भारत पर दबाव बना दिया. हालांकि आयुष बदोनी ने लगातार दो विकेट लेकर भारत की वापसी कराई. इसके बाद विप्राज निगम और अनुकूल रॉय ने भी महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं. सहान अरचिगे ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 74 रन बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया. लेकिन 48वें ओवर में अंशुल कंबोज ने उन्हें बोल्ड कर भारत को मैच में वापस ला दिया. इसके बाद आखिरी दो ओवरों का नाटक शुरू हुआ. श्रीलंका ए को केवल 10 रन चाहिए थे लेकिन भारतीय गेंदबाजों और फील्डरों ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार विकेट निकाले और मुकाबला भारत ए की झोली में डाल दिया. यह जीत भारत ए के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि लगभग हार चुके मुकाबले को टीम ने अंतिम क्षणों में जीत में बदल दिया.

मोहम्मद सिराज को आराम की सलाह, आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए कृष्णा टीम में शामिल

मुंबई: भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को बताया कि मोहम्मद सिराज को काम के बोझ के प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है और आयरलैंड तथा इंग्लैंड के दौरों के लिए उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया गया है. बीसीसीआई ने इस कदम को 'एहतियाती उपाय' बताया है जिससे कि लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले वह पूरी तरह से उबर सकें. सिराज को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः दो और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में चुना गया था लेकिन जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए वह टीम का हिस्सा नहीं थे. बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत की टीम से हटा दिया गया है.''बयान के अनुसार, ''बीसीसीआई की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच चर्चा के बाद सिराज को उनके काम के बोझ के प्रबंधन के तहत आराम करने की सलाह दी गई है.'' बीसीसीआई ने कहा, ''यह फैसला एहतियाती उपाय के तौर पर लिया गया है जिससे कि लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले उन्हें ठीक होने का पूरा समय मिल सके. पुरुष चयन समिति ने दोनों टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए सिराज की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया है.'' सिराज को टी20 विश्व कप के लिए भी भारतीय टीम में देर से शामिल किया गया था जबकि उन्होंने आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए सभी 17 मैच खेले और 19 विकेट लिए. दाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा थे जो सोमवार को तीन दिन के अंदर ही खत्म हो गया था. **आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों के लिए अपडेट टीम:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा.

सृष्टि किरण अंडर-13 टेनिस में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली खिलाड़ी बनीं

बेंगलुरु: भारत की प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ी सृष्टि किरण ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अंडर-13 आयु वर्ग में सर्वोच्च रैंकिंग प्राप्त कर ली है. अपनी अंतरराष्ट्रीय जूनियर टेनिस यात्रा में तेजी से आगे बढ़ते हुए बेंगलुरु की 13 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार पांच आईटीएफ जूनियर खिताब जीते और पिछले सप्ताह आईटीएफ विश्व टेनिस टूर जूनियर जे100 ग्वाटेमाला में उपविजेता रहीं. सृष्टि ने अपनी शानदार खेल क्षमता और निरंतर सफलता के बल पर करियर की सर्वश्रेष्ठ आईटीएफ जूनियर रैंकिंग (नंबर 357) हासिल की. वह इससे अंडर-13 श्रेणी में विश्व की सर्वोच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गईं. सृष्टि ने केवल आठ रैंकिंग टूर्नामेंटों में भाग लिया है, जबकि रैंकिंग अधिकतम 10 टूर्नामेंटों के आधार पर तय की जाती है. उन्होंने दो टूर्नामेंट आर्थिक और 'लॉजिस्टिक' कारणों से नहीं खेले, फिर भी सीमित अवसरों के बावजूद अपनी आयु वर्ग के खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया. सृष्टि ने इस उपलब्धि पर कहा, मैं अपनी आयु वर्ग में विश्व नंबर एक बनकर बहुत खुश हूं. वर्ष की शुरुआत में मैंने इसके बारे में नहीं सोचा था, लेकिन मेरे कोच, परिवार और सहयोगी टीम की मेहनत का परिणाम मिल रहा है. उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए पिछले कुछ सप्ताह बहुत खास रहे. लगातार पांच खिताब जीतना और फिर एक और फाइनल तक पहुंचना मेरे आत्मविश्वास के लिए बहुत अच्छा रहा. लेकिन मुझे पता है कि अभी बहुत आगे जाना है और अपने खेल में कई सुधार करने हैं.

वनडे विश्व कप जीत से बढ़ा आत्मविश्वास, टी20 खिताब के लिए हैं तैयार हैं : जेमिमा

नयी दिल्ली: भारत की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना है कि पिछले वर्ष महिला एकदिवसीय विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और इसी वजह से आगामी महिला टी20 विश्व कप में भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है. महिला टी20 विश्व कप 12 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रहा है. भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत रविवार को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी. पिछली बार 2024 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर न्यूजीलैंड चैंपियन बना था. भारत को ग्रुप-ए में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है. इस ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. जेमिमा ने 'जियोस्टार' के 'चैंपियंस हडल' कार्यक्रम में कहा, ''हर कोई उसकी (एकदिवसीय विश्व कप जीत) सफलता का हिस्सा था. सभी जानते हैं कि दबाव कैसा होता है और हर कोई यह भी जानता है कि हमने एक बार यह कर दिखाया है और दोबारा भी कर सकते हैं. सभी में यह भरोसा है.'' उन्होंने कहा, ''एक बार खिताब जीतने के बाद टीम की भूख और बढ़ जाती है तथा अब लक्ष्य सिर्फ एक नहीं, बल्कि कई ट्रॉफियां जीतना है. हम जहां भी जाते हैं, हमारे प्रशंसक हमारा भरपूर समर्थन करते हैं और खिलाड़ियों को हमेशा घर जैसा माहौल मिलता है. इसी वजह से मुझे पूरा विश्वास है कि भारत इस विश्व कप का मजबूत दावेदार है.'' यह 25 वर्षीय बल्लेबाज पिछले साल भारत की ऐतिहासिक पहली महिला वनडे विश्व कप जीत की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल थीं. उन्होंने कहा, ''पहले टीम केवल सफलता की कल्पना करती थी, लेकिन अब हमने उसे हासिल कर लिया है. इससे हमारा विश्वास और मजबूत हुआ है कि हम इसे दोबारा भी हासिल कर सकते हैं. 2025 विश्व कप जीतने वाली टीम के इतने सारे सदस्यों का इस टीम में होना बहुत अच्छा है. साथ ही कुछ युवा खिलाड़ी भी शामिल हुए हैं. मुझे लगता है कि यह सकारात्मक ऊर्जा उन पर भी असर डालेगी. हर कोई अपने अनुभव साझा करेगा.'' भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वनडे विश्व कप की जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब उन्हें भरोसा है कि वे अन्य वैश्विक टूर्नामेंट भी जीत सकती हैं. उन्होंने कहा, ''हां, बिल्कुल. मुझे लगता है कि हर कोई मुझसे सहमत होगा कि पहला वनडे विश्व कप जीतने के बाद हमारी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है. उम्मीद है कि हम ट्रॉफियां जीतने का यह सिलसिला जारी रखेंगे.'' उन्होंने कहा, ''एक कप्तान के तौर पर मैं यही चाहती हूं और मुझे लगता है कि हमारी टीम में हर कोई यही सपना देख रहा है. उम्मीद है कि हम इसी दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे.'' मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम जीत को अपनी आदत बनाना चाहती है. उन्होंने कहा, ''हर टूर्नामेंट में दबाव होता है और खिलाड़ी इसके आदी हो चुके हैं. वे लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं. हम पहली बार एकदिवसीय विश्व कप चैंपियन के तौर पर मैदान में उतरेंगे.'' उन्होंने कहा, ''जीतना एक आदत है. पिछले तीन वर्षों में हमने हर श्रृंखला जीतने और प्रत्येक श्रृंखला को पूरा महत्व देने की कोशिश की है.'' उन्होंने कहा, ''लगातार श्रृंखलाएं जीतते रहने से सफलता टीम की आदत बन जाती है. पिछले एक महीने से खिलाड़ी इसी उद्देश्य को लेकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं. मैंने किसी भी टीम (चाहे वह पुरुषों की हो या महिलाओं की) को किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए इतनी लगन, मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ काम करते हुए नहीं देखा है.''

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन

सनीथ दयानंद ने मुख्य ड्रॉ में की एंट्री, सिंधू करेंगी भारत की अगुवाई

सिडनीः भारत के सनीथ दयानंद ने मंगलवार को यहां अपने क्वालीफाइंग मुकाबले जीतकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली. क्वालीफाइंग दौर में चौथी वरीयता प्राप्त दयानंद ने पहले स्थानीय खिलाड़ी कारोनो को 21-17, 21-15 से आसानी से हराया और फिर मलेशिया के मिंग होंग लिम को 21-9, 21-16 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की की. मुख्य ड्रॉ में सनीथ को पहले दौर में चीन के हू झे आन से भिड़ना है. मनराज सिंह हालांकि अपने दूसरे क्वालीफिकेशन मैच में मलेशिया के इओजीन इवे के खिलाफ 11-21, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए. पुरुष युगल मुख्य ड्रॉ में अच्युतादित्य राव और पी अर्जुन रेड्डी की भारतीय जोड़ी का सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया जब उन्हें कांकी इगावा और ओई यी हर्न की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के खिलाफ 15-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी. एकल में मुख्य दौर के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे जिसमें भारत की चुनौती की अगुवाई दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू करेंगी. तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू अपने अभियान की शुरुआत पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो के खिलाफ करेंगी. सिंधू अगर जीत दर्ज करती हैं तो अगले दौर में उनका सामना साथी भारतीय इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले पहले दौर के मुकाबले के विजेता से होगा. महिला एकल में तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चिउ पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ मलेशिया की गोह जिन वेई से भिड़ेंगी. अनमोल खरब को अपने पहले ही मैच में जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा. आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से होगा जबकि तान्या हेमंत की भिड़ंत अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगी.

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को बताया असंतोषजनक, दोनों मैदानों को एक-एक डिमेरिट

दुबई : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड-न्यूज़ीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट में इस्तेमाल की गई लॉर्ड्स की पिच तथा पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के लिए इस्तेमाल की गई लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को 'असंतोषजनक' करार दिया है. इसके साथ ही दोनों मैदानों को आईसीसी की पिच और आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत एक-एक डिमेरिट अंक दिया गया है. लॉर्ड्स टेस्ट के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और गद्दाफी स्टेडियम के मैच रेफरी ग्रेम ला ब्रॉय ने अपनी रिपोर्ट में अंपायरों और दोनों टीमों के कप्तानों की चिंताओं को दर्ज किया. लॉर्ड्स की पिच पर टिप्पणी करते हुए पाइक्रॉफ्ट ने कहा कि पूरे टेस्ट के दौरान गेंद में जरूरत से ज्यादा सीम मूवमेंट देखने को मिली और कई मौकों पर गेंद असामान्य रूप से नीचे रही. उन्होंने कहा,पूरे मुकाबले में उछाल लगातार समान नहीं रही. पहले दिन 16 और दूसरे दिन 17 विकेट गिरे. पिच पूरी तरह गेंदबाजों के पक्ष में झुकी हुई थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए संतुलित प्रतिस्पर्धा नहीं बन सकी. वहीं, गद्दाफी स्टेडियम की पिच को लेकर ग्रेम ला ब्रॉय ने कहा कि पिच काफी धीमी और नीची थी, जिससे रन बनाना बेहद कठिन हो गया. उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा, यह पिच एकदिवसीय क्रिकेट के अनुकूल नहीं थी क्योंकि बल्लेबाजों को सेट होने में अधिक समय लग रहा था. मैच के शुरुआती चरण से ही स्पिन को मदद मिलनी शुरू हो गई थी और यह स्थिति पूरे मुकाबले में बनी रही. आईसीसी ने दोनों रिपोर्ट संबंधित बोर्ड- इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भेज दी हैं. दोनों बोर्ड के पास फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिनों का समय होगा. आईसीसी नियमों के अनुसार डिमेरिट अंक पांच वर्षों तक सक्रिय रहते हैं. किसी मैदान के छह डिमेरिट अंक होने पर उसे 12 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से निलंबित किया जा सकता है. वहीं, 12 अंक होने पर यह प्रतिबंध 24 महीने तक बढ़ सकता है. हालांकि राहत की बात यह है कि लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम, दोनों मैदानों के खाते में इससे पहले कोई डिमेरिट अंक दर्ज नहीं था.

माइकल ओलिसे की हैट्रिक से फ्रांस ने उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराया

लिले: फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में फ्रांस ने माइकल ओलिसे की शानदार हैट्रिक की बदौलत उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हरा दिया. इस जीत के साथ फ्रांस ने पिछले सप्ताह आइवरी कोस्ट के खिलाफ मिली हार से वापसी की, हालांकि टीम की रक्षात्मक कमजोरियां एक बार फिर सामने आईं. फ्रांस के लिए माइकल ओलिसे ने एक बार फिर अपनी अहमियत साबित की और विश्व कप से पहले टीम के सबसे प्रभावशाली आक्रमणकारी खिलाड़ियों में खुद को स्थापित किया. मुख्य कोच दिदिए देशां ने इस मुकाबले में लगभग वही टीम उतारी, जिसे विश्व कप के पहले मैच में खेलने की संभावना है. ओलिसे ने किलियन एम्बाप्पे, उस्मान डेम्बेले और डिज़ायर डूए के पीछे खेलते हुए आक्रमण की कमान संभाली, जबकि रक्षा में विलियम सलीबा और दायोट उपामेकानो की जोड़ी उतरी. मुकाबले की शुरुआत में फ्रांस लय हासिल नहीं कर पाया और उत्तरी आयरलैंड की मजबूत रक्षात्मक रणनीति को तोड़ने में संघर्ष करता रहा. शुरुआती चरण में टीम को ज्यादा स्पष्ट मौके नहीं मिले. पहला गोल पहले हाफ के समाप्त होने से दो मिनट पहले आया. बाएं छोर से डिज़ायर डूए के तेज आक्रमण के बाद गेंद डेम्बेले तक पहुंची. उनके शॉट पर डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद माइकल ओलिसे के सामने आ गई, जिन्होंने नजदीक से गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी. दूसरे हाफ की शुरुआत के चार मिनट बाद ओलिसे ने एक और गोल कर अंतर दोगुना कर दिया. उत्तरी आयरलैंड की रक्षा गेंद को साफ नहीं कर सकी और ओलिसे ने हाफ-वॉली के जरिए गेंद को जाल में पहुंचा दिया. हालांकि मैच पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद फ्रांस की रक्षापंक्ति फिर दबाव में दिखी. इसका फायदा उठाते हुए शिया चार्ल्स ने दाएं छोर से शानदार क्रॉस दिया, जिस पर पैट्रिक केली ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया. लेकिन वापसी की उम्मीदों को ओलिसे ने खत्म कर दिया. 75वें मिनट में उन्होंने शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को दूर कोने में पहुंचाया और अपनी हैट्रिक पूरी करते हुए फ्रांस को 3-1 की जीत दिला दी. अब फ्रांस 16 जून को ग्रुप-आई में सेनेगल के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा. इसके बाद उसका सामना इराक और नॉर्वे से होगा.

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको): ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं. विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट. ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा. इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था. इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है. अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे. ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है. महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा. पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी.

अमेरिका में 1994 में आयोजित फीफा विश्व कप और 2026 में होने वाले विश्व कप की तुलना

न्यूयॉर्क : अमेरिका में 1994 में खेले गए पहले फीफा विश्व कप और 2026 में अमेरिका, मेक्सिको तथा कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के बीच कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे. 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक चलने वाला यह टूर्नामेंट आकार, टिकट कीमतों और सुविधाओं के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप होगा.

टिकट हुए कई गुना महंगे: 1994 : पहले दौर के मैचों के टिकट 25 से 75 डॉलर तक मिल जाते थे, जबकि फाइनल के टिकट 180 से 475 डॉलर के बीच थे. 2026 : पहले दौर के टिकट 140 डॉलर से शुरू होकर 2,735 डॉलर तक पहुंच रहे हैं. फाइनल के टिकट 4,185 डॉलर से लेकर 8,680 डॉलर तक बेचे गए, जबकि बाद में उनकी अधिकतम कीमत बढ़ाकर 10,990 डॉलर कर दी गई. इस बार टिकटों की कीमत मांग के अनुसार बदलने वाली 'डायनेमिक प्राइसिंग' प्रणाली भी लागू की गई है.

टीमों की संख्या बढ़ी: 1994 : विश्व कप 24 टीमों वाला आखिरी टूर्नामेंट था. इसके बाद 1998 में टीमों की संख्या 32 हुई. 2026: पहली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी. नए प्रारूप के कारण चैंपियन बनने वाली टीम को अब सात की जगह आठ मैच खेलने होंगे.

मैदानों का आकार : 1994 : उस समय फीफा मैदान की लंबाई 105 मीटर और चौड़ाई 68 मीटर तय की थी लेकिन स्टेडियमों को निर्धारित माप से छोटे मैदान रखने की छूट थी. 2026 : सभी स्टेडियमों को फीफा के तय मानकों के अनुसार तैयार किया गया है.

दर्शकों की संख्या : 1994 : विश्व कप में 52 मैचों में कुल 35.9 लाख दर्शक पहुंचे थे, जो उस समय रिकॉर्ड था. 2026: मैचों की संख्या बढ़ने के कारण 60 से 70 लाख दर्शकों के आने की संभावना जताई जा रही है.

भौगोलिक दायरा : 1994 : पूरा टूर्नामेंट अमेरिका के नौ स्टेडियमों में खेला गया था. 2026 : तीन देशों में फैला होगा आयोजन. 16 स्टेडियमों का उपयोग होगा, जिनमें 11 अमेरिका, तीन मेक्सिको और दो कनाडा में हैं. क्वार्टर फाइनल से लेकर फाइनल तक के सभी मुकाबले अमेरिका में होंगे.

वाटर ब्रेक (पानी पीने के लिए समय): 1994 : गर्म और उमस भरे मौसम के बावजूद मैच बिना किसी विशेष पानी के विराम के खेले जाते थे. **2026 :** प्रत्येक हाफ में तीन मिनट का वॉटर ब्रेक होगा. कोच इस समय का उपयोग खिलाड़ियों को रणनीति समझाने के लिए भी कर सकेंगे.

स्थानापन्न खिलाडी : 1994 : एक टीम अधिकतम दो खिलाड़ियों को बदल सकती थी, जबकि विशेष परिस्थितियों में गोलकीपर के लिए अतिरिक्त बदलाव की अनुमति थी. 2026 : प्रत्येक टीम पांच खिलाड़ियों को बदल सकेगी. अतिरिक्त समय में छठा बदलाव और सिर में चोट (कंकशन) की स्थिति में अलग से बदलाव की सुविधा भी रहेगी.

फुटबॉल विश्व कप से निकल सकते हैं नए सुपरस्टार

न्यूयॉर्क : हर वर्ल्ड कप नए स्टार्स को जन्म देता है. कुछ को लोग जानते हैं, कुछ को नहीं. फीफा वल्डर् कप 2026 अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 11 जून से शुरू होने वाला है, ऐसे में उन 10 खिलाड़ियों पर नजर डालना दिलचस्प होगा जिनके करियर, मार्केट वैल्यू और ग्लोबल पहचान में अगले कुछ महीनों में सबसे ज्यादा बदलाव आ सकता है.

लैमिन यमल (स्पेन, उम्र 18) : फुटबॉल के सबसे होनहार टैलेंट्स में से एक. एक शानदार वल्डर् कप उन्हें 'बैलन डी 'ओर' की चर्चा में तेजी से आगे ला सकता है. इतने कम उम्र के खिलाड़ी के लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है.

एंड्रिक (ब्राजील, उम्र 19) : ब्राजील का नया वंडरकिड (अछूत प्रतिभा वाला युवा). वर्ल्ड कप उन्हें दक्षिण अमेरिका से बाहर भी घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनने का मौका देता है.

अर्दा गुलेर (तुर्की, उम्र 21) : तुर्की की क्रिएटिव जान और शायद 2000 के दशक की शुरुआत वाली पीढ़ी के बाद से उनका सबसे बड़ा टैलेंट.

केनन यिल्डिज़ (तुर्की, उम्र 21) : यूरोप के सबसे तेजी से उभरते युवा अटैकर्स में से एक और ऐसा खिलाड़ी जो सबसे बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने की काबिलियत रखता है.

वॉरेन जायर-एमरी (फ्रांस, उम्र 20) : फ्रांस का अगला मिडफ़ील्ड लीडर, जो ऐसे टूर्नामेंट में आ रहा है जहां जगह बनाने के लिए मुकाबला पहले से कहीं ज़्यादा कड़ा है.

बेंजामिन सेस्को (स्लोवेनिया, उम्र 23) : एक जबरदस्त स्ट्राइकर जो एक देश की उम्मीदें लेकर चल रहा है और कुछ बड़ी टीमों को चौंका सकता है.

मोहम्मद अमौरा (अल्जीरिया, उम्र 26) : अफ्रीका के सबसे खतरनाक फॉरवर्ड्स में से एक और असल में बड़े मंच पर छाने का दम रखने वाला खिलाड़ी.

फ्रेंको मास्टंटुओनो (अर्जेंटीना, उम्र 18) : टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक और अर्जेंटीना का अगला बड़ा टैलेंट माना जाता है.

डेसिरे डौए (फ्रांस, उम्र 21) : एक ऐसा खिलाड़ी जिसे कई स्काउट्स पहले से ही यूरोप के बेहतरीन युवा टैलेंट्स में गिनते हैं.

सैंटियागो जिमेनेज (मेक्सिको, उम्र 25) : मेजबान देश की टीम की कमान संभाल रहे हैं, और उनके पास मैक्सिकन फुटबॉल का चेहरा बनने का मौका है. वर्ल्ड कप में कुछ ही हफ्तों में फुटबॉल खिलाड़ियों का करियर बदलने की क्षमता होती है. फीफा 2026 वह मौका हो सकता है जब ये खिलाड़ी शानदार टैलेंट से ग्लोबल स्टार बन जाएं.

न्यूज कॉर्नर

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 24 लाख की ठगी करने वाले साइबर गिरोह का पर्दाफाश

जयपुरः राजधानी जयपुर की श्याम नगर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) दक्षिण ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपितों में कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर चुका गणेश चौधरी और उसके सहयोगी दुष्यंत जांगिड़ शामिल हैं. गिरोह महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 24 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में वांछित था. पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित गणेश चौधरी (29) निवासी कोतवाली बाड़मेर हाल वैशाली उत्सव अपार्टमेंट, करणी विहार तथा दुष्यंत जांगिड़ (32) निवासी हसनपुरा सदर हैं. गणेश गिरोह का प्रमुख सदस्य है, जबकि दुष्यंत साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करता था.पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 32 डेबिट कार्ड, 12 चेकबुक, 9 पासबुक, 8 सिम कार्ड, 2 रबर स्टाम्प, 5 मोबाइल फोन तथा 1.27 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं.सहायक पुलिस आयुक्त (सोडाला) सुनील प्रसाद शर्मा के अनुसार श्याम नगर थाने में 22 दिसंबर 2025 को डॉ. सुरेखा लोबा ने मामला दर्ज कराया था. उन्होंने शिकायत में बताया कि 15 दिसंबर को व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के जरिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया गया. खुद को सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर ठगों ने उन्हें और उनके परिवार को गिरफ्तार करने की धमकी दी तथा भयभीत कर 24 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर करवा लिए.जांच में सामने आया कि आरोपित विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के बैंक खातों का दुरुपयोग करते थे. इन खातों में ठगी की रकम जमा कर क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी (यूएस डॉलर टेथर) खरीदी जाती थी, जिससे रकम का स्रोत छिपाया जा सके. बाद में यूएसडीटी को ऑनलाइन बेचकर राशि अन्य खातों में स्थानांतरित कर दी जाती थी.

निगम ने तीन मंजिला अवैध निर्माण को किया सीज

जयपुरः अवैध निर्माणों के खिलाफ जयपुर नगर निगम का अभियान लगातार जारी है. इसी कड़ी में नगर निगम के सिविल लाइंस जोन की टीम ने मंगलवार को विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास एक अवैध निर्माण को सीज कर दिया. निगम अधिकारियों ने बताया कि भूखंड पर नियमों के विपरीत बेसमेंट सहित तीन मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था.
सिविल लाइंस जोन के उपायुक्त सुनील कुमार बैरवा ने बताया कि विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर-87 के सामने स्थित गोवर्धन कॉलोनी के भूखंड संख्या एफ-6 निर्माण निर्धारित नियमों और स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था. नगर निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूखंड मालिक को पहले भी नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे. इसके बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी रखा गया. बार-बार चेतावनी और नोटिस की अवहेलना किए जाने के बाद निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए भवन को सीज करने की कार्रवाई की. कार्रवाई के दौरान निगम टीम ने भवन के प्रवेश मार्ग को सील कर दिया और निर्माण स्थल पर सीजिंग नोटिस चस्पा कर दिया. साथ ही मौके पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया गया.

व्यापारी की जेब में रखे चाइनीज मोबाइल में ब्लास्ट

जोधपुरः शहर में एक किराना व्यापारी की पैंट की जेब में रखा मोबाइल अचानक बम की तरह ब्लास्ट हो गया. इसके बाद मोबाइल में आग लग गई. व्यापारी के घुटने के ऊपर का हिस्सा और हाथ की अंगुलियां गंभीर रूप से झुलस गईं. तड़पते हुए व्यापारी ने खुद को बचाने के लिए जेब से जलता हुआ फोन बाहर निकालने की कोशिश की, तो उनके हाथ की अंगुलियां जल गईं.घटना मंडोर कृषि मंडी इलाके में सोमवार दोपहर में हुई. लाल सागर इलाके के रहने वाले घायल व्यापारी गोपाल सोनी (39) को तुरंत मंडोर के सैटेलाइट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. हालत गंभीर होने के कारण मंगलवार सुबह उन्हें महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले जाया गया. यहां उनका इलाज चल रहा है. हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. राजेश गालवा की देखरेख में व्यापारी का इलाज चल रहा है.

सिरसा: लाखों रुपये की हेरोइन सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

सिरसाः पुलिस ने सिरसा जिला क्षेत्र से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये की हेरोइन बरामद की है. सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव करीवाला क्षेत्र में मौजूद थी. इस दौरान सामने से बाइक सवार युवक आता हुए दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर अचानक बाइक को वापस मोडक़र भागने का प्रयास करने लगा. पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 34 ग्राम हेरोइन बरामद हुई. आरोपी की पहचान सिरसा निवासी जसपाल के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार की किए गए युवक के खिलाफ थाना रानियां में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई.इसके अलावा एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने गांव रोड़ी क्षेत्र से एक युवक को सात ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है. एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम नशा रोकथाम को लेकर गांव रोड़ी क्षेत्र में मौजूद थी. इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़ गया. पुलिस ने शक के चलते उसे तलाशी के लिए रोका और जांच की तो उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई. युवक की पहचान जीत सिंह के रूप में हुई है. आरोपी के खिलाफ रोड़ी थाना में मामला दर्ज किया गया है.पुलिस ने गांव गदराना क्षेत्र से अवैध पिस्तौल सहित एक युवक को काबू किया है. आरोपी की पहचान बादल सिंह के रूप में हुई है. कालांवाली थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि पुलिस टीम नाकाबंदी के दौरान लकड़ावाली रोड पर वाहनों की जांच कर रही थी. तलाशी के दौरान एक युवक से 32 बोर का अवैध पिस्तौल बरामद हुआ. पुलिस पूछताछ में आरोपी से इस अवैध हथियार की सप्लाई चेन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां जुटा रही है. आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

नशा तस्करी के दोषी को छह साल कैद की सजा

जींदः अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अर्चना यादव की अदालत ने नशा तस्करी के एक युवक को दोषी करार देते हुए छह साल की कैद की सजा सुनाई है. इसके अलावा अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है. युवक को सीआइए नरवाना पुलिस ने 2018 में गिरफ्तार किया था.पुलिस प्रवक्ता राजेश कुमार ने बताया कि 10 दिसंबर 2018 को सीआईए स्टाफ नरवाना पुलिस ने नरवाना में झील गांव निवासी अमन को नशीले पदार्थ तस्करी के आरोप में पकड़ा था. पुलिस ने जब आरोपित की तलाशी ली तो उसके पास से 400 ग्राम सुल्फा बरामद किया था. पुलिस ने सदर थाना नरवाना में आरोपित के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी. यह मामला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अर्चना यादव की अदालत में विचाराधीन था.पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने अमन के खिलाफ ठोस साक्ष्य अदालत में प्रस्तुत किए. पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए गए ठोस साक्ष्यों के आधार पर न्यायाधीश अर्चना यादव ने मंगलवार को अमन को नशा तस्करी का दोषी करार देते हुए छह साल की कैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है. पुलिस प्रवक्ता राजेश कुमार ने कहा कि आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समाज को नशामुक्त एवं सुरक्षित बनाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा सके.

प्रेम प्रसंग में युवक की चाकुओं से गोद कर हत्या

सिरसाः जिले में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई है. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया. मृतक युवक की पहचान सिरसा निवासी संदीप कुमार के रूप में हुई. पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर कुछ लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृतक युवक के परिजनों ने बताया कि संदीप को कुछ युवकों ने सोमवार रात को फोन कर घर से बुलाया. संदीप सिरसा के दुर्गा मंदिर के पास पहुंचा जहां कुछ युवक पहले से मौजूद थे. पहले उनमें लड़ाई-झगड़ा हुआ और फिर चाकुओं से संदीप पर कई वार किए गए. आरोपी संदीप को घायलावस्था में छोडक़र फरार हो गए. सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल संदीप को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई.बताया जा रहा है कि संदीप एक युवती से फोन पर बात करता था. परिजनों का आरोप है कि युवती के परिवार के लोगों ने संदीप की हत्या की है. आरोप है कि घटना के वक्त युवती का भाई भी मौके पर था. परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, बच्चे समेत सात की मौत

गोदाम सील, संचालक और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की तैयारी

जयपुरः राजधानी के खोह नागोरियान थाना क्षेत्र के आयशा नगर तलाई स्थित आईटीआई कॉलेज के पास मंगलवार सुबह अवैध रूप से संचालित पटाखों के गोदाम में भीषण आग लगने से बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया. हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए. प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य चलाकर आग पर काबू पाया. घटना के बाद गोदाम को सील कर दिया गया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई है.
पुलिस और प्रशासन के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम में अचानक आग भड़क उठी. गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया. कई धमाकों के बीच अंदर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला. इस अग्निकांड में रामगंज निवासी अब्दुल वाहिद (50), रहीम नगर निवासी बिलाल खान (30), समीर (20), आजीम खान उर्फ आविद, राबिल पुत्र सिकंदर कुरैशी सहित सात लोगों की मौत हो गई. दो मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है. नासिर पुत्र मोहम्मद अली गंभीर रूप से झुलस गया और उसका एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में उपचार चल रहा है.
एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. आर.के. जैन ने बताया कि अस्पताल में छह मरीज लाए गए थे. इनमें दो की मौत हो गई, जबकि चार का उपचार किया गया. नासिर 95 प्रतिशत तक झुलसा हुआ है. समीर भी 95 प्रतिशत, बिलाल 75 प्रतिशत और आदिब 65 प्रतिशत तक झुलसे थे. बाद में समीर और अन्य घायलों में से कई ने दम तोड़ दिया.
खोह नागोरियान थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मकान

याकूब नामक व्यक्ति का है. उसने यह भवन दिल्ली निवासी फिरोज को किराये पर दिया था. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फिरोज अपने सहयोगी वसीम के साथ मिलकर यहां अवैध रूप से पटाखों का गोदाम और निर्माण गतिविधियां संचालित कर रहा था. पुलिस ने परिसर को सील कर दिया है. पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह पटाखों का गोदाम प्रतीत होता है, जबकि फैक्ट्री कहीं और संचालित होने की जानकारी मिली है. विस्तृत जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी.
उन्होंने कहा कि रिहायशी इलाके में अवैध रूप से गोदाम संचालित किया जा रहा था. गोदाम मालिक, संचालकों तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी.
जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है. किसी ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग भड़कने की आशंका है. प्रशासन ने संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार और पटवारी से भी रिपोर्ट तलब की है, क्योंकि जिस कॉलोनी में गोदाम संचालित हो रहा था, उसे अवैध कॉलोनी बताया जा रहा है.स्थानीय निवासी हाशिम अंसारी और अन्य लोगों ने बताया कि आग लगने के बाद उन्होंने पानी के टैंकर और पाइप की मदद से अंदर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया. तीन-चार लोगों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि कई लोगों को बचाया नहीं जा सका. बचाव के दौरान कुछलोगों के कपड़े और पैर भी झुलस गए.
इधर, किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने घटना के लिए प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आबादी क्षेत्र में बारूद और पटाखों का गोदाम संचालित हो रहा था, लेकिन किसी ने कार्रवाई नहीं की. उन्होंने मामले में मिलीभगत की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की.पुलिस, . एसएल और प्रशासनिक टीमें आग लगने के कारणों, गोदाम के लाइसेंस, सुरक्षा मानकों तथा अवैध संचालन की जांच में जुटी हुई हैं. घटना ने रिहायशी क्षेत्रों में संचालित अवैध पटाखा गोदामों और फैक्ट्रियों पर प्रशासनिक निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.
राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने भी घटना पर दुख जताते हुए अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं.
पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खोह नागोरियान क्षेत्र में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. गहलोत ने कहा कि इस भीषण हादसे में कई लोगों की मृत्यु की सूचना अत्यंत दुखद है. उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की. साथ ही हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की.

बैठक में अनुपस्थित डीडीपीओ पर गिरी मंत्री की गाज, निलंबन की सिफारिश

नारनौलः हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने मंगलवार को नारनौल में अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान कार्यों में कोताही और बैठक में समय पर उपस्थित न होने पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) के खिलाफ सख्त रुख अपनाया. उन्होंने उपायुक्त को डीडीपीओ प्रमोद कुमार के निलंबन की सिफारिश करने के निर्देश दिए.स्वास्थ्य मंत्री ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की. बैठक सुबह 10 बजे निर्धारित समय पर शुरू हुई, लेकिन डीडीपीओ प्रमोद कुमार समय पर नहीं पहुंचे. इसे गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की.पत्रकारों से बातचीत में आरती सिंह राव ने कहा कि बैठक का नोटिस कई दिन पहले जारी किया गया था. बैठक में जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और विधायक मौजूद थे, लेकिन संबंधित अधिकारी की अनुपस्थिति गैर-जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाती है.
उन्होंने कहा कि पंचायत एवं विकास विभाग से जुड़े साढ़े सात करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की समीक्षा की जानी थी, जिसके लिए डीडीपीओ की मौजूदगी आवश्यक थी. मंत्री ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष में हुए विकास कार्यों, लंबित परियोजनाओं और अधूरे कामों की प्रगति की जानकारी लेने के लिए बैठक आयोजित की गई थी. ऐसे में जिम्मेदार अधिकारी का अनुपस्थित रहना स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी. इसके अलावा सरकारी अस्पतालों में एक्स-रे, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं. उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण मरीजों को कुछ परेशानी हो रही है, जिसे दूर करने के लिए जल्द ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी.

जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद आसाराम को बाहर के खाने के साथ मिलेगा अल्कलाइन वॉटर

जोधपुरः अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौन शोषण के मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को अब खाने के साथ अल्कलाइन पानी भी मिलेगा. इसके साथ ही जेल प्रशासन को अलग से बेड और बिस्तर भी देने होंगे. राजस्थान उच्च न्यायालय ने आसाराम को जेल में उपलब्ध कराई जा रही विशेष चिकित्सा एवं सहायक सुविधाओं को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है.
आसाराम ने 28 मई को जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर किया था. इसके बाद से जेल प्रशासन ने आसाराम को जेल में पहले मिलने वाली सुविधाओं को बंद कर दिया था. इसको लेकर आसाराम की ओर से उच्च न्यायालय में एक याचिका लगाई गई थी. आदेश में कहा गया है कि किसी कैदी की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें केवल इसलिए समाप्त नहीं हो जातीं, क्योंकि उसके खिलाफ अपील का निस्तारण हो चुका है. गंभीर बीमारियों से ग्रस्त आसाराम को पूर्व में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय से प्रदान की गई सुविधाएं आगे भी जारी रखी जाएं, ताकि उसकी चिकित्सा जरूरतों और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके.
जस्टिस संजीत पुरोहित की एकल पीठ ने आसाराम की ओर से दायर आपराधिक रिट याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि निजी स्रोत से भोजन प्राप्त करने की पूर्व व्यवस्था यथावत रहेगी. हालांकि, दिन में एक बार भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन अब उसके साथ अल्कलाइन पानी उपलब्ध कराने की अनुमति भी दी गई है. यह सुविधा पूर्व आदेशों की शर्तों के अधीन ही लागू रहेगी. दो सहायकों की व्यवस्था को भी जारी रखने के आदेश दिए गए हैं, हालांकि अपनी पसंद के व्यक्तियों को सहायक बनाने की मांग कोर्ट ने अस्वीकार कर दी.

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी:ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया

केंद्रीय मंत्री बोले, मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित

सिंधिया परिवार ने पानीपत की तीसरी लड़ाई में 16 पूर्वजों की दी कुर्बानी

12 वर्षों में भारत में दो शक्तियों का देखने को मिला संगम

रोहतकः केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम.सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व स्थिरता और अभूतपूर्व परिवर्तन दोनों का अनुभव किया है. यही कारण है कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और तेजी से विकसित हो रही शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है. विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपनी पूर्ण आहुति देने का समय आ गया है.
मंगलवार को केंद्रीय मंत्री वैश्य महाविद्यालय के सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा रोपा गया यह पौधा आज वटवृक्ष बनकर लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा रूपी छाया प्रदान कर रहा है. महात्मा गांधी ने देशभर में दो संस्थाओं की नींव रखी थी, जिनमें रोहतक की वैश्य शिक्षण संस्था शामिल है. ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हरियाणा और विशेष रूप से रोहतक की धरती का देश के इतिहास में विशेष स्थान रहा है. पानीपत की वीर भूमि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए मराठा वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी. सिंधिया परिवार के 16 पूर्वजों ने इस लड़ाई में कुर्बानी दी थी. भारत का इतिहास सहिष्णुता का रहा है, लेकिन देश की सुरक्षा और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता.

उरी सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्यवाहियों ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी एकता और अखंडता अक्षुण्ण रखने के लिए ईंट का जवाब पत्थर से देना जानता है. केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की लगभग 20 हजार करोड़ रुपये की राशि 9.26 करोड़ किसानों के खातों में पहुंचाई. प्रधानमंत्री की सोच विश्व व्यापक है.
सिंधिया ने कहा कि रोहतक का एलिवेटेड रेल कॉरिडोर इस परिवर्तन का उत्कृष्ट उदाहरण है. लगभग पांच किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड रेलवे ट्रैक आधुनिक भारत की विकास सोच को दर्शाता है. इस परियोजना में ऊपर रेलवे लाइन और नीचे सडक़ मार्ग का विकास किया गया है, जिससे यातायात व्यवस्था अधिक सुगम और व्यवस्थित हुई है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह एलिवेटेड रेल कॉरिडोर नए भारत की पहचान और अस्मिता का प्रतीक है.

एसी का कंप्रेशर फटने से आधा दर्जन दुकानों में लगी भयंकर आग, भारी नुकसान

रोहतकः शहर के डी पार्क पर स्थित एक जूतों के शोरूम में एसी का कंप्रेशर फटने से मंगलवार को भयंकर आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लेते हुए साथ लगती आधा दर्जन के करीब कपड़े, कास्टमैटिक की दुकानों व शोरूम को भी अपनी चपेट में ले लिया. दुकानों में लगी आग इतनी भयंकर थी कि आसपास के क्षेत्र में हडकंप मच गया और लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई.डीपार्क पर दुकानों में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाडियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया. दुकानों व शोरूम में आगजनी की इस घटना से दुकानदारों को काफी नुकसान हुआ है. पुलिस भी मामले की जांच में जुटी है. मंगलवार दोपहर को डी पार्क स्थित एक जूतों के शोरूम में छत पर लगा एसी का कंप्रेशर अचानक से फट गया, जिससे जोरदार धमाका हुआ और आग लग गई. तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार बाहर आए तो देखा कि शोरूम में आग लगी हुई है. आग ने विकराल रूप लेते हुए शोरूम के आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया.दुकानों में आग लगते ही भगदड़ मच गई और लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई. सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को खाली करवाया. इस दौरान सडक़ पर जाम भी लग गया. ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्ट कर वाहनों को निकाला. दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्त के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया. आग लगने से दुकान व शोरूम में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया. घटना की सूचना मिलने पर उपायुक्त सचिन गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित भी मौके पर पहुंचे.

सुडोकू-72

1			6				5	8
5	2		7			6	4	
	6	8		5		7		2
7			2					1
		2				5		
4					5			6
8		7		2		1	9	
	4	6			7		3	5
9	1				4			7

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -71 का उत्तर

7	5	4	9	1	8	2	6	3
3	1	6	2	5	4	9	8	7
2	9	8	6	7	3	4	5	1
4	7	5	8	2	1	6	3	9
1	6	2	3	9	7	5	4	8
9	8	3	4	6	5	7	1	2
5	4	7	1	3	2	8	9	6
6	2	1	5	8	9	3	7	4
8	3	9	7	4	6	1	2	5

युवा शक्ति माथापच्ची- 93

1		2		■	3	4		
	■		■	5			■	■
6			■	■	7		8	9
■	■	10		11		■	12	
■	13		■		■	14		■
15		■	16				■	■
17		18		■	■	19		20
■	■	21			■		■	
22				■	23			

● **बाएं से दाएं**
1. निमंत्रण, बुलावा, 3. छितराया हुआ, माना हुआ चालक, 5. स्थिर, अचल, न टलने वाला, 6. पत्ता, कागज, 7. वानायुज देश का घोड़ा, 10. फिसलना, 12. चाल, षडयंत्र, झरोखा, पक्षियों को पकड़ने के लिए बिछाया गया कपड़ा, 13. उत्पत्ति, उत्पन्न किया हुआ, जन्माया, 14. आदत, सज-धज, अभ्यास, पानी की ऊँची लहर, 15. समय, अंत, 16. दुर्घटना, दंगा-फसाद, 17. आनंदित, नशे में चूर, घमंडी, 19. तुलसी, सरलता से मिलने वाली, 21. यमुना, 22. लज्जाजनक, 23. बिगाड़ने वाला, नाश करने वाला,

● **उपर से नीचे**
1. फेंकना, दोष लगाना, ताना, 2. डराना, चकित करना, 3. अनावश्यक भाग कटवाना, चुनवाना, अलग करवाना, 4. हटाना, दूर करना, बहाना करना, 8. सारथी, योगी, विप्र, 9. पानी, खस, 11. छप्पर, छाजन, 13. जल देने वाला, बादल, मेघ, 14. किसी से अनुचित सुनना, ऊँची-नीची बात कहने का अवसर देना, 15. काज, कार्य, 16. असली, बिल्कुल ठीक, जो वास्तव मे हुआ हो, 18. अंत होना, शरीर छोड़ना, जलना, 20. बांटने वाला, भाग देने वाली संख्या.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 92 का हल

ब	लि	का	ब	क	रा	■	■	पा
■	खा		■	ह	■	अ	प	ना
■	व	स्र	■	र	सो	प	ल	■
प	ट	■	वा	■	■	ना	ट	क
द	■	क्ष	मा	या	च	ना	■	मा
क	स	म	■	■	ना	■	अ	ल
■	म	णी	पु	र	■	र	वि	■
अ	क्ष	य	■	फ्ता	■	■	रा	■
न्न	■	■	च	र	ण	चू	म	ना

स्वर्णकार व्यवसायियों द्वारा जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह आयोजित

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : श्री मैढ़ क्षत्रिय सभा द्वारा सोमवार को स्थानीय रथीन्द्र मंच, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, जोड़ासांको में एक भव्य जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस गरिमामय कार्यक्रम का उद्देश्य पश्चिम बंगाल की नवगठित सरकार के जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन कर लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जनसेवा के प्रति उनके समर्पण का सम्मान करना था. समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री तापस राय, कैबिनेट मंत्री डॉ. शारद्वत मुखर्जी, राज्य मंत्री श्रीमती पूर्णिमा चक्रवर्ती, राज्य मंत्री श्री उमेश राय, जोड़ासांको विधानसभा के विधायक श्री विजय ओझा, बाली विधानसभा के विधायक श्री संजय कुमार सिंह, पार्षद श्रीमती मीना पुरोहित, पार्षद श्री संतोष कुमार पाठक, रिसड़ा के पार्षद श्री मनोज सिंह तथा श्रीमती शशि सिंह सहित अनेक गणमान्य जन प्रतिनिधि नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सभा के अध्यक्ष श्री शंकरलाल सणखत ने कहा कि यह सम्मान समारोह पश्चिम बंगाल में एक नई चेतना, नई ऊर्जा एवं विकासोन्मुखी नेतृत्व के प्रति समाज की शुभकामनाओं का प्रतीक है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में प्रदेश विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगा. अपने संबोधन में श्री तापस राय ने सभी उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल को पुनः एक समृद्ध, सुरक्षित एवं स्वर्णिम बंगाल के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी. वहीं श्रीमती पूर्णिमा चक्रवर्ती ने इस जनादेश को सत्य, ईमानदारी और जनविश्वास की विजय बताते हुए कहा कि जनता ने झूठ, भ्रष्टाचार और कुप्रवृत्तियों को नकारकर विकास और सुशासन के पक्ष में अपना निर्णय दिया है. श्री विजय ओझा ने जोड़ासांको क्षेत्र के नागरिकों से आत्मीय संवाद करते हुए अपने विकास संबंधी संकल्प साझा किए. उन्होंने क्षेत्र की जनता को विश्वास दिलाया कि वे हर सुख-दुःख में उनके साथ खड़े रहेंगे तथा बड़ाबाजार एवं आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु नई योजनाओं और सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला रखेंगे. समारोह में उपस्थित स्वर्ण व्यवसायियों एवं व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधियों ने भी सरकार को अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि समाज, व्यापार जगत और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों से पश्चिम बंगाल में विकास, समृद्धि और नवजागरण का एक नया अध्याय लिखा जाएगा. सभा के संरक्षक परिषद के अध्यक्ष रवि कड़ेल ने सभी जन प्रतिनिधियों का स्वागत किया. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री राम मौसूण, श्री बजरंग लाल बामलवा, श्री अरुण सरुंडिया, श्री राजकुमार देवाल, श्री श्रीगोपाल कड़ेल, श्री अमरचंद कुकरा, श्री राजकुमार कुकरा, श्री सुनील कुमार डांवर, श्री पवन कुल्थिया, श्री हनुमान तोषावड़, श्री नंदकिशोर तोषावड़, श्री कैलाश मौसूण, श्री राजेश अग्रोया, श्री विजय जालू, श्री विनोद तोषावड़, श्री गिरधारीलाल तोषावड़, श्री महेश सणखत, श्री प्रकाश मौसूण, श्री रामजस सहदेव, श्री सुरेश अंचल, श्री संतोष कुकरा, श्री ओम तोषावड़, श्री राज कुमार कड़ेल,श्री संतोष कुकरा, श्री दिनेश तोषावड़, श्री गगन कड़ेल,

श्री दीपक कुकरा, श्री मानक सुनालिया, श्री अरुण मल्लावत, श्री अशोक गुप्ता, श्रीमती राजलक्ष्मी राठी, श्री मनोज सिंह (पूर्वांचल) एवं विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सभा की समस्त कार्यकारिणी एवं महिला समिति का विशेष योगदान रहा. कार्यक्रम की सफलता के लिए महेश कुमार कड़ेल (उपाध्यक्ष), देवीदत्त बराड़िया (कोषाध्यक्ष), दिलीप नारनौली, विजय कुल्थिया, मनोज कड़ेल, राजेश भामा, भास्कर सोनालिया, मनोज भामा, भगत सिंह तोषावड़, नंद किशोर भामा, धनराज कांटा, पूनम धूपड़, जय प्रकाश कुल्थिया , भीमसेन भामा, बलदेव राज डांवर तथा महिला समिति की मंजू कुल्थिया, बबीता बराड़िया, पूनम सोनी, सुनीता सोनालिया, रंजना सोनालिया एवं सुनीता कुलथिया ने अथक परिश्रम एवं समर्पण के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. श्री श्याम सहारे कुटुंब परिवार ने कार्यक्रम में व्यवस्था को संभालने में अपना बहुमूल्य सहयोग दिया. सभा के सचिव जगदीश प्रसाद सुगंध ने समस्त कोलकाता स्वर्णकार समाज की ओर से प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए, पधारे सभी अतिथियों एवं समाज बंधुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया. कार्यक्रम का सफल संचालन रवि वर्मा (मौसूण) द्वारा किया गया. समारोह सौहार्द, सामाजिक एकता एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति सम्मान की भावना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर संपन्न हुआ.

ऐसे साधन करें कि इहलोक-परलोक दोनों सुधर जाये : श्रद्धेय मालीराम जी शास्त्री

युवा शक्ति न्यूज

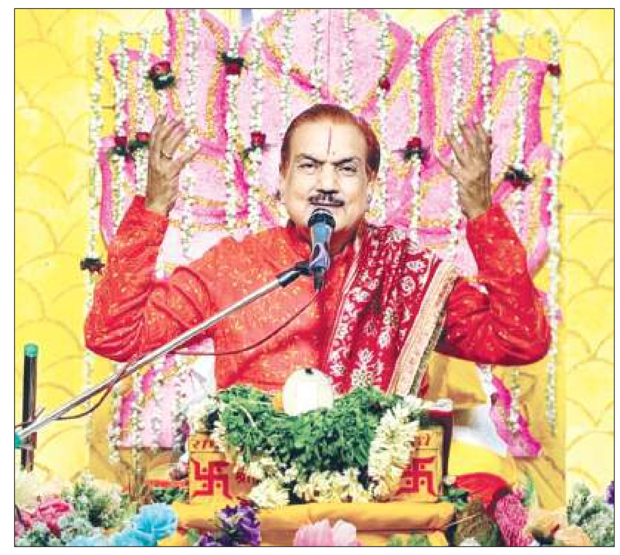

कोलकाता: हम कथाओं में कई बार कुछ कटू बोल जाते हैं जो लोगों को अच्छा नहीं लगता लेकिन हम जो बोलते हैं वो मनुष्य के कल्याण के लिए नितांत जरूरी होता है. अगर आपका मार्गदर्शक ही आपसे सच बोलने से डरता है ,चाहे कैसी भी परिस्थति हो, तो फिर आपको सर्वनाश से कोई नहीं बचा सकता. स्वयं गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है सचिव बैद गुरू तीनि जौं, प्रिय बोलहिं भय आस. राज धर्म तन तीनि कर, होइ बेगिहीं नास.. अर्थात केवल भय या स्वार्थ के कारण मंत्री अपने राजा से, बैद अपने रोगी से और गुरू अपने शिष्य से सत्य नहीं बोलता है तो राजा का राज्य, रोगी का जीवन और शिष्य के धर्म का पतन सुनिश्चित है.' ये उद्गार परम श्रद्धेय भागवत मर्मज्ञ पंडित श्री मालीराम जी शास्त्री ने उल्टाडांगा के बिका बैंक्वेट में पुरूषोत्तम मास के अवसर पर श्री महेश कुमार शर्मा (नेचुरल सिटी) के यजमानत्व में आयोजित 108 श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन की कथा का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये. उन्होंने कहा कि भागवत से चार चीज मिलतीं है धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष. हम लोग क्या करते है धर्म को छोड़ देते है अर्थ और काम को पकड़ कर रखते है. यानि जब हमलोग धर्म करते हैं तो धर्म अर्थ के लिए करते हैं और जब अर्थ आता है तो हमारी कामनाएं बढ़ जाती है यानि काम. अर्थ हम काम में उपयोग लेते है और काम में भोग होता है और जब भोग भोगने लगते है तो रोग पकड़ लेता है फिर हम रोगों में डूबते हैं यानि फिर रोगों में डूबकर मच्छर की तरह मरते रहते है यानि इस जीवन को यहीं खत्म कर देते है. भगवान ने चौरासी लाख यौनियों के बाद में मनुष्य योनि दी है. मनुष्य तन पाकर हमें ऐसे साधन करने चाहिए जिससे हमारा इहलोक और परलोक दोनों सुधर जायें. लेकिन लोग अपने आप को यहां अजर अमर समझकर अनैतिक कर्मों में लिप्त हो जाते हैं और इतना ही नहीं वे सोचते हैं कि भगवान को सवामनी-छप्पन भोग लगाकर, भेंट चढ़ाकर वे अपने दुष्कर्मों से बच जायेंगे. यह कतई संभव नहीं है. क्योंकि भगवान भाव के भूखे हैं भोग-भेंट के नहीं. श्रद्धेय शास्त्री जी ने कहा कि हमें धर्म और अध्यात्म के मार्ग का अनुशरण सदैव करना चाहिए. संयोजक द्वय मनीष-मुकेश शर्मा ने बताया कि 15 जून तक चलने वाली इस कथा में श्रद्धेय शास्त्री दोपहर 3 बजे से 6.30 बजे तक प्रवचन करेंगे.

प्रेम मिलन कोलकाता के चेयरमैन डॉ. चंद्रकांत सराफ ने हरिपाल के विधायका मधुमिता घोष के हाथो दो स्कूल में फैन दिये, दक्षिण रामचन्द्र पुर प्राथमिक विद्यालय, चौतारा प्राथमिक विद्यालय.

102वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल की मानव तस्करी रोधी यूनिट ने जागरूकता व बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया

युवा शक्ति न्यूज/बशीरहाट : एएचटीयू गोजादांगा (102वीं बटालियन बीएसएफ) एवं अननादलोक मिशन स्काउट्स एवं गाइड्स ने आज स्काउट कैंप में मानव तस्करी और बाल संरक्षण पर एक सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. टीम के कमांडर इंस्पेक्टर बी.आर. मेघवाल, गोजादांगा ने वैश्विक पर्यावरण की वर्तमान स्थिति और मानव तस्करी, बाल विवाह, बाल शोषण, बाल श्रम, सोशल मीडिया के दुरुपयोग तथा शिक्षा के महत्व पर विस्तार से बात की. कार्यक्रम में 'गुड टच-बैड टच' जैसी बच्चों से जुड़े संवेदनशील विषयों पर भी समझाइश दी गई. इंस्पेक्टर मेघवाल व स्काउट टीचर श्री चिरंजन दत्ता ने बच्चों को सक्रिय भूमिका निभाने और अपने समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के अंत में इच्छामती नदी के किनारें पर व्यापक वृक्षारोपण किया, जिसमें स्काउट्स, गाइड्स, अभिभावक, स्थानीय स्टाफ और एएचटीयू के जवानों ने मिलकर कई पौधे लगाए

और उनकी दीर्घकालिक देखभाल का संकल्प लिया. कुल मिलाकर लगभग 105 लोग मौजूद रहे. कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण तथा बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक माना जा रहा है.

कलकत्ता टेक्सटाइल एजेंट्स एसोसिएशन द्वारा नव निर्वाचित मंत्रियों तथा विधायकों का सम्मान

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कलकत्ता टेक्सटाइल एजेंट्स एसोसिएशन द्वारा कोट्टी सभागार में आयोजित अभिनंदन एवं सम्मान समारोह में बंगाल के नव निर्वाचित विधायक श्री विजय जी ओझा एवं मंत्री श्रीमती पूर्णिमा जी चक्रवर्ती, मंत्री श्री उमेश राय जी एवं आमंत्रित पार्षद तथा पूर्व उप मेयर श्रीमती मीना देवी पुरोहित एवं श्री किशन झवर का बड़े ही उत्साह एवम् गर्मजोशी से स्वागत तथा सम्मान किया गया. इस उपलक्ष में उपस्थित एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य श्री मदन लाल जोशी ने सम्मान समारोह की शुरुआत करते हुए कलकत्ता टेक्सटाइल एजेंट्स एसोसिएशन की महत्वता के विषय में सभी को अवगत कराया तथा आये हुए सभी अतिथियों का परिचय भी सदन को दिया. विधायक श्री विजय जी ओझा का सम्मान अध्यक्ष श्री आनंद झुनझुनवाला, पूर्व उपाध्यक्ष प्रभुदयाल भरतिया तथा पूर्व अध्यक्ष अरविंद सिंह ने किया. मंत्री श्रीमती पूर्णिमा चक्रवर्ती जी एवं पार्शदा श्रीमती मीना देवी पुरोहित का सम्मान ममता सिंघी, ललित कुमार सिंघी, त्रिलोक बांठिया, अनिल पाण्डेय तथा प्रिया सिंघी ने माल्यार्पण, दुपट्टा शाल तथा पुष्प गुच्छ देकर किया. मंत्री श्री उमेश राय जी का सम्मान ब्रह्मानंद बंग, नारायण दास मोहता, अनिल पाण्डेय तथा विकास सिंघी ने किया. सभी निर्वाचित विधायक, मंत्री तथा पार्षद ने अपना अपना उद्बोधन दिया और अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा के साथ निर्वाह करने का आश्वासन दिया. आमंत्रित अतिथि को कोट्टी अध्यक्ष श्री महेंद्र जी जैन तथा मंत्री श्री देवेन्द्र जी बोथरा का भी आदर सहित सम्मान किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण अध्यक्ष आनंद झुनझुनवाला ने दिया तथा समापन धन्यवाद भाषण उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद बंग ने दिया. कार्यक्रम में सभी एजेंट्स बंधु उत्साहित थे. एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद झुनझुनवाला, उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद बंग, मंत्री ललित कुमार सिंघी, सहमंत्री अजय कुमार सिंघी, कोषाध्यक्ष नारायण दास मोहता, अरविंद सिंह एवं त्रिलोक बांठिया का कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका रही.

हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : स्वाधीनता आंदोलन से जनजागरण तक हिंदी पत्रकारिता की गौरवगाथा का हुआ स्मरण

समर्पण ट्रस्ट ने वरिष्ठ पत्रकार विश्वंभर नेवर को 'पंडित युगल किशोर शुकुल समर्पण पत्रकारिता शिरोमणि सम्मान' से किया सम्मानित, विद्वानों ने कोलकाता को बताया हिंदी पत्रकारिता की जन्मभूमि

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : हिंदी पत्रकारिता के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समर्पण ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा महानगर के रोटरी सदन में स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी समाचार पत्रों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ. इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार विश्वंभर नेवर को 'पंडित युगल किशोर शुकुल समर्पण पत्रकारिता शिरोमणि सम्मान' प्रदान किया गया. कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वानों, पत्रकारों, शोधार्थियों एवं बुद्धिजीवियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही. कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री आर.एन.रवि. कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, किंतु उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष पर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए पत्रकारिता के लोकतांत्रिक महत्व को रेखांकित किया. समर्पण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अभिषेक डोकानिया ने स्वागत वक्तव्य में कहा कि हिंदी पत्रकारिता का यह ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण है. उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की जन्मभूमि कोलकाता रही है तथा 'उदन्त मार्तण्ड' केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि भारतीय बहुभाषिकता, सांस्कृतिक अस्मिता, लोककल्याण, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि इसकी परंपरा ने समाज में निष्पक्षता और जनचेतना का संचार किया है. मुख्य अतिथि प्रो. प्रेमशंकर त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के वर्तमान को समझने के लिए उसके अतीत को जानना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने कहा कि उदन्त मार्तण्ड को प्रकाश में लाने और उसके इतिहास को सुरक्षित रखने में बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. उन्होंने बताया कि बंगाल ने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास को अपनी कोख में सुरक्षित रखा और आज भी अनेक ऐतिहासिक सूत्रों की खोज का कार्य जारी है. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल घटनाओं का दस्तावेज नहीं, बल्कि समय और समाज को समझने का माध्यम भी है. अदिति महाविद्यालय, दिल्ली की प्राचार्या डॉ. नीलम राठी ने कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित में निष्पक्षता बनाए रखना है. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और स्वतंत्रता एक-दूसरे के पर्याय हैं तथा स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्रकारिता ने जनजागरण और राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रो. राजश्री शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता ने समाज में साहित्य और संस्कार दोनों के पोषण का कार्य किया है. उन्होंने कहा कि विदेशी साहित्य से प्रेरणा लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवन-मूल्यों और सामाजिक गरिमा को दृष्टि प्रदान करना भी पत्रकारिता का दायित्व है. स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारिता का योगदान ऐतिहासिक रहा है और आज भी जनजीवन के निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है. वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद् प्रो. राममोहन पाठक ने कहा कि उदन्त मार्तण्ड अपने समय का समग्र समाचार पत्र था, जिसमें समाज, राजनीति और जनजीवन से जुड़े विविध विषयों का समावेश होता था. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि विचार निर्माण की प्रक्रिया भी है. उदन्त मार्तण्ड की सबसे बड़ी विशेषता उसकी जनसरोकारों से जुड़ी दृष्टि थी. सम्मान प्राप्त करने के बाद वरिष्ठ पत्रकार विश्वंभर नेवर ने कहा कि पत्रकारिता का कार्य केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना भी है. उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय पत्रकारों ने अनेक चुनौतियों का सामना किया. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व निराशा के बीच आशा की खोज करना तथा परिवर्तन की दिशा में समाज का मार्गदर्शन करना है. प्रथम सत्र की अध्यक्षता कर रहीं प्रो. सोमा बंद्योपाध्याय ने कहा कि भाषा संस्कृति की वाहक होती है और हिंदी पत्रकारिता के विकास में बंगाल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है. उन्होंने समर्पण ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रदीप ढेडिया को हिंदी एवं भाषा सेवा के क्षेत्र में समर्पित व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि पत्रकारिता ने भारत की विविध भाषाओं और संस्कृतियों को एक-दूसरे के निकट लाने का कार्य किया है. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता ने जनता में वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय चेतना के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. पत्रकार श्री लोकनाथ तिवारी ने कहा कि बंगाल से ही हिंदी पत्रकारिता की प्रारंभिक धारा विकसित हुई. उन्होंने 'वर्तमान' समाचार पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि शुरुआती पत्रकारिता का उद्देश्य जन-सूचना और जन-चेतना का विस्तार था. उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता को जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को पुनः केंद्र में लाने की आवश्यकता है. वरिष्ठ पत्रकार

रविशंकर सिंह ने कहा कि बंगाल हिंदी और बांग्ला भाषाई संस्कृतियों का सेतु रहा है. उन्होंने कहा कि हिंदी समाचार पत्रों ने स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के प्रो. सुनील द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक समाचार पत्र का अपना एक दृष्टिकोण और उद्देश्य होता है, जो उसके विचार और कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है. वहीं पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रो. किंशुक पाठक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए कहा कि नई तकनीकें पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला रही हैं, किंतु मानव मस्तिष्क की सृजनात्मकता और संवेदनशीलता का कोई विकल्प नहीं हो सकता. उन्होंने कहा कि उदन्त मार्तण्ड में नैतिक मूल्यों से जुड़ी खबरों को विशेष महत्व दिया जाता था. संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं कोलकाता प्रेस क्लब के अध्यक्ष स्नेहाशीष सुर ने की. उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत कोलकाता से हुई और यह शहर भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में विशेष स्थान रखता है. उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में भी प्रिंट मीडिया की प्रासंगिकता बनी हुई है और पत्रकारिता के मूल मूल्य आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं. संगोष्ठी में कई गणमान्य व्यक्तित्व एवं समाजसेवी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, शिक्षाविद्, शोधार्थी, साहित्यकार एवं विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे. वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि हिंदी पत्रकारिता का दो सौ वर्षों का इतिहास केवल पत्रकारिता का इतिहास नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संघर्ष, भाषाई एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सशक्त गाथा है. संगोष्ठी के दोनों सत्रों का संचालन महावीर प्रसाद रावत ने किया जबकि धन्यावाद ज्ञापन राहुल मोदी ने किया.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन